बुधवार
19 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बीमा भारती की बढ़ी मुश्किलें, मर्डर केस में बेटे को गिरफ्तार करने पटना पहुंची पुलिस

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अररिया में उद्घाटन के पहले ही भरभराकर गिर गया 12 करोड़ की लागत से बन रहा पुल

बिहार के दामन पर दाग

- सिकटी के पड़रिया में बकरा नदी पर बन रहा पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, लोगों में आक्रोश
- अफसरों व ठेकेदार की मिलीभगत से सरकार को लगा चूना

केटी न्यूज/पटना

बिहार में एक और पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर नदी में गिर गया। मामला अररिया जिले का है। यहां सिकटी के पड़रिया में बकरा नदी पर 12 करोड़ की लागत से पुल बन रहा पुल मंगलवार की दोपहर करीब दो बजकर पांच मिनट पर

धराशायी हो गया। यह पुल अभी पूरा भी नहीं बना था और नदी में गिर गया। 182 मीटर का पुल कुल तीन हिस्सों में बना था। दो पाए के साथ दो हिस्सा नदी में समा गया। लोगों को सालों से इस पुल के बनने का इंतजार था। यह पुल सिखटी और कुसार्काटा प्रखंड को जोड़ता। स्थानीय बीजेपी विधायक विजय कुमार मंडल और सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने इस पुल को बनाने के लिए बहुत कोशिश की थी। पुल बनना शुरू हुआ तो विभाग के लोगों ने ध्यान नहीं दिया और ठेकेदार ने सही से काम नहीं किया। इस वजह से मंगलवार को पुल नदी में गिर गया।

पुल के निर्माण में किया गया घटिया सामग्री का इस्तेमाल

पुल गिरने की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस पुल का निर्माण पहले बने पुल के एप्रोच कट जाने के बाद कराया गया था। लोगों का आरोप है कि पुल के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल किया गया था इसलिए पुल उद्घाटन से पहले ध्वस्त हो गया। लोगों का कहना है कि हाल में ही पुल के एप्रोच पथ को बहाल करने के विभाग की विभाग की ओर कवायद शुरू की गई थी। लेकिन, उससे पहले यह हादसा हो गया। अररिया के सांसद और विधायक ने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही।

2021 में शुरू हुआ था निर्माण कार्य: 182 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण 2021 में शुरू हुआ था। शुरूआती दौर में यह 7 करोड़ 80 लाख की लागत का था, लेकिन बाद में नदी की धारा बदलने और एप्रोच सड़क को लेकर कुल 12 करोड़ की लागत का हो गया था। यह जून 2023 में बनकर तैयार हुआ। पुल के दोनों और पहुंच पथ नहीं होने के कारण इस पर आवागमन नहीं हो रहा था। ग्रामीणों की मानें तो पिछले दो दिनों से पुल के स्लैब में दरार दिख रही थी। इस पुल का निर्माण केंद्र सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत किशनगंज के ठेकेदार सिराजुर्रहमान ने कराया है।

संवेदक पर गुणवत्ता विहीन काम करने का लगा आरोप

पुल हादसे के बाद सांसद प्रदीप कुमार सिंह और सिकटी भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने पुल की पाइलिंग में गड़बड़ी बरते जाने की बात करते हुए रात में संवेदक पर गुणवत्ता विहीन काम करने का आरोप लगाया। सांसद ने मामले एक जांच उच्च स्तरीय टीम के साथ कराने के साथ जिम्मेवार संवेदक और विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही।

बिहार में पहले भी गिर चुके हैं पुल: पिछले साल जून में सुल्तानगंज में गंगा नहीं पर बन रहा एक पुल गिर गया था। इसके अलावा सुपौल में कोसी नदीं में बने पुल का स्लैब अचानक गिर गया था।

वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की

आपके सपने और संकल्पों को पूरा करने के लिए मैं हर प्रयास करता रहूंगा: मोदी

- लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- बोले- काशी के लोगों को डबल बधाई, आपने सिर्फ एमपी नहीं बल्कि लगातार तीसरी बार पीएम भी चुना है
- देश भर से आईं कृषि दीदियों को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वितरित किया प्रमाण पत्र

केटी न्यूज/वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को लोकसभा चुनावों के बाद पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन में बटन दबाकर किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त को सीधे देश भर के किसानों के खाते में ट्रांसफर किया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने काशी की जनता को उन्हें लगातार तीसरी बार सांसद और प्रधानमंत्री बनाने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि बनारस के हर मतदाता का लोकतंत्र के इस उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से काशी वासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। ये बनारस के लोगों के लिए भी गर्व की बात है कि काशी के लोगों ने सिर्फ अपना एमपी नहीं बल्कि तीसरी बार पीएम भी चुना है। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं। इस अवसर पर पीएम मोदी ने देश भर से आईं कृषि दीदियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में इससे बड़ा चुनाव कहीं और नहीं होता है। जी7 के सारे देशों के मतदाताओं को मिला दें तो भी भारत के वोटर्स की संख्या उनसे डेढ़ गुना ज्यादा है। यूरोपियन यूनियन के सारे मतदाताओं को जोड़ दें तो भी भारत के वोटर्स की संख्या उनसे ढाई गुना ज्यादा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी में दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल हुए।

जब सही नीयत होती है तो तेजी से जनहित का काम होता है

पीएम मोदी ने कहा कि हमने किसान, नौजवान, नारी शक्ति और गरीब इन्हें विकसित भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत मैंने इन्हीं के सशक्तिकरण से की है। सरकार बनते ही सबसे पहला फैसला किसान और गरीब परिवारों से जुड़ा लिया गया है। देश भर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ नए घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मान निधि को आगे बढ़ाना हो, यह फैसले करोड़ों लोगों की मदद करेंगे। आज का ये कार्यक्रम भी विकसित भारत के इसी रास्ते को सशक्त करने वाला है। थोड़ी देर पहले ही देश भर के करोड़ों किसानों के बैंक खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के 20 हजार करोड़ रुपए पहुंचे हैं। आज तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की तरफ भी बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। पीएम किसान सम्मान निधि आज दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर स्कीम बन चुकी है। अभी तक देश के करोड़ों किसान परिवारों के बैंक खाते में सवा तीन लाख करोड़ रुपए जमा हो चुके हैं। यहां वाराणसी जिले के किसानों के खाते में 700 करोड़ रुपए जमा हुए हैं। मुझे खुशी है कि पीएम किसान सम्मान निधि में सही लाभार्थी को लाभ पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल हुआ है।

आपका यह विश्वास ही मेरी बहुत बड़ी पूंजी है

पीएम मोदी ने कहा कि इस चुनाव में देश के लोगों ने जो जनादेश दिया है वो वाकई अभूतपूर्व है। इस चुनाव ने एक नया इतिहास रचा है। दुनिया के लोकतांत्रिक देशों में ऐसा बहुत कम ही देखा गया है कि कोई चुनी हुई सरकार लगातार तीसरी बार वापसी करे। ऐसा भारत में 60 साल पहले हुआ था और अब आपने ये सौभाग्य अपने सेवक मोदी को दिया। भारत जैसे देश में जहां युवा आकांक्षा इतनी बड़ी है, जहां जनता के इतने सपने हैं, वहां लोग अगर किसी सरकार को 10 साल के काम के बाद फिर सेवा का अवसर देते हैं तो यह बहुत बड़ी विजय है और बहुत बड़ा विश्वास है। आपका यह विश्वास मेरी बहुत बड़ी पूंजी है, आपका ये विश्वास मुझे लगातार आपकी सेवा के लिए देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। मैं दिन रात ऐसे ही मेहनत करूंगा। आपके सपनों को पूरा करने के लिए, आपके संकल्पों को पूरा करने के लिए, मैं हर प्रयास करूंगा।

दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर हो भारत का खाद्यान्न

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनाने में पूरी कृषि व्यवस्था की बडी भूमिका है। हमें वैश्विक रूप से सोचना होगा, ग्लोबल मार्केट को ध्यान में रखना होगा। हमें दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भर बनना है और कृषि निर्यात में अग्रणी बनना है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब बनने से एक्सपोर्ट बढ़ रहा है और उत्पादन भी एक्सपोर्ट क्वालिटी का होने लगा है। मेरा तो सपना है कि दुनिया की हर डाइनिंग टेबल पर भारत का कोई न कोई खाद्यान्न या फूड प्रोडक्ट होना ही चाहिए। इसलिए हमें खेती में भी जीरो इफेक्ट, जीरो डिफेक्ट वाले मंत्र को बढ़ावा देना है। मोटे अनाज श्रीअन्न का उत्पादन हो, औषधीय गुण वाली फसल हो या फिर प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना हो, पीएम किसान समृद्धि केंद्रों के माध्यम से किसानों के लिए एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम विकसित किया जा रहा है।

काशी के विकास की यह गाथा अनवरत जारी रहेगी

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में काशी के किसानों के लिए केंद्र सरकार ने और 7 वर्षों से राज्य सरकार ने पूरे समर्पण के साथ काम किया है। बनास डेयरी ने बनारस और आसपास के किसानों और पशुपालकों का भाग्य बदलने का काम किया है। अब बनास डेयरी अगले एक डेढ़ साल में काशी के 16 हजार और पशुपालकों को अपने साथ जोड़ने जा रही है। पीएम मत्स्य संपदा योजना से बनारस के सैकड़ों किसानों को लाभ हो रहा है। उन्हें अब किसान क्रेडिट कार्ड की भी सुविधा मिल रही है। चंदौली में आधुनिक फिश मार्केट का विकास भी किया जा रहा है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से यहां करीब 40 हजार लोग रजिस्टर्ड हुए हैं। बनारस के 2100 से ज्यादा घरों में सोलर पैनल लग चुका है। कहा, आज काशी में देश के सबसे पहले सिटी रोपवे का काम अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच रहा है। गाजीपुर, आजमगढ़ और जौनपुर के रास्तों को जोड़ती रिंग रोड विकास का रास्ता बन गई है।

नीट पेपरलीक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को कड़ी फटकार लगाते हुए जारी किया नोटिस

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट-यूजी 2024 में कथित पेपर लीक और गड़बड़ी से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और केंद्र पर कड़ी फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। देश की सर्वोच्च अदालत की बेंच ने कहा कि किसी भी ओर से थोड़ी सी भी लापरवाही होने पर पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। नीट रिजल्ट 2024 गड़बड़ी मामले पर अगली सुनवाई 8 जुलाई को होनी है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एनटीए को फटकार लगाते हुए कहा, अगर किसी की ओर से 0.001% लापरवाही है तो उससे पूरी तरह से निपटा जाना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि हम उन बच्चों के प्रयासों को नहीं भूल सकते जिन्होंने परीक्षा की तैयारी की है।

परीक्षा आयोजन में गलती हुई है तो उसे स्वीकारें

सर्वोच्च अदालत ने कहा , बस कल्पना कीजिए कि एक डॉक्टर ऐसे बच्चे का इलाज कर रहा है जो इस तरह से पास हो गया है और उसकी जांच की जरूरत है। कोर्ट ने केंद्र और एनटीए से यह भी कहा कि वे नीट-यूजी के खिलाफ दायर याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के रूप में न लें। शीर्ष अदालत ने दोनों संस्थाओं को यह भी निर्देश दिया कि अगर परीक्षा आयोजित करने में कोई गलती हुई है तो उसे स्वीकार करें और सुधारें। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से कहा, परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के रूप में, आपको निष्पक्ष रूप से कार्य करना चाहिए। यदि कोई गलती है, तो हाँ कहें, यह एक गलती है और यही वह कार्रवाई है जो हम करने जा रहे हैं। कम से कम इससे आपके प्रदर्शन में विश्वास तो पैदा होता है।

मणिपुर में जवानों को ले जा रही बस में भीड़ ने लगाई आग

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। सोमवार रात मणिपुर के पहाड़ी जिले कांगपोकपी में सुरक्षाबलों को ले जा रही बस में भीड़ ने आग लगा दी। दरअसल पैरामिलिट्री फोर्स के जवान जिस बस से यात्रा कर रहे थे, भीड़ ने उनसे उतरने को कहा और फिर उसे आग के हवाले कर दिया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। भीड़ की यह कार्रवाई पिछले हफ्ते मैतेई बहुल बिष्णुपुर जिले में दो ट्रकों को जलाने की घटना का बदला लेने के लिए की गई है।

रील्स बनाने के चक्कर में खाई में जा गिरी कार, युवती की मौत

एजेंसी/औरंगाबाद

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में रील्स बनाने के चक्कर में एक युवती की जान चली गई। दरअसल, 23 साल की एक लड़की कार के साथ रील बनवा रही थी तभी उससे गाड़ी में बैक गियर लगा और ब्रेक लगाने की जगह उसने एक्सीलेटर पर पैर रख दिया और गाड़ी 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इसमें उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खुलताबाद तालुका के शूलीभंजन में स्थित एक मंदिर के पास संभाजीनगर की रहने वाली श्वेता अपने दोस्त के साथ गाड़ी चलाते हुए रील बनाने आई थी। रील बनाने के लिए श्वेता गाड़ी की ड्राइवर सीट पर बैठी और अकेले ही गाड़ी को बैक करते हुए रील बनवाने लगी। इस दौरान श्वेता ने गाड़ी में बैक गियर डाला और रेस देना शुरू किया। श्वेता की गाड़ी लगातार पीछे जाती हुई दिखी और देखते ही देखते गाड़ी खाई में जा गिरी।

सीआरपीएफ में जारी हुआ आदेश ने रिटायर्ड कर्मियों की बढ़ाई परेशानी

रिटायर्ड जवानों को नहीं मिलेगी आईपीडी की सुविधा

एजेंसी/नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में जारी हुआ एक आदेश रिटायर्ड कर्मियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। अलायंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के अनुसार, अब सीआरपीएफ कम्पोजिट अस्पतालों में बल के रिटायर्ड कर्मियों और शहीद परिवारों के सदस्यों को 'इन-पेशेंट डिपार्टमेंट' यानी आईपीडी की सुविधा नहीं मिलेगी। उन्हें ओपीडी सुविधा तो मिलेगी, मगर आईपीडी नहीं दी जाएगी। आईपीडी सुविधा बंद होने से रिटायर्ड कर्मियों और शहीद परिजनों के सदस्यों को बल के कम्पोजिट अस्पतालों में पंजीकरण, मेडिकल जांच व दवाइयां नहीं दी जाएंगी।

आईपीडी सुविधा पर रोक, इस बाबत 2022 में पुलिस उपमहानिरीक्षक (कल्याण) महानिदेशालय सीआरपीएफ, द्वारा बेतार संख्या एम. पांच 1/2021-22 सीडब्ल्यूएफ के तहत एक आदेश जारी किया गया था। उस आदेश में लिखा था कि अब सेवानिवृत्त अर्धसैनिकों व उनके पारिवारिक सदस्यों, शहीद परिवार व उनके आश्रितों को इन-पेशेंट डिपार्टमेंट (आईपीडी) के तहत पंजीकरण, मेडिकल जांच व दवाइयां, ये सब सुविधाएं नहीं मिलेंगी। उक्त आदेशों के तहत ही पुलिस उप महानिरीक्षक (चिकित्सा), संयुक्त अस्पताल सीआरपीएफ बेंगलुरु ने 31 मई को एक पत्र जारी किया है। इस पत्र में कहा गया है कि सीआरपीएफ के रिटायर्ड कर्मी, पत्नी व आश्रित बच्चों को बल के कंपोजिट अस्पताल में चिकित्सक द्वारा ओपीडी परामर्श दिया जाएगा। उन्हें आईपीडी में रजिस्ट्रेशन, इन्वेस्टिगेशन और दवाइयां, उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। शहीदों के आश्रितों के लिए भी उक्त व्यवस्था ही जारी रहेगी। यानी उन्हें भी आईपीडी में रजिस्ट्रेशन, इन्वेस्टिगेशन और दवाइयां, ये सुविधाएं नहीं मिलेंगी।

पटना, कोलकाता एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। बिहार के पटना एयरपोर्ट के साथ-साथ जयपुर, कोलकाता और हैदराबाद एयरपोर्ट को भी ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके चलते एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पटना एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने कहा कि ज्यादा जानकारी मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पटना एयरपोर्ट पर तलाशी ली गई है। अभी तक कुछ नहीं मिला है। वहीं, पटना के बाद जयपुर हवाई अड्डे को भी बम की धमकी वाला ईमेल मिला है। इसको लेकर हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

मुजफ्फरपुर कांडः नौकरी का झांसा देकर यौन शोषण मामले का मुख्य आरोपी तिलक सिंह गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

नौकरी का झांसा देकर लड़कियों का यौन शोषण किये जाने के मामले में बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुजफ्फरपुर पुलिस ने इस पूरे मामले के मुख्य आरोपी तिलक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। तिलक सिंह की गिरफ्तारी गोरखपुर से की गयी है। फिलहाल मुख्य आरोपी तिलक सिंह से पुलिस सख्ती के साथ पूछताछ कर रही है। पिछले दिनों मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर लड़कियों से यौन शोषण का मामला सामने आया था। मुजफ्फरपुर में एक गिरोह के नाम की फर्जी मार्केटिंग कंपनी बनाकर सोशल मीडिया पर नौकरी देने का पोस्ट सिर्फ लड़कियों के लिए डाला गया था। इसमें लिखा गया था कि आप इस कंपनी में जॉब करने की इच्छुक हैं तो हमसे संपर्क करे। लड़कियों को मोटी सैलरी देने का लालच दिया जाता था और उन्हें अपने जाल में फंसाया जाता था। कम्पनी का दावा था कि यह काम सिर्फ लड़कियों के लिए ही है। सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कई लड़कियों ने कंपनी से संपर्क किया। ज्यादा सैलरी दिये जाने का लालच देकर लड़कियों को नौकरी पर रखा भी गया। लड़कियों के काम पर आने के बाद वहां मौजूद दरिंदों ने उन्हें बंधक बनाकर उनके साथ शारीरिक संबंध बनाये। जब लड़कियां इसका विरोध करती थी तब उन्हें बेल्ट से बेरहमी के साथ पीटा जाता था। जिसका कई वीडियो भी अब सामने आया है। हालांकि पिछले साल अहियापुर और सदर इलाके में छापेमारी कर पुलिस ने सभी लड़कियों को मुक्त करा लिया था। ज्यादातर तो लड़कियां थाने में शिकायत करना भी मुनासिब नहीं समझी। लेकिन इसी में से एक छपरा जिले की एक लड़की ने थोड़ी हिम्मत दिखाई और सामने आई। उसने कथित कंपनी के एक फर्जी कर्मचारी पर मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी है। इस पूरे प्रकरण को लेकर छपरा की इस पीड़िता ने अहियापुर थाने में केस दर्ज कराया। पीड़िता ने बताया कि फेसबुक पर महिलाओं के लिए जॉब ऑफर का पोस्ट दिखा था। डीवीआर संस्था में काम करने के लिए बहाली निकली थी। जहां अप्लाई करने पर चयनित होने के बाद प्रशिक्षण के नाम पर उससे 20 हजार की मांग की गई। 20 हजार जमा करने के बाद बहुत सारी लड़कियों के साथ अहियापुर थानाक्षेत्र में ही बखरी के निकट उन्हें रखा गया। पीड़िता का आरोप है कि मुजफ्फरपुर में रहते हुए भी तिलक सिंह ने उसके साथ जोर जबरदस्ती कर शारीरिक संबंध बनाये थे। उस दौरान वह गर्भवती भी हो गई थी। तब तिलक सिंह ने उसका एबॉर्शन करवा दिया था। इस बीच कंपनी के चीट फंड होने का उसे एहसास हो गया, तब उसने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराना मुनासिब समझा। क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि जैसे उसकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया गया है, वैसे किसी अन्य लड़कियों के साथ भी खिलवाड़ जारी रहे। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नौकरी का झांसा देकर लड़कियों का यौन शोषण करने वाले मुख्य आरोपी तिलक सिंह को गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

आरजेडी नेता भाई वीरेंद्र का आरोप... लड़कियों की सप्लाई कर बन जाते हैं सांसद और मंत्री

पटना। मुजफ्फरपुर में नौकरी का झांसा देकर लड़कियों का यौन शोषण करने का मामला सामने आने के बाद बिहार में इस पर सियासत तेज हो गई है। आरजेडी ने इस घटना को लेकर सत्ताधारी नेताओं पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने सरकार में शामिल दल के कुछ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में यह हमेशा होता रहेगा। कुछ नेता लड़कियां सप्लाई करते हैं और लड़कियों की सप्लाई करके कभी सांसद बन जाते हैं तो कभी मंत्री बन जाते हैं। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि यह हमेशा होता रहेगा। हमारे यहां ऐसे कुछ राजनीतिक लोग हैं जो सप्लायर का काम करते हैं और लड़कियों की सप्लाई करके कभी सांसद बन जाते हैं तो कभी बिहार के मंत्री बन जाते हैं। उनका काम ही है लड़कियों की सप्लाई करना और उन्ही के इशारे पर इस तरह का काम होता है। उन्होंने कहा कि फर्जी कंपनी वही लोग बनाते हैं जो राज्यसभा जाते हैं और बिहार में मंत्री बन जाते हैं। बिहार की राजनीति में कुछ ऐसे लोग हैं, जिनका कोई ईमान नहीं है। लेकिन बिहार की सरकार ऐसे लोगों को राज्यसभा और विधान परिषद भेजती रही है।

पूर्णिया के व्यवसायी गोपाल यादुका की हत्या के मामले में राजा कुमार की तलाश

बीमा भारती की बढ़ी मुश्किलें, मर्डर केस में बेटे को गिरफ्तार करने पटना पहुंची पुलिस

- पूर्णिया पुलिस की टीम पटना पहुंचकर बीमा भारती के आवास पर धमक पड़ी

केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया लोकसभा सीट से चुनाव में हारने के बाद बीमा भारती एक बार फिर से रूपौली विधानसभा उपचुनाव की तैयारी कर रही हैं। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से मुलाकात के बाद बीमा भारती ने दावा किया कि उनके पति या बेटे को रूपौली उपचुनाव का टिकट मिल सकता है। लेकिन इसी बीच बड़ा कांड हो गया। हत्या की साजिश रचने के आरोप में बीमा भारती के बेटे राजा को गिरफ्तार करने के लिए पूर्णिया पुलिस की टीम पटना पहुंचकर बीमा भारती के आवास पर धमक पड़ी है। ऐसे में माना जा रहा है कि उपचुनाव से पहले बीमा भारती की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। दरअसल, पूर्णिया के भवानीपुर बाजार में बीते 2 जून को कारोबारी गोपाल यादुका की मर्डर मिस्ट्री को पूर्णिया पुलिस ने सुलझा लेने का दावा किया है। रूपौली से पांच बार की विधायक और पूर्णिया लोकसभा सीट से आरजेडी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने वाली बीमा भारती के बेटे से इस हत्याकांड का कनेक्शन जुड़ रहा है। इस मामले में गिरफ्तार किए गए अपराधियों से पूछताछ के दौरान उन्होंने पुलिस के बताया है कि बीमा भारती के बेटे राजा ने कारोबारी की हत्या करने के लिए उन्हें सुपारी दी थी। गोपाल यादुका की हत्या करने की डील पांच लाख रुपये में तय हुई थी। कारोबारी गोपाल यादुका की हत्या में शामिल आरोपियों की पहचान ब्रजेश यादव, विकास यादव, संजय यादव और विशाल राय के रूप में हुई है। बीमा भारती का बेटा राजा कुमार की संजय और ब्रजेश से गहरी दोस्ती है। पुलिस ने जब ब्रजेश से पूछताछ कि तो उसने बताया कि संजय यादव गोपाल यादुका की हत्या कराने के लिए शूटर तलाश रहा था।

मर्डर के बाद मटन पार्टी, सुपारी देने का आरोप

पटना। बिहार के पूर्णिया से सटे भवानीपुर बाजार में 2 जून को हुए व्यवसायी गोपाल यादुका की मर्डर मिस्ट्री को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस हत्याकांड के तार रुपौली से 5 बार की विधायक और लोकसभा चुनाव में आरजेडी की प्रत्याशी रहीं बीमा भारती के बेटे से जुड़ा है। गोपाल यादुका की हत्या करने की डील पांच लाख रुपए में फिक्स हुई थी। गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस को यह भी बताया कि हत्या के बाद एकबासा में राजा कुमार ने पार्टी भी दी थी। शूटर ने पुलिस से पूछताछ में बताया कि व्यवसायी की हत्या के लिए उन्हें सुपारी दी गई थी। आरोपियों ने कहा कि उन्हें रुपौली से पांच बार की विधायक और लोकसभा चुनाव में आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती के पुत्र ने राजा ने उनसे ऐसा करने को कहा। जिसके लिए राजा और शूटर के बीच पांच लाख रुपये की डील हुई थी। पुलिस के मुताबिक, व्यवसायी गोपाल यादुका के मर्डर में शामिल आरोपियों की पहचान बीकोठी थाना क्षेत्र भतसारा गांव निवासी ब्रजेश यादव और भवानीपुर के विकास यादव, संजय यादव और विशाल राय के रूप में हुई है. बीमा भारती के बेटे राजा कुमार, संजय और ब्रजेश आपसे में तीनों दोस्त हैं. तीनों की एक दूसरे से अच्छी जान पहचान थी। भवानीपुर थानेदार सुनील कुमार ने बताया कि व्यवसायी गोपाल यादुका के परिजनों ने घटना के बाद जमीनी विवाद का जिक्र किया था .इसके बाद पुलिस ने इस एंगल पर काम करना शुरू किया। इस मामले में संजय नाम के ब्रोकर की भूमिका सामने आई। ब्रोकर के साथ रहने वाले लोगों की जानकारी जुटाई गई। पुलिस के पूछताछ में ब्रजेश ने बताया कि ब्रोकर संजय किसी की हत्या के लिए भाड़े का शूटर खोज रहा था लेकिन काफी खोजने पर शूटर नहीं मिल सका।

प्रशांत किशोर का तंज... 9वीं फेल बन जाते है मंत्री

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने अपना रोष जाहिर करते हुए कहा कि बीते 2 दिन पहले मुझे 1 लड़के ने बताया कि पेपर लीक हुआ है। जो बच्चे दिन रात अपना हाड़ मांस गला कर पढ़ाई कर रहे हैं, उनका पेपर लीक हो गया, उसकी चिंता किसी नेता को नहीं है। पढ़े-लिखे लड़के मुंबई में, दिल्ली में जाकर मजदूरी कर रहे हैं और देखने वाली बात ये है कि 9वीं फेल नेता का लड़का तेजस्वी यादव बिहार में राज कर रहे हैं। बिहार के सभी लोगों को वो ज्ञान दे रहे हैं कि हमें गद्दी में बैठा दो तो हम सबको नौकरी दे देंगे। मैं बिहार के युवाओं से पूछना चाहता हूं कि आपको नौकरी चाहिए या अधिकार नौकरी चाहिए या राज बिहार के लोगों को नौकरी नहीं चाहिए, अब हमें राज चाहिए। अब हमें राज चाहिए नौकरी तो अपने आप हमें मिलेगी। बिहार में राज तेजस्वी यादव जैसे लोग करेंगे और नौकरी के लिए भीख हम इनसे मांगेंगे। अब ऐसा बिहार में नहीं होगा। बिहार में नौकरी देने का वादा किया जाता है। परंतु पहले की प्रश्न पत्र निकल जाता है। ऐसे में जो छात्र उसके योग्य है। उन्हें उसका हक नहीं मिल पाता है और वह मजबूर मजदूरी करने लगते है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

महिला ने दो बच्चों के साथ खाया जहर, मां-बेटी की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मामूली बात पर एक महिला ने खौफनाक कदम उठा लिया। पति से मोबाइल को लिए विवाद होने के बाद महिला ने अपने दो बच्चों के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई जबकि दूसरे बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना तुर्की थाना क्षेत्र के ताड़सन गांव की है। मृतकों की पहचान ताड़सन गांव निवासी मंजीत महतो की 35 वर्षीय पत्नी रिंजू देवी और उसकी चार साल की बेटी प्रियांशु कुमारी के रूप में हुई है जबकि 6 साल का बेटा किशन कुमार की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि रिंजू का उसके पति मंजीत के साथ पिछले कुछ दिनों से मोबाइल फोन के लिए विवाद हो रहा था। रिंजू ने पति से झगड़े के बाद दोनों बच्चों के साथ गुस्से में आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसके बाद महिला और दोनों बच्चे बेहोश हो गए। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

संविदा से हटे 550 अमीनों ने पटना में डिप्टी सीएम के आवास के बाहर किया प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के राजस्व विभाग ने चार साल पहले संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए 550 विशेष सर्वेक्षण अमीनों को सेवामुक्त कर दिया है। इस संबंध में विभाग ने हाल ही में सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किया था। जिसके बाद अमीनों में इस फैसले को लेकर रोष है। उन्होंने अमीन अमानत संघ के बैनर तले मंगलवार को इस फैसले के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने सरकार के इस कदम को क्रूर बताया है और इसे वापस लेने की मांग की है। बिहार की राजधानी पटना में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास के बाहर धरने पर बैठे अमीन पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। बता दें कि ये अमीन पद से मुक्त किए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। सर्वेक्षण भवन के बाहर सभी अमीन प्रदर्शन कर रहे थे, जब काफी देर तक समझाने के बाद प्रदर्शनकारी नहीं समझे तो पुलिस ने बल का प्रयोग किया और लाठीचार्ज कर सभी प्रदर्शनकारी अमीनों को हटा दिया। **सर्वेक्षण अमीनों पर लाठीचार्ज :** बता दें कि सर्वेक्षण अमीन मंगलवार को पटना के भू एवं राजस्व कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किए थे। इसके बाद वह लोग पटना के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आवास के बाहर पहुंच गए। अपनी मांगो को लेकर वो काफी देर से प्रदर्शन कर रहे थे, इसी दरमियान पुलिस के द्वारा बल प्रयोग करते हुए उन पर लाठीचार्ज किया गया जिसके बाद सभी लोग तितर बितर हो गए। **प्रदर्शन कर रहे थे सर्वेयर अमीन :** 13 जून को सर्वेक्षण अमीन को पद से मुक्त कर दिया गया। वहीं भू एवं राजस्व विभाग की ओर से सभी जिले के जिलाधिकारी को पत्र भेज कर सर्वेक्षण अमीन से सेवा नहीं लेने की बात कही गई थी। जिसके बाद सर्वेक्षण अमीन नाराज चल रहे थे और पटना में जमकर प्रदर्शन किया. **550 सर्वेक्षण अमीनों को निकाला :** बता दें कि सर्वेयर अमीन के 550 पदों पर नियुक्ति की गई थी. लेकिन 4 साल संविदा पर सेवा लेने के बाद उन्हें निकाल दिया गया।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
APPROVED RERA
ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

बेगूसराय जिले के ही साहेबपुर कमाल थानाक्षेत्र के सनहा गांव के विजय ने पत्नी को पढ़ाया

कांस्टेबल बनते ही पति से तलाक मांगने लगी पत्नी

केटी न्यूज/पटना

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में पिछले साल जुलाई महीने में पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य सुर्खियों में आई थी। ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य ने पत्नी पर नौकरी मिलने के बाद धोखा देने का आरोप लगाया था। आलोक ने आरोप लगाया था कि उसने अपनी पत्नी को पढ़ाया-लिखाया और जब वह अफसर बन गई तो उसे छोड़ दिया। पूरे देश में यह मामला चर्चा का विषय बन गया था। अब ऐसा ही एक मामला बेगूसराय से भी सामने आया है।

दरअसल, पूरा मामला बखरी थानाक्षेत्र के डरहा गांव का है। डरहा गांव के पृथ्वी राय के 30 वर्षीय बेटे विजय कुमार की शादी 15 जून, 2013 को बेगूसराय जिले के ही साहेबपुर कमाल थानाक्षेत्र के सनहा गांव के रामविनय राय की बेटी रोशनी कुमारी से हुई थी। शादी के बाद रोशनी ने पढ़ाई करने की इच्छा जताई। जिसके बाद उसके पति विजय ने उसे पूरी आजादी के साथ पढ़ाई करने दिया। उसकी पढ़ाई का कुछ खर्च उठाने लगे। पढ़ाई का खर्च उठाने के स्थानीय धर्मकांटा पर मामूली सी रकम के लिए नौकरी करने लगा। समय बीतता गया और विजय और रोशनी के मन की मुराद पूरी हो गई। रोशनी को सरकारी नौकरी मिलने से विजय फूले नहीं समा रहा था। अक्टूबर, 2022 में बिहार पुलिस के सिपाही के तौर पर उसकी बहाली हो गई। बहाली के बाद 15 अक्टूबर, 2022 को रोशनी बिहार पुलिस के सिपाही पद पर ज्वाइन करती है। ट्रेनिंग पर जाने से पहले अपने पति को अपना ख्याल रखने एवं जल्द मिलने की बात कहकर वह अपनी ट्रेनिंग को पूरा करने चली जाती है। इस ट्रेनिंग के दौरान उन दोनों के बीच की दूरियां दिन-प्रतिदिन बढ़ती गई। बातें कम होती गई और फिर एक वक्त ऐसा आया जब रोशनी ने विजय से दूरी बना ली। विजय को झटका तब लगा जब रोशनी ने शादी की 11वीं सालगिरह पर कहा कि मुझे तुम्हारे साथ नहीं रहना है। वह अपने स्तर से रोशनी को मनाने की पूरी कोशिश करने लगा लेकिन रोशनी मानने को तैयार नहीं हुई। वही, रोशनी के पिता और भाई विजय से तलाक दिलवाने के लिए दवाब बनाने लगे।

शनिवार की दोपहर रोशनी अपने पिता और भाई के साथ विजय के घर बिरहा पहुंची और तलाक के लिए हाई वोल्टेज ड्रामा किया। विजय और उसके परिजन रोशनी को समझाने की कोशिश करते रहे लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रही। करीब एक घंटे तक यह हाई वोल्टेज ड्रामा चला। लड़की के परिजनों व स्थानीय लोगों ने काफी समझाने का प्रयास किया। परंतु वह अपने बात पर अड़ी रही। वह किसी की नहीं सून रही थी। बस उसकी एक ही मांग थी कि जल्द से जल्द उसे तलाक मिल जाए। वह विजय से मुक्ति चाह रही थी। हंगामे की जानकारी मिलते ही बखरी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अपने साथ थाने ले गई। अब मामला पुलिस में पहुंच गया है।

राजद समर्थक बीएलओ ने भाजपा वोटर्स का नाम वोटर लिस्ट से हटाया : मिथिलेश

- भाजपा प्रत्याशी ने राजपुर व इटाढ़ी में की आभार सह चिंतन सभा
- बक्सर संसदीय चुनाव में हुई हार के लिए भूल चुक पर हुआ मंथन

केटी न्यूज/बक्सर

केंद्र में 3.0 की नरेन्द्र मोदी जी की सरकार बनने के बाद एनडीए समर्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सह बिहार प्रदेश महामंत्री मिथिलेश तिवारी ने राजपुर विधानसभा के राजपुर में तथा इटाढी में ब्रजेश पाठक के मैरेज हॉल में भाजपार्टी के मंडल अध्यक्षों के लिए आभार तथा चिंतन सभा और चुनावी समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में मिथलेश तिवारी प्रदेश महामंत्री ने राजपुर विधानसभा के भाजपा सहित एनडीए के कार्यकताओं और जनता को आभार प्रकट करते हुए कहा कि भले ही हम लोग बक्सर से चुनाव हार गए हों लेकिन केंद्र में मोदी जी की सरकार 3.0 बन गई है जो हम सभी के लिए गौरव की बात है, साथ ही सभी देवतुल्य जनता और हर कार्यकताओं के लिए सुखदायक पल है। इसके लिए उन सभी कार्यकताओं और मतदाताओं को दिल से आभार प्रकट करता हूं। जाहीर सी बात है कि भारत फिर से नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में तेजी से विकास के रास्ते पर अग्रसर होता दिखाई देगा और भारत विश्व के टॉप देशों की बराबरी करेगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी मंडल अध्यक्षों से बीते हुए लोकसभा चुनाव का बारी बारी से फिड बैंक लिया। चुनाव में कहां कहां भूल चुक हुई जिसके चलते हमलोग चुनाव हार गये, इसकी गहन समीक्षा और अध्ययन किया गया। उपस्थित कार्यकताओं ने भी बारी बारी से अपने दृष्टिकोण, मंतव्य से पार्टी के प्रदेश महासचिव को अवगत कराया। उन्होंने चुनावी हार पर मंथन करते हुए उपस्थित कार्यकताओं से छोटी से छोटी बातों को सामने रखकर अगला चुनाव में किस तरह तैयार रहें की पार्टी को हार का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में बक्सर लोकसभा के सभी 6 विधानसभा सीट को जीतना ही सभी एनडीए कार्यकताओं का लक्ष्य होना चाहिए, इसकी शुरूआत हम रामगढ़ विधानसभा के उपचुनाव से करेंगे। उन्होंने जिला प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि राजद समर्थक बीएलओ ने बहुत से भाजपा के वोटरों का नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया था ताकि राजद को इसका सीधा फायदा मिल सके और जिला प्रशासन ने भाजपा जो हिन्दुस्तान की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी को बिना बताऐ सेंसेटिव बूथ का लिस्ट किसी व्यक्ति विशेष के कहनें पर जारी कर दिया था। मौके पर सिद्धनाथ सिंह, श्याम नारायण पाठक,सतेंद्र सिंह, पूनम रविदास, इंदु देवी, श्रीमन नारायण तिवारी, धर्मेंद्र पाण्डेय,सौरभ तिवारी, जयप्रकाश राय, धनंजय राय,राम विनोद राय,काशी सिंह,सतीष दुबे, अरविंद पासवान, जवाहर लाल राय,मनोज त्रिगुण,तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी भाजपा सहित भाजपा और एनडीए के कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में मौजूद थे।

एक नजर

बक्सर जिले में स्थित सोन नहर कैनाल के टेल इंड तक लोगों को मिले पानी : सांसद

बक्सर। स्थानीय लोकसभा क्षेत्र में बढ़ती गर्मी के कारण किसानों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ है। रोहिणी नक्ष में भी किसानों को धान की नर्सरी लगाने के लिए आवश्यक वर्षा का पानी नहीं मिला। वहीं, मानसून की देरी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिसको लेकर मंगलवार को सांसद सुधाकर सिंह ने बक्सर परिसदन में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने को लेकर जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता और जूनियर अभियंता के साथ मंथन किया गया। इस दौरान डुमरांव विधायक अजीत कुशवाहा उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से सोन और गंगा नदियों पर स्थित चौसा मेन कैनाल, डुमरांव कैनाल और निकरीस पंप कैनाल के मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। किसानों को पटवन के समय पानी की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। निकरीस पंप कैनाल से किसानों को शीघ्र ही पानी मिलना शुरू हो जाएगा। श्री सिंह ने इस संबंध में उच्च अधिकारियों से भी फोन पर वातार्लाप किया। सुधाकर सिंह ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कैनाल का पानी टेल एंड तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने टेल एंड तक के खेतों के पटवन के लिए आवश्यक उपायों को तुरंत करने के निर्देश दिए। साथ ही नहरों के पुनर्स्थापन की भी बात की और बताया कि जल्द ही जिले में स्थित नहरों का पुनर्स्थापन किया जाएगा।

उत्पाद चेकपोस्ट पर लग्जरी कार से लाखों की अंग्रेजी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

चौसा। शराब तस्करी पर लगाम लगाने के लिए उत्पाद विभाग की लगातार कार्रवाई जारी है। अभी दो दिन पहले वीर कुंवर सिंह सेतु पर दो ट्रकों से कंटेनर व ट्रक से लगभग 22 लाख की अंग्रेजी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। तो दूसरी ओर कर्मनाशा पुल स्थित उत्पाद चेकपोस्ट पर जांच के दौरान लग्जरी कार से छिपा कर लायी जा रही भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ जारी है। मिली जानकारी के अनुसार चौसा उत्पाद चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम प्रतिदिन की तरह जांच अभियान चला रही थी। इस दौरान यूपी से बिहार के सीमा में प्रवेश कर रही एक लग्जरी वाहन आ रही थी जिसे पुलिस ने रोका और उसकी जांच की गई। जांच के क्रम में कार की पिछली सीट के अंदर छिपा कर रखी हुई शराब की बड़ी खेप को बरामद किया गया। जिसकी गिनती की जा रही है। वही, पकड़े गए कार चालक ने बताया वह छपरा निवासी गजेंद्र प्रसाद राय के पुत्र राजकुमार है, उसने बताया कि वह यूपी के गाजीपुर जिले से शराब की खेप लेकर चला था, जिसे पटना पहुंचाना था लेकिन चौसा कर्मनाशा पुल स्थित चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने तस्करी की शराब के साथ पकड़ लिया। इस सम्बंध में उत्पाद अधीक्षक दिलीप पाठक ने बताया कि लग्जरी कार से लायी जा रही तस्करी की शराब कर्मनाशा चेकपोस्ट पर पकड़ी गई है। जिसकी कीमत लगभग लाखों रुपये होगी, हालांकि गिनती की जा रही है। वही कार के साथ उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

खबरें फटाफट

हत्या के प्रयास में दो अभियुक्तों ने किया सरेंडर, भेजे गए जेल

बक्सर। नावानगर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास मामले में अजय तुरहा ने मंगलवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में सरेंडर किया। जहां मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने उसकी जमानत की अर्जी को खारिज करते हुए उसे जेल भेज दिया। अभियुक्त ने सब्जी बेचने के विवाद में राजेंद्र तुरहा के लड़के के साथ मारपीट कर जख्मी कर दिया था तथा बचाव के लिए गए परिजनों पर भी जानलेवा हमला किया था। वहीं, दूसरी ओर ब्रह्मपुर थाना कांड संख्या 883 /2022 में शिवम मिश्रा ने भी सरेंडर किया। बताते चले की 11 दिसंबर 2022 को ब्रह्मपुर थाना के ढेवनी गांव के रहने वाले अभियुक्तों ने लाठी डंडे से लैस होकर एक ही परिवार के कई लोगों पर जानलेवा हमला किया था। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष अमित पांडेय ने बताया कि अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। जहां पुलिस दबिश में अभियुक्त ने सरेंडर किया है।

स्कार्पियो उड़ा ले गए चोर, केस दर्ज

बक्सर। पुलिसिया पहरे व गश्ती की कुछ अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देकर पुलिस की पोल खोल कर रख दी। इस तरह ये घटना पुलिस के लिए चुनौती है। घटना नगर थाने से महज 100 मीटर की दूरी की है। जहा चोरों ने दरवाजे के पास खड़ी स्कार्पियों उड़ा ले गए। इस घटना की जानकारी के बाद वाहन मालिक ने नगर थाने में चोरी की घटना की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार नगर थाना के समीप मेनरोड पंचमुखी महावीर मंदिर के ठीक बगल में मकान बना कर रहने वाले बद्री जायसवाल के पुत्र अविनाश जयसवाल ने अपनी सफेद रंग की स्कॉर्पियो को खड़ा किया था। सुबह जब वह सोकर जागे तो वाहन को गायब था। उन्होंने पहले खोजबीन की पता नहो चलने पर उन्होंने इसकी नगर थाने में केस दर्ज कराई गई। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन अपनी वाहन को खड़ा करते थे। नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि वाहन चोरी होने की घटना की सूचना मिली है पुलिस कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

आपदा विषयों के समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री के वीडियो कांफ्रेंस में शामिल हुए डीएम

संभावित बाढ़ से पूर्व सारी तैयारियों को पूर्ण कर लें, होगी समीक्षा: जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आपदा संबंधित विषयों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल शामिल हुए। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ पूर्व तैयारी की समीक्षा की तथा बारी बारी से सभी डीएम से अबतक हुए कार्यों की जानकारी ली तथा उन्हें कई आवश्यक निर्देश भी दिए। इस बैठक में बाढ़ राहत एवं अन्य सामग्रियों के दर निर्धारण की स्थिति, जिलों में पॉलीथिन शीट की उपलब्धता की स्थिति, बाढ़ के दौरान नावों की व्यवस्था एवं उपलब्धता, बाढ़ राहत शिविर तथा सामुदायिक रसोई के संचालन के लिए की जाने वाली पूर्व तैयारी, बाढ़ प्रवण जिलों में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की प्री-पोजिशनिंग, आनुग्रहिक अनुदान के भुगतान के लिए परिवारों की सूची का आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर अपलोडिंग के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के आलोक में संबंधित विभागों द्वारा की जा रही तैयारी की समीक्षा भी की गई। जल संसाधन विभाग को नदी तटबंधों की मरम्मती बाढ़ की विभिषिका से निपटने के कार्यों के समीक्षा, सिंचाई के लिए नहरों के अंतिम छोर तक जल की उपलब्धता की समीक्षा की गई वही कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान डीजल अनुदान योजना एवं कृषि इनपुट अनुदान योजना की तैयारी की समीक्षा तथा वैकल्पिक या आकस्मिक फसल योजना की तैयारी की समीक्षा कर कई निर्देश दिए गए। वही पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बाढ़ या सुखाड़ की स्थिति में पशु चारा के दर निर्धारण की स्थिति, पशु दवा की उपलब्धता, पशु शिविर के संचालन के लिए की जाने वाली तैयारी की समीक्षा की तथा कहा कि किसी भी विभाग के अधिकारी यदि लापरवाही करते है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट रहने का मिला निर्देश : समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ की विभीषिका के दौरान स्वास्थ्य विभाग की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान मानव सहायता की देखभाल के लिए की जाने वाली तैयारी की समीक्षा की गई तथा बाढ़ के पूर्व स्वास्थ्य विभाग को जरूरी दवाओं, एंबुलेंस आदि की व्यवस्था करने तथा अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया।

भीषण गर्मी के मद्देनजर लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को मिला टॉस्क : समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने भीषण गर्मी व हीट वेव को देखतते हुए सभी जिलों में पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने का निर्देश दिया और कहा कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग भू-जल स्तर की स्थिति पर नजर रखेगा तथा पुराने चापाकालों की मरम्मती एवं नए चापाकल लगाने का काम निरंतर करेगा, ताकी लोगों को पेयजल की समस्या का सामना न करना पड़े।

दियारे इलाके में तबाही मचाती है बाढ़ : बता दें कि जिले के चौसा प्रखंड के अलावे सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर के दियारे इलाके के करीब तीन दर्जन से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित होते है। गंगा में आने वाली प्रलयंकारी बाढ़ से पूर्व में जान माल को भी भारी क्षति पहुंच चुका है। जिसे देखते हुए डीएम ने इस बार बाढ़ की संभावित आपदा से निपटने के लिए खास निर्देश दिए है। उन्होंने तटबंधों की मजबूती परखने तथा चिन्हित इलाके में जरूरत पड़ने पर तत्काल नाव, एनडीआरएफ या एसडीआरएफ की टीम तैनात करने, एंबुलेंस के साथ मेडिकल टीम की व्यवस्था करने तथा प्रभावितों के लिए टेंट, भोजन, दवा, पशुचारा आदि की व्यवस्था का निर्देश अपने मातहतों को दिया है।

डीएम ने सभी विभागों को किया अलर्ट

बैठक के बाद डीएम अंशुल अग्रवाल ने सभी विभागों को अलर्ट कर दिया है। उन्होंने सभी विभागों से बाढ़ पूर्व हर जरूरी तैयारी पूरी कर लेने का निर्देश दिया और कहा कि इसमें यदि जरा सी भी लापरवाही होगी तो संबंधित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वही, उन्होंने लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग को खराब पड़े चापाकलों की अविलंब मरम्मत कराने तथा जरूरत पड़ने पर नये चापाकल गड़ाने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि बक्सर जिले में पिछले लंबे समय से हीट वेव का कहर जारी है। ऐसे में चापाकलों को दुरूस्त रखना सबसे जरूरी है।

करंट की चपेट में आने से मुखिया के देवर की हुई मौत, पसरा मातम

केटी न्यूज/नावानगर

- मणियां पंचायत के मुखिया के देवर थे मृतक, खेत की सिंचाई के दौरान हुआ हादसे का शिकार

सोनवर्षा ओपी के मणियां गांव के बधार में बिजली की करंट लगने से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक किसान की पहचान उक्त गांव के 55 वर्षीय रंगलाल सिंह के रूप में हुई है। जो मणियां पंचायत के मुखिया के देवर है। घटना मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे की है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों ने अनुसार कि मृतक अपनी मोटर पंप से खेत में लगी पशु चारा की सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान वह बिजली तार की चपेट में आ गया। इधर खेत के नजदीक एक घर की छत से एक महिला ने किसान को करंट से तड़पता देख शोर मचाने लगी। शोर सुनकर जब तक ग्रामीण उक्त स्थान पहुंचते, तब तक किसान का तड़पना स्थिल हो गई थी। ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर से बिजली सप्लाई बंद कर आनन फानन में निजी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने किसान को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से मृतक के परिजनों के चित्कार से पूरा पंचायत गमगीन हो गया है। सोनवर्षा ओपीध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई है। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेज दिया गया है।

आईओ एवं चिकित्सक की गवाही व उपस्थिति के लिए एसपी करें समन्वय स्थापित : जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत गठित जिला सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक एवं मैनुअल स्कैवेंजर रोजगार निषेध एवं पुनर्वास समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विशेष लोक अभियोजक अनु. जाति एवं अनु. जनजाति व्यवहार न्यायालय बक्सर अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत माननीय न्यायालय में चल रहे मामलों में अनुसंधान पदाधिकारी एवं चिकित्सक के गवाही व उपस्थिति हेतु पुलिस अधीक्षक से समन्वय स्थापित करते हुए काण्डों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जिला कल्याण पदाधिकारी को सभी थानाध्यक्ष एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय से समन्वय स्थापित करते हुए दैनिक प्रतिवेदन प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। जिला कल्याण पदाधिकारी ने बैठक में अवगत कराया गया कि वर्ष 2024 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम का कंडिका 12 (4) के अंतर्गत 38 लाभार्थियों को मुआवजा भुगतान किया गया है तथा माह मई 2024 तक पेंशनरों का पेंशन भुगतान कर दिया गया है एवं माह जनवरी 2024 से अब तक 24 काण्डों में गवाहों/साक्षियों को यात्रा भता का भुगतान कर दिया गया है। मैनुअल स्कैवेंजर (हाथ से मैला) उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 से संबंधित बक्सर जिला अंतर्गत कोई मामला नहीं है। बैठक में शामिल सदस्यों ने बताया कि अगर इस तरह का कोई मामला आता है तो इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी जायेगी।

हत्या मामले में माले नेता समेत दो को आजीवन कारावास एवं अर्थदंड

- एडीजे 2 विजेंद्र कुमार ने सुनाया फैसला
- 12 साल बाद मिला पीड़ितों का न्याय
- पूर्व में भी सजायाफ्तार रह चुका है माले नेता सुकर राम

केटी न्यूज/बक्सर

एडीजे-2 विजेन्द्र कुमार की कोर्ट ने मंगलवार को हत्या के एक मामले में डुमरांव के माले नेता सुकर राम तथा सोनू राम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने दोनों पर 20-20 हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड नहीं देने पर सजा की अवधि बढ़ सकती है। बता दें कि इसके पूर्व 12 जून को दोनों पर दोष सिद्ध हुआ था, जिसके बाद न्यायाधीश ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इस मामले में 15 जून को सजा सुनाई जानी थी, लेकिन उस दिन किसी अधिवक्ता के निधन से कोर्ट में नो वर्क घोषित हो गया था। जिस कारण मंगलवार को सजा सुनाई गई। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव थाना कांड संख्या 68 /2012 में सोनू राम एवं सुकर राम को हत्या के मामले में आरोपित किया गया था।

दूसरी बार मिली आजीवन कारावास की सजा

बता दें कि माले नेता सुकर राम को दूसरी बार आजीवन कारावास की सजा भुगतनी पड़ रही हैं। इसके पहले वे अपने ही मोहल्ले के कविलाश की राम की हत्या मामले में भी 14 वर्ष की सजा भुगत चुका है। संभवत: सुकर पहले ऐसे अभियुक्त है जो अपने जीवन काल में दो बार एक ही तरह की सजा भुगती है।

8 मार्च 2012 को दर्ज हुआ था मामला

इस संबंध में जानकारी देते हुए अपरलोक अभियोजक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि डुमरांव दक्षिण टोला के रहने वाले राम चीज राम के साथ पड़ोसियों ने दरवाजे पर नाली का पानी गिराने को लेकर मारपीट किया था। इस मामले में 8 मार्च 2012 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। लेकिन उनके बीच विवाद बना रहा तथा 6 अगस्त को 2012 के दिन अभियुक्तों ने लाठी डंडे से लैस होकर सूचक के परिवार पर हमला बोल दिया जिसमें लोहे के रोड से बितन राम के सर पर गंभीर चोट लगी तथा उनकी मृत्यु हो गई थी। उक्त मामले में कुल 19 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। न्यायालय में कुल 17 लोगों के खिलाफ ट्रायल किया गया जहां भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत सोनू राम एवं सुकरराम को दोषी पाते हुए दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इंटरनेशनल आर्ट ऑफ गिविंग के तहत रामरेखा घाट पर जरूरतमंदों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण

समाज के जरूरतमंदों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं : निरंजन

- नर्सरी के बाहर व भीतर नहीं जमा होगा पानी

केटी न्यूज/बक्सर

जरूरतमंदों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। हर सक्षम व्यक्ति को समाज के कमजोर तबके की मदद करनी चाहिए, ताकी उनका जीवन आसान बन सकें। उक्त बातें सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन निराला ने सोमवार को रामरेखा घाट पर जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि असल में सेवा ही धर्म है। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे समाज में बहुत लोग ऐसे है, जिनके लिए दो वक्त की रोटी का जुगाड़ भी मुश्किल से होता है। आजादी के सात दशक बाद भी गरीब व अमीर के बीच गहरी खाई है। ऐसी स्थिति में हर सामर्थ्यवान का यह सामाजिक दायित्व बनता है कि जरूरतमंदों की यथा संभव मदद कर उनके जीवन को आसान बनाए। उन्होंने समाज एक दूसरे के सहयोग से चलता है। यह हमारी संस्कृति की पहचान भी है। इसलिए ऐसे कार्यों में समाज के हर सक्षम व्यक्ति को बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

समाज भी हमारे परिवार की तरह होता है : जबकि मनमीत मिश्र ने कहा कि समाज के प्रति हमारा दायित्व बिल्कुल उसी तरह है जैसा कि हमारा हमारा अपने परिवार के प्रति दायित्व होता है। हम जिस परिवार में जन्म लेते हैं जिस परिवार में रहते हैं, तो उस परिवार अर्थात उस परिवार सदस्यों के प्रति हमारा कुछ दायित्व बनता है। चाहे वो माता-पिता हो, पत्नी, भाई-बहन या पुत्र-पुत्री आदि हों। समाज भी हमारे परिवार की तरह होता है। ये एक वृहद स्तर का परिवार अर्थात बहुत बड़ा परिवार होता है। जब हम किसी समाज में जन्म लेते हैं तो स्वतः ही हमें कुछ अधिकार प्राप्त हो जाते हैं। समाज हमें संस्कार देता है। जीवन को जीने की शैली सिखाता है। हमें अनुशासन में रहना सिखाता है। हमें नियमों के अनुसार आचरण करने की कला सिखाता है। हमें नैतिकता का पाठ पड़ाता है। कुल मिलाकर समाज हमें असभ्य नागरिक से सभ्य नागरिक बनाता है, वरना हम जब इस दुनिया में आते हैं तो क्या होते हैं। समाज में रहकर ही तो हम मानव से सभ्य मानव बनते हैं। जब समाज हमें इतना कुछ देता है तो क्या हमारा दायित्व नही बनता कि हम समाज को बदले में कुछ दें।

100 युवाओं के बीच खेल सामग्री का वितरण : इस दौरान बिजेंद्र यादव, कुमार चंदन, सुनील यादव, शुभम वर्मा, राजू गुप्ता, अमित यादव, अनिल यादव सहित कई अन्य शामिल थे। दूसरी ओर प्लस टू उच्च विद्यालय सिमरी के मैदान में राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी प्रियांशु शर्मा द्वारा 100 क्षेत्रीय युवाओं के बीच खेल सामग्री का वितरण कर उन्हें प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इंटरनेशनल आर्ट ऑफ गिविंग के इस आयोजन में सोनू द्विवेदी, मुन्ना राय, हिमांशु शर्मा, प्रशांत पांडेय, राजू राय आदि की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है।

सड़क पर वाहन रोक यात्रियों को बैठाने से रोज लग रहा जाम

♦ डुमरांव शहर में जाम से राहगीरों को आवाजाही में परेशानियों का करना पड़ता है सामना

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर में एक बार फिर जाम ने रफ्तार पकड़ ली है। इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ गयी है और ट्रैफिक सिस्टम भी गड़बड़ा गया है। रोड पर जहां-तहां वाहनों का जमा होना आम लोगों के लिए जी का जंजाल भी बन गया है। इसमें खास कर ई रिक्शा और फोर व्हीलर से ज्यादा परेशानी हो रही है। शहर का मुख्य सड़क एनएच 120 सड़क के रूप जाना जाता है, जो बक्सर-आरा फोरलेन को जोड़ती है। इस सड़क पर बस सहित अन्य वाहनों का आने-जाने का सिलसिला लगा रहता है। इस दौरान पैसेंजर उठाने के लिए बस, ऑटो और ई रिक्शा वालों के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा होती है। पैसेंजर चढ़ाने और उतारने में वाहनों की रफ्तार थम जाती है और हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। शहर में बने कई मार्केट व प्रतिष्ठान ऐसे है, जहां पार्किंग की व्यवस्था नही है। समस्या इस कदर बदतर हो जाती है कि राहगीरों को पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। नगर परिषद क्षेत्र में कहीं भी पार्किंग की व्यवस्था नही हैं। नप प्रशासन द्वारा कई बार पार्किंग स्थल को लेकर जगह चयन करने की प्रक्रिया शुरू हुई। लेकिन, जगह नही मिलने के कारण पार्किंग का निर्माण नही हो सका। मुख्य सड़क पर सड़क किनारे लोहे की बैरिकेडिंग लगायी गयी ताकि दोपहिया वाहन सड़क को छोड बैरिकेडिंग के अंदर खड़ा हो। किंतु मुख्य बाजार होने के कारण सामानों की खरीदारी करने गांवों से आये ग्रामीण अपने दोपहिया वाहनों को इधर-उधर खड़ा कर सड़क को संकीर्ण बना देते है।

तैनात रहती है पुलिस

" जाम से निपटने के लिए राज अस्पताल के समीप पुलिस बल को लगाया गया है। शहर में पार्किंग की व्यवस्था नही होने से परेशानी झेलना पड़ता है। पुलिसकर्मियों द्वारा सड़क पर खड़े वाहनों को हटाया जाता है। - **अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी डुमरांव।**

एक नजर

प्रभु को पाना है तो अपने आप को उनके चरणों में समर्पित कर दें: प्रज्ञा पांडेय

केसठ/नवानगर। प्रखंड के स्थानीय थाना परिसर स्थित श्री मां काली का चतुर्थ वर्षगांठ महोत्सव पर सतचंडी पाठात्मक यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया था। यज्ञ कार्यक्रम 10 जून से ही प्रारंभ था जो 16 जून चला। इस बीच यज्ञ समिति द्वारा इस अवसर पर 12 जून से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसमें कथा वाचिका आचार्या सुश्री किशोरी प्रज्ञा पांडेय अयोध्या आगंतुक है। जिनके द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है। छठे दिन के कथा के दौरान श्रोताओं के बीच उन्होंने कहा कि भगवान के चरणों की सेवा करना, भगवान की वंदना करना और भगवान की भक्ति करना मनुष्य का परम कर्तव्य है। यानी की अपने आप को उनके चरणों में समर्पित कर देना चाहिए। इस तरह नौ प्रकार की भक्ति हैं जो कि अपने पूरे जीवन को प्रभु के चरणों में आत्मसमर्पण कर देनी चाहिए। जैसे कि प्रहलाद जी थे वह अपने आप को भगवान में समर्पित कर दिए थे। जिनका बालबांका तक नहीं हो पाया। उनका भगवान स्वयं रक्षा किये। उन्होंने कहा कि भगवान पर पूर्ण विश्वास एवं भरोसा रखकर कोई भी कार्य को करनी चाहिए। भगवान भक्त के बस में होते हैं। सच्चे मन से उनकी सेवा करने से हर तरह की बाधाएं दूर हो जाती है तथा वह व्यक्ति विभिन्न समस्याओं में रहते हुए भी भवसागर को पार कर जाते हैं। इस तरह उनके द्वारा अपने मुखारविंद से लोगों के बीच कई ज्ञान युक्त बातें कही गई। कथा प्रवचन कार्यक्रम सातवें दिन मंगलवार की दिन रात्रि तक चला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विनोद कुमार सिंह, मंगल सिंह, मृत्युंजय सिंह, बलिराम सिंह, रामप्रवेश सिंह, मुन्ना सिंह, गोपाल जी गुप्ता, रामाकांत प्रसाद, रामजी, जय किशोर ठाकुर, सहित समस्त ग्रामीणों का सहयोग सराहनीय रहा।

छपरा में अधिवक्ता पिता-पुत्र की हत्या के विरोध में आज काला रिबन लगाकर काम करेंगे वकील

बक्सर। प्रदेश के छपरा जिला में अधिवक्ता पिता-पुत्र की हाल ही में की गई हत्या के विरोध में बुधवार 19 जून को राज्य भर के वकील अपने बैंड के पास काला रिबन लगाकर अपना पेशेवर कार्य करेंगे। इस आशय का निर्णय बिहार स्टेट बार काउंसिल ने हत्याकांड की घोर निन्दा करते हुए एक आपात बैठक कर लिया है। जिला अधिवक्ता संघ के महासचिव विन्देश्वरी प्रसाद पांडेय ने बताया कि बीते 12 जून को छपरा में अधिवक्ता पिता-पुत्र राम अयोध्या प्रसाद यादव और उनके बेटे सुनील कुमार राय एक साथ बाइक से अपने घर मेथवालिया से छपरा कचहरी जा रहे थे, तभी दूधिया पुल के पास घात लगाए अपराधियों ने पिता-पुत्र पर फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से दोनों पिता-पुत्र बाइक से नीचे गिर पड़े और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। दोनों अधिवक्ताओं की हत्या को लेकर बिहार बार काउंसिल ने निंदा व्यक्त की थी। साथ ही बिहार में अधिवक्ताओं की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की थी। अब बार काउंसिल के निर्देश पर ही बक्सर में भी अधिवक्ता काला रिबन लगाकर अपना विरोध जाहिर करेंगे।

प्यास बुझाने के लगे प्याऊ में नहीं भरा जाता पानी

डुमरांव। नगर परिषद ने राहगीरों, मजदूरों और शहरवासियों के लिए हर मोड़ और सार्वजनिक स्थानों पर पानी पीने के लिये प्याऊ की व्यवस्था कर रखा है। यह प्याऊ हाथी का दांत साबित हो रहा है। सुबह में एकबार जो पानी रखा जाता है, फिर उसकी तरफ देखा नहीं जाता। लोग पानी पीने के लिए प्याऊ के पास जाते जरूर है, लेकिन प्यासे लौट आते हैं। इस भीषण गर्मी में लोग पेयजल के भटक रहे हैं। इतना ही नहीं प्याऊ के पास पानी निकालने वाला बर्तन भी नहीं है।

इस संबंध में जब चेयरमैन सुनीता गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने बताया की हर प्याऊ के पास पानी निकालने वाता बर्तन रखा गया है, लेकिन लोग गायब कर देते हैं। इसका निरीक्षण कराकर सारी व्यवस्था को बहाल कर दिया जाएगा। बहुत से मोहल्लों में पेयजल के समरसेबल लगाया गया है, जिससे पेयजल के लिए उन्हें भटकना नहीं पड़ता है।

अनुमंडलीय अस्पताल में लू लगे मरीजों का सफल इलाज के बाद घर जाने की मिली अनुमति

जानलेवा हुई गर्मी : 24 घंटे में लू लगे 22 मरीज पहुंचे डुमरांव अनुमंडल अस्पताल

केटी न्यूज/डुमरांव

♦ अस्पताल में लू लगे मरीजों को रखने के लिए बना 10 बेड का वार्ड

जिले में लू का कहर जारी है, भीषण गर्मी अब जानलेवा साबित होने लगी है। हर दिन लू पीड़ितों की संख्या बढ़ रही है। अकेले डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में पिछले 24 घंटे के दौरान लू के चपेट में आए कुल 22 लोगों को भर्ती कराया गया। जिन्हें इलाज के बाद घर भेज दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने एसडीओ राकेश कुमार के आदेश पर लू लगे मरीजों के लिए अलग से 10 बेड का वार्ड बनाकार तैयार रखा है। अस्पताल उपाधीक्षक डा. गिरीश कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पिछले 24 घंटे के भीतर लगभग 22 मरीज लू से पीड़ित अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे हुए थे। उन मरीजों का उचित इलाज किया गया, जिससे वे स्वस्थ्य हो अपने घर लौट गए। अस्पताल में दवा-पानी का पहले ही स्टॉक कर लिया गया है, जिससे मरीजों के इलाज में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

मिली जानकारी के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में लू लगे मरीज अस्पताल के ओपीडी सेवा में ही पहुंचे हुए थे। शरीर में उनके पानी कम होने की शिकायत मिली, जिससे पानी चढ़ाना पड़ा। पानी चढ़ने के बाद मरीज स्वस्थ्य होकर अपने घर लौट गए। इन मरीजों में अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र के थे। इसमें बच्चों और महिलाओं की संख्या अधिक रही। इलाज के बाद सभी को दिन चढ़ते बाहर नहीं निकलने की सलाह दी जा रहा थी। फिर उन्हें खाली पेट घर से बाहर नहीं निकलने के लिए कहा जा रहा था। किसी को भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, इलाज के बाद उन्हें घर जाने की इजाजत डाक्टरों ने दे दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ी लू के चपेट में आने वाले मरीजों की संख्या : जिले के सभी अस्पतालों में लू के चपेट में आ भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है। सदर अस्पताल बक्सर में भी हर दिन लू के शिकार दर्जनों मरीज पहुंच रहे हैं। वही ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कम भयावह नहीं है। सिमरी, चौगाईं, चौसा, ब्रह्मपुर, केसठ, नावानगर आदि सीएचसी के आंकड़ो पर गौर करें तो यहां भी लू के चपेट में आने वाले मरीजों की तादात हर दिन बढ़ रही है। केसठ सीएचसी प्रभारी डॉ विनय कुमार, चौसा सीएचसी के डॉ. चंद्रमणी विमल आदि ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि भीषण गर्मी व लू के चपेट में आ लोग बीमार पड़ रहे हैं।

महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को है सर्वाधिक खतरा : वैसे तो मौसम जैसे तल्ख हो रहा है तथा पारा लगातार 45 डिग्री के आस पास बना हुआ है, उससे किसी के लिए भी ऐसा मौसम लाभकारी नहीं है। लेकिन महिलाओं, बच्चों तथा बुजुर्गों को मौसम की मार से खास परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बीमार हो अस्पताल पहुंचने वालों में भी ऐसे लोगों की संख्या ही सर्वाधिक है। इसके अलावे दिल के मरीजों, सुगर, बीपी से पीड़ित लोगों के लिए यह मौसम जानलेवा साबित हो सका है।

लोगों को वे वजह घर से नहीं निकलने की सलाह : मौसम विभाग द्वारा बक्सर जिले को हीट वेव के रेड जोन में शामिल किया गया है। ऐसे में डॉक्टरों ने लोगों से बिना वजह घर से बाहर नहीं निकले की सलाह दी है। शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विनिश कुार ने कहा कि इस भीषण गर्मी व लू से बचने के लिए लोगों को दिन में घर में ही रहना चाहिए। जरूरी काम होने पर शरीर को पूरी तरह से ढंककर ही बाहर निकलना चाहिए। वही उन्होंने कहा कि शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखने के लिए हमे लिक्विड चीजो जैसे ओआरएस व ग्लूकोज के साथ ही जूस आदि का सेवन करना चाहिए तथा भोजन सादा व ताजा ग्रहण करना चाहिए।

राह चलते लू लगने से वृद्ध की मौत

डुमरांव। मंगलवार की दोपहर भीषण गर्मी के दौरान रास्ता चलते एक वृद्ध की मौत हो गई। घटना डुमरांव पुराना भोजपुर मार्ग पर पॉवर ग्रिड के पास की है। मृतक की पहचान डुमरांव निमेज टोला के 75 वर्षीय श्री प्रसाद सोनार के रूप में हुई है। आस पास के लोगों की माने तो वह भरी दोपहरी उधर से गुजर रहा था तथा अचानक उसकी तबीयत खराब हुई। जिसके आस पास के लोगों ने उसे पानी भी पिलाया। लेकिन थोड़ा आगे बढ़ने पर वह अचानक गश खाकर गिर पड़ा। आनन फानन में उसे लेकर लोग अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि उसकी मौत कैसे हुई इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। आशंका जताई जा रही है कि लू लगने के कारण उसकी मौत हुई होगी। वही घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, तबतक उसके परिजन भी पहुंच गए थे। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर दिया। नया भोजपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने कहा कि परिजन बिना पोस्टमॉर्टम शव लेकर चले गए। उन्होंने भी प्रथम दृष्टया लू लगने से ही मौत होने की बात कही।

बैठक में नहीं आए मनरेगा पीओ व बिजली कंपनी के अधिकारी, सदस्यों में नाराजगी

केटी न्यूज/बक्सर

स्थानीय प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अनुपा देवी ने व संचालन बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने किया। घंटों चली इस बैठक में भीषण गर्मी के इस मौसम में गांवों में नल जल योजना के फेल होने तथा सदस्यों की शिकायत पर भी कार्रवाई नहीं होने सदस्यों ने गहरी नाराजगी जताई। बैठक में विकास योजनाओं को गति देने पर भी लंबी चर्चा हुई। बीडीओ ने बैठक में उपस्थित पीएचईडी के कनीय अभियंता रवि कुमार को तत्काल व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश दिया और कहा कि किसी भी गांव में पेयजल की समस्या सुनाई नहीं पड़ना चाहिए। जबकि रेहिया गांव में लंबे समय से बिजली का काम पूरा नहीं होने पर स्थानीय बीडीसी ने नाराजगी जताई। बिजली कंपनी के सक्षम पदाधिकारी की बैठक में उपस्थित नहीं होने पर भी सदस्य नाराज थे। पंचायत समिति की इस बैठक में प्रखंड कार्यालय के सभा कक्ष में एसी लगाने, वाटर कूलर का तत्काल प्रबंध करने तथा वाहन खड़ा करने के लिए शेड लगाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र में विकास के कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा हुई। जिसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्णय लिया गया। पंचायत समिति की बैठक में मनरेगा पीओ सुनील कुमार उपस्थित नहीं थे। सदस्यों ने गहरी नाराजगी जताई तथा पीओ के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडे ने बताया कि बैठक में अनुपस्थिति के लिए पीओ से कारण पृक्षा किया जाएगा। सदस्यों ने जन वितरण व्यवस्था, ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवा की लचर स्थिति, किसानों के बीज अनुदान की जानकारी के अलावे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से चर्चा की। मौके पर सीओ शमन प्रकाश, बीपीआरओ रोहिणी कुमारी, एमओ विजय कुमार तिवारी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आरबी प्रसाद, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी विभा कुमारी प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह के अलावे पंचायत समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डुमरांव के महाकाल मंदिर तालाब का होगा सौंदर्यीकरण

टीचर्स ट्रेनिंग स्कूल के समीप स्थित महाकाल मंदिर तालाब का राज परिवार ने दिया एनओसी

♦ सौंदर्यीकरण के लिए नप के स्तर से शीघ्र निकाला जाएगा टेंडर

केटी न्यूज/डुमरांव

रख रखाव के अभाव तथा भीषण गर्मी के कारण सूख चुके महाकाल मंदिर के पास का तालाब का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसकी कवायद शुरू हो गई है। राज परिवार ने उक्त तालाब के जीर्णोद्धार के लिए एनओसी दे दिया है। जल्दी ही नगर परिषद टेंडर निकाल इस तालाब का सौंदर्यीकरण कराएगा।

बता दें कि लोगों के अस्था का केन्द्र रहा महाकाल मंदिर के पास का तालाब मिट्टी से पूरी तरह से भर चुका है। जिसकी कारण इसकी गहराई काफी कम हो गई है तथा पानी भी सूख गया है। कभी अपनी गहराई के लिए जाना जाने वाला यह तालाब आज मात्र एक बड़े गड्ढें का रूप ले लिया है। लिहाजा इसका उपयोग बंद है। नगर परिषद ने इस तालाब को सौंदर्यीकरण के लिए चयनित किया है, लेकिन राज परिवार से एनओसी नहीं मिलने के कारण कार्य बाधित था। अब जबकि महाराजा चंद्रविजय सिंह ने इस तलाब के सौंदर्यीकरण के लिए एनओसी दे दिया है, तो इसके भीतरी भाग में जमा गाद की सफाई मंगलवार से शुरू करा दिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए नप चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया कि तालाब के भीतरी भाग में जमा गाद को जेसीबी लगाकर निकाला जा रहा है। अंदर से निकाली गई मिट्टी को तलाब के चारों तरफ गिराकर समतल कर दिया जाएगा। फिर इसके सौंदर्यीकरण के लिए टेंडर निकाला जाएगा। इसके लिए डीपीआर तैयार किया जा रहा है। जिसके बाद टेक्निकल टीम के द्वारा सत्यापित करने के बाद टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिसके बाद योजना के तहत सौंदर्यीकरण का काम शुरू किया जाएगा।

तालब के चारों दिशा में घाट हुआ करता था : तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए निकाले जा रहे भीतरी भाग मिट्टी की जैसे ही मोहल्लेवासियों को जानकारी मिली सभी तलाब के किनारे जुटी खुशी मनाते रहे। स्थानीय लोगों का कहना था इस तालब के चारों दिशा में घाट हुआ करता था। इतना ही नहीं मवेशियों के पानी पीने के लिए अलग से प्रबंध किया गया था। समय के साथ साथ लोगों की उदासीनता बढ़ती गई और उसके कारण सभी का अस्तित्व मिट चुका है। अब केवल तालाबा का उजड़ा हुआ नक्शा ही दिखाई पड़ता है। तलाब का पानी सूख जाने से मवेशियों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। चेयरमैन का कहना है कि भीतरी भाग में जका मिट्टी को निकाल देने से इसकी गहराई बढ़ जाएगी और बरसात के दिनों में तालाब पानी से भर जाएगा। फिर तालाब के सूखने की नौबत नहीं आएगी। इसके सौंदर्यीकरण में जितनी राशि की जरूरत पड़ेगी उतना नप नहीं खर्च कर सकता, लिहाजा शीघ्र इसका टेंडर निकाला जाएगा।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII

ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)

REGISTRATION & ADMISSION STARTED

ELIGIBILITY CRITERIA
- DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
- ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.

SCHOLARSHIP SCHEME
- CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
- CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.

CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY

TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)

1st SHAKSHI KUMARI 94.80%

2nd ANKIT KUMAR 92.60%

3rd SANJANA KUMARI 92.00%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
- English Core - 97
- Hindi Elective - 95
- Physics - 95
- Mathematics - 95
- Biology - 96
- Chemistry - 95
- Accountancy - 95
- Business Studies - 93
- Economics - 94

TOPPERS IN AISSE (Std. X)

1st ARADHYA GUPTA 96.80%

2nd RUKHSAR NAAZ 95.00%

3rd SANANDAN DUBEY 94.80%

SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
- English - 94
- Sanskrit - 100
- Hindi - 95
- Mathematics - 100
- Science - 96
- Social Science - 100

INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.

8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON

LIMITED SEATS Hurry Up

रिटायर दारोगा के बेटे की हत्या केस में मुख्य आरोपित व उसका ममेरा भाई गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के करवा बागीचे में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के घोड़पोखर गांव निवासी रिटायर दारोगा के प्रॉपर्टी डीलर बेटे पिंटू कुमार की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित नीरज चौधरी उर्फ अमित कुमार और उसके ममेरे भाई रॉकी कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को सोमवार की रात गिरफ्तार किया गया है। नीरज चौधरी को

आरा रेलवे स्टेशन के समीप और रॉकी को नारायणपुर थाना क्षेत्र के सितुहारी गांव से पकड़ा गया। नीरज चौधरी उर्फ अमित कुमार उदवंतनगर थाना क्षेत्र के केशोपुर बकरी गांव और रॉकी कुमार नारायणपुर थाना क्षेत्र के सितुहारी गांव का रहने वाला है। पूछताछ में नीरज चौधरी उर्फ अमित कुमार द्वारा पैसे लेनदेन के विवाद में गोली मार हत्या करने की बात भी स्वीकार की गयी है। हालांकि हत्या में इस्तेमाल हथियार की अबतक बरामदगी नहीं की जा सकी है। एसपी प्रमोद कुमार यादव की ओर से मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि 20 मई की शाम अपने दरवाजे पर बैठे पिंटू कुमार को बुलाकर करवां गांव के बागीचे में ले जाया गया। वहां रात में मछली पार्टी के लिए पैसे के विवाद में गोली मारकर पिंटू कुमार की हत्या कर दी गई। उसे लेकर पिंटू कुमार के पिता रिटायर दारोगा तेज नारायण की ओर से नीरज चौधरी और उसके ममेरे भाई सहित अन्य लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। उसके बाद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए मुफस्सिल थानाध्यक्ष राजीव रंजन सिन्हा के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी। टीम द्वारा उसके बाद से लगातार छापेमारी की जा रही थी। उसी क्रम में सोमवार की रात मुख्य आरोपित नीरज कुमार चौधरी उर्फ अमित कुमार को आरा रेलवे स्टेशन के समीप से पकड़ लिया गया। बाद में उसकी निशानदेही पर उसके ममेरे भाई को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में नीरज चौधरी उर्फ अमित कुमार द्वारा जमीन के बकाए पैसे के लेनदेन के विवाद में हत्या करने की बात स्वीकार की गयी।

एक नजर

10 लीटर शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

बिक्रमगंज। पुलिस ने चुलाई शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अनुमंडल उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि नगर परिषद के धारुपुर से बीरेंद्र पासवान को 10 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत सासाराम न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सांसद राजा राम नोखा में आज करेंगे जनसंपर्क

नोखा। काराकाट लोकसभा क्षेत्र के भाकपा-माले के नवनिर्वाचित सांसद राजाराम सिंह बुधवार को नोखा क्षेत्र में लोगों से करेंगे जनसंपर्क। जिनके आगमन को लेकर महागठबंधन कार्यकर्ता उनके स्वागत के तैयारी में जुट गए है। जिस अभिनंदन समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि पूर्व बिहार सरकार मंत्री अनिता देवी करेंगी। जिसको लेकर काराकाट विधायक अरुण सिंह ने भी सभी कार्यकताओं के साथ पूर्ण तैयारियां पर जोर दिया। जहां आमजन सहित सैकड़ों कार्यकताओं सांसद राजाराम सिंह के जीत की पहले आगमन पर उनका नगर परिषद स्थित हनुमान मंदिर स्थित धर्मशाला में जोरदार स्वागत करेंगे। जहां सांसद एनडीए सरकार के विरुद्ध मंगाई पर हल्ला बोल सहित लोकसभा क्षेत्र में लंबित पड़ी विकास कार्य कर विशेष चर्चा करेंगे।

छत पर पानी डालने गये किसान की करंट से मौत

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महुली गांव में मंगलवार की सुबह करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई। निमार्णाधीन घर की छत पर पानी डालने के दौरान करंट प्रवाहित तार की चपेट आने से उनकी जान चली गयी। मृतक महुली गांव निवासी स्व.बसरोपण यादव के 47 वर्षीय पुत्र राधे श्याम यादव थे। बड़े भाई ने बताया कि उन लोगों का एक नया मकान बन रहा है। मंगलवार की सुबह उनका छोटा भाई उस मकान की छत पर पानी डालने गया था। वह घर में लगा मोटर चालू कर पानी डाल रहा था। तभी करंट लग गया, जिससे बुरी तरह झुलस गया। कुछ देर बाद परिजन वहां पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि वह घायल हालत में छत पर गिरे पड़े। उसके बाद इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पाकर पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया।बताया जा रहा है कि किसान अपने चार भाई और एक बहन में छोटे थे। उनके परिवार में मां बुटना देवी,पत्नी देवांती देवी, पुत्र रिकुश यादव,ऋषभ यादव और पुत्री रिया कुमारी है। घटना के बाद उनके घर में कोहराम मच गया है। मां, पत्नी और बच्चों सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दो पक्षों के बीच मारपीट, गांव में तनाव, पुलिस तैनात

नोखा। नोखा थाना क्षेत्र के दुधार गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट के बाद गाव में पुलिस बल को तैनात किया गया है। घटना केबारे में बतये जा रहा है दुधार गाव में मंगलवार को दो पक्ष आपसी विवाद ले बाद मारपीट के बाद दोनों पक्षों द्वारा रोड़ेबाजी की गई। इसकी सूचना मिलने के बाद नोखा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार और पुलिस इंस्पेक्टर सुरेश रविदास घटनास्थल पर पहुंचकर के स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद साजरम अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टू कुमार वैभव और एसडीएम सासाराम आशुतोष रंजन घटनास्थल में पहुच कर और स्थिति को नियंत्रित किया। इस मारपीट की घटना में कुछ लोगों को हल्की-फुल्की छोटे भी लगी इसके बाद घटनास्थल पर पुलिस बल को तैनात कर दिया गया। इस मौके पर अगरेड थाना, मुसफिल थाना, धर्मपुरा,बघेला सहित कई थाना की पुलिस उपस्थित होकर के वहां पर स्थिति को नियंत्रित किया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार ने बताया कि इसमें प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। किसी पक्ष से आवेदन नहीं दिया गया है। पुलिस ने आधा दर्जन से ज्यादा लोगों की हिरासत में ले लिया है। और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। प्राथमिक होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खबरें फटाफट

हत्यारे की धमकी से पीड़ित परिवार में दहशत

चेनारी। रोहतास जिले के चेनारी थाना अंतर्गत उभांव गांव में पिछले दिन हुई गोलीबारी के आरोपी ने पीड़ित परिजन को धमकी दे रहे हैं। आरोपियों की धमकी से पीड़ित परिजनों में दहशत का माहौल है। पीड़ित परिजनों ने बताया कि उभाव गांव में पिछले दिन जमीनी विवाद में दिनेश तिवारी सहित अन्य ने जितेन्द्र तिवारी तथा रंजन तिवारी को गोली मार दिया। जिसमें जितेंद्र तिवारी की मौत हो गई और रंजन तिवारी का इलाज सदर अस्पताल में जारी है। घटना के चार दिन के बाद भी चेनारी थाना के पुलिस ने नामजद आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। पीड़ित परिजनों का आरोप है कि आरोपी केस उठाने की धमकी दे रहे हैं। लेकिन पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही है। ऐसे में परिजनों में दहशत है।

आवारा कुत्तों ने वृद्ध को किया लहूलुहान

सासाराम। सासाराम के सिंगुही में सो रहे एक वृद्ध को आवारा दो तीन कुत्ते ने नोंच नोंच कर लहूलुहान कर दिया। घटना सासाराम के दरिगांव थाना क्षेत्र के सिगुही गांव की बताई गई है। पीड़ित वृद्ध सिगुही गांव निवासी बाबू लाल सिंह बताया गया। घटना की जानकारी पीड़ित बाबूलाल सिंह के पुत्र अरविंद सिंह ने बताया कि उनके पिता सो रहे थे तभी दो-तीन की संख्या में आवारा कुत्ते ने पहुंचकर नोच नोच कर लहू लुहान कर दिया। फिलहाल पीड़ित वृद्ध को इलाज के लिए उनका बेटा सदर अस्पताल सासाराम लाया है।

पुलिस की शुरूआती जांच में दो गुटों की वर्चस्व में फायरिंग की आ रही बात

जमानत पर जेल से रिहा हुए अपराधियों ने की थी फायरिंग, पुलिस ने दोनों को किया चिन्हित

- अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर एएसपी के नेतृत्व में एसआईटी गठित
- शनिवार और रविवार की शाम दुकानों को टारगेट कर की गयी थी फायरिंग

केटी न्यूज/आरा

आरा शहर से सटे उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल सीरियल गोली कांड में पुलिस की दबिश बढ़ गयी है। पुलिस गोली कांड के खुलासे के काफी करीब पहुंच गई है। सभी अपराध कर्मियों को चिन्हित भी कर लिया गया है। बस गिरफ्तारी शेष है। पुलिस की अबतक की जांच में दो गुटों के वर्चस्व में जमानत पर जेल से छुटे अपराधियों द्वारा फायरिंग करने की बात सामने आ रही है। इधर, अपराधियों की गिरफ्तारी को एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में एसआईटी गठित कर दी गयी है। टीम की ओर से लगातार छापेमारी भी की जा रही है। उस क्रम में टीम सोमवार की देर रात चिन्हित अपराधियों के घर भी पहुंची थी, लेकिन बदमाश पकड़ में नहीं आ सके। बताया जा रहा है कि अपराधी फिलहाल फरार चल रहे हैं। एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि रविवार की शाम जीरो माइल स्थित दो दुकानों पर फायरिंग की गयी थी। उसमें दो लोगों को गोली लगी थी। घटना में दो अपराध कर्मियों की संलिप्तता सामने आयी है। उससे पूर्व रविवार की शाम भी उसी जगह पर फायरिंग की गयी थी। सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी सूत्र के जरिये दोनों घटनाओं में शामिल अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है। फुटेज और जांच में यह बात सामने आयी कि दोनों घटनाओं में शामिल अपराधी अलग-अलग थे। दोनों घटनाओं में शामिल अपराधियों को चिन्हित कर लिया गया है। उनके फोटो का भी मिलान हो गया है। गिरफ्तारी को छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि चिन्हित अपराधी पूर्व में जेल भेजे गए थे। जमानत पर आने के बाद फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया है। शुरूआती

आपस में बात की और उसके बाद करने लगे फायरिंग

आरा। जीरो माइल के समीप रविवार की शाम मार्ट सहित तीन दुकानों पर फायरिंग करने वाले अपराधियों का शातिराना अंदाज देखने को मिला है। अपराधियों ने पहले मार्ट के बाहर काफी देर तक चहलकदमी की। उसके बाद एक-दूसरे से बात की और ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। सीसीटीवी फुटेज में दोनों अपराधी की करतूत साफ दिख रही है। फायरिंग करने के बाद दोनों पैदल ही रोड की तरह भाग निकले। फुटेज के अनुसार दोनों अपराधी बारी-बारी से पैदल रोड से मार्ट की ओर आते हैं। दोनों मार्ट के बगल की तरफ जाते हैं। उसके बाद काले रंग की शर्ट और पैंट पहने एक अपराधी मार्ट की ओर आता है। उसे दोनों हाथ हिलाते मस्त अंदाज में मार्ट के सामने आते-जाते देखा जा रहा है। उसने मुंह पर मास्क लगा रखा था। उस दौरान उसे किसी से कुछ बात करते भी देखा जा रहा है। उस समय तीन लड़के (संभवतः स्टाफ) मार्ट के गेट पर खड़े थे। एक-दो महिलाओं को मार्ट में जाते देखा जा रहा है। उसी दौरान गमछा लपेट दूसरा अपराधी भी कुछ दूरी पर दिखता है। दोनों पहले रोड की तरफ देखते हैं फिर आपस में कुछ बात करते हैं। उसके बाद दोनों फायरिंग करने लगते हैं। ताबड़तोड़ फायरिंग करने के बाद दोनों पैदल ही रोड की तरह भाग जाते हैं। पुलिस सीसीटीवी के अपराधियों की धर-पकड़ करने में सफलता मिली है।

गोली लगने से पेशाब की थैली और आंत डैमेज

इलाज कर सर्जन डाक्टर विकास सिंह ने बताया कि मार्ट के मलिक को गोली पेट के निचले हिस्से में गोली लगी थी। गोली लगने के कारण उनकी पेशाब की थैली और बड़ी आंत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। वहीं पप्पू कुमार के बाएं हाथ में बांह पर गोली लगी थी, जो बाएं साइड सीने में जाकर फंस गई थी। दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है। डैमेज पाट्र्स को रिपेयर कर दिया गया है। हालांकि अभी दोनों लोगों को 72 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा।

क्या कहते है अधिकारी

पूरी घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के सभी सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को भी खंगाले जा रहे हैं। टेक्निकल एविडेंस जैसे टावर डंप भी निकल जाएगा। घटना को जिसने भी अंजाम दिया है, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। इस घटना के बाद इस पॉइंट पर हम 24 घंटे के लिए सुरक्षा प्रोवाइड कर रहे हैं। उस पर पुलिस ने एक्शन भी लिया है। सीसीटीवी फुटेज मिला था, उसकी जांच की जा रही है। **एएसपी परिचय कुमार**

गोलीबारी में मार्ट के मालिक सहित अन्य दो गंभीर रूप से जख्मी

आरा। इस घटना में मार्ट मालिक सहित दो लोग जख्मी हो गए। घायलों में मार्ट मालिक सियाराम सिंह और अल्यूमीनियम दुकान का स्टाप पप्पू कुमार हैं। सियाराम सिंह रिटायर शिक्षक भी हैं। दोनों घायलों का इलाज बाबू बाजार स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में कराया जा रहा है। इनमें मार्ट मालिक सियाराम सिंह मौलाबाग जबकि पप्पू कुमार चरपोखरी थाना क्षेत्र के काउप गांव का रहने वाले हैं। फायरिंग में मार्ट के शीशे भी टूट गये। अपराधियों की संख्या तीन बतायी जा रही है। जख्मी शिक्षक का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। जहां उनकी हालत गंभीर है।

जाति सूचक टिप्पणी पर कुशवाहा समाज ने सांसद देवेश चंद्र ठाकुर का पुतला फूंका

- कुशवाहा, यादव और मुस्लिम समुदाय के लिए असंवैधानिक रूप से अमर्यादित बातों का प्रयोग किया है
- सांसद देवेश चंद्र ठाकुर मानसिक रूप से बीमार हो गये हैं

केटी न्यूज / जगदीशपुर

जदयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर द्वारा कुशवाहा, यादव एवं मुस्लिम समाज पर जाति सूचक टिप्पणी की जाने को लेकर आक्रोशित कुशवाहा समाज के सैकड़ों लोगों ने विरोध मार्च निकाल कर जगदीशपुर के नयका टोला मोड़ चौक पर देवेशचंद्र ठाकुर का पुतला दहन किया गया। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रेम मौर्य ने कहा कि देवेश चंद्र ठाकुर ने जिस प्रकार से कुशवाहा, यादव और मुस्लिम समुदाय के लिए असंवैधानिक रूप से अमर्यादित बातों का प्रयोग किया है उससे पूरे बिहार के कुशवाहा समाज के साथ साथ पूरा पिछड़ा समाज आहत हुआ है। सांसद देवेश चंद्र ठाकुर को कुशवाहा समाज ने नेता बनाने का काम किया है और आज जिस तरह से वे कुशवाहा समाज का नाम लेकर ओछी व्यान दे रहें है उससे लगता है वे मानसिक रूप से बीमार है समाज के लोगों ने देवेश चंद्र ठाकुर को गंभीरता से लिया है उसका खामियाजा आने वाले दिनों में भुगतना

होगा। देवेश चंद्र ठाकुर समाज से माफी नहीं मांगने के स्थिति में कुशवाहा समाज पूरे बिहार में पुतला दहन करने का काम करेगा। वही कुशवाहा महासभा के जिलाध्यक्ष अशोक कुशवाहा ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री जो लव कुश की राजनीति करते है उनसे निवेदन करता हु की देवेश चंद्र ठाकुर को पार्टी से बर्खास्त कर सामाजिक न्याय का नेता होने के परिचय दे। साथ ही अभिषेक सिन्हा ने कहा सांसद किसी एक जाती, धर्म, समुदाय का नही होता है बल्कि वो अपने क्षेत्र के हर एक आम नागरिक का सांसद होता है और अपने क्षेत्र के हर नागरिक का जिम्मेवारी सांसद की होती है। इस प्रकार के बयान से सामंती सोच नजर आ रहा है और ऐसे लोगो को सांसद भवन में बैठने का कोई आधिकार नही है। मौके पर व्दीपू कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, अधिवक्ता विनोद वर्मा, नीतीश आर्यन, समाजसेवी लालबाबू कुशवाहा, लालू यादव, सरोज पासवान, प्रमोद यादव, पंकज प्रधान सहित अन्य मौजूद थे।

खेत से बरामद हुआ युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

जहानाबाद। मखदुमपुर प्रखण्ड के अमरपुर एवं वन्देया के बीच खेत से एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया गया है। जिसकी पहचान ककड़िया गांव निवासी नंदू पासवान के रूप में की गई है। वहीं मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए गांव के ही तीन लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है। जानकारी के अनुसार ककड़िया गांव निवासी नंदू पासवान सोमवार की शाम बंदया इलाके में ताड़ी पीने गया था। उसे बन्देया के अर्जुन चौधरी आमंत्रण देकर बुलाया था, साथ ही गांव के 10 लोगों को आमंत्रण भी दिया था। नन्दू घर नहीं पहुंचा। मंगलवार की सुबह अमरपुर एवं बन्देया के बीच एक खेत में उसका शव बरामद हुआ।

युवक की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत

आरा। बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर पीरो थाना क्षेत्र के भुलुकुआ गांव के समीप साइकिल सवार एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। बाजार जाने के दौरान किसी तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से जख्मी युवक ने इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया।

मृत युवक सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव निवासी विनय पांडेय का 23 वर्षीय पुत्र नारायण व्रत पांडेय था। वह बाहर में प्राइवेट जॉब करता था। उसके चाचा चंदन कुमार पांडेय ने बताया कि वह साइकिल से अपने गांव से पीरो बाजार जा जा रहा था। उसी दौरान भुलुकुआं गांव के समीप किसी तेज रफ्तार वाहन ने उसे ठोकर मार दी थी। उसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर उसे इलाज के लिए पीर ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे पहले आरा सदर अस्पताल और फिर पटना रेफर कर दिया गया। पटना ले जाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। उसके बाद उसके शव को गांव लाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जाता है कि युवक अपने दो भाई और एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां गुड़िया देवी भाई रोहित पांडेय और बहन सोनी देवी है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मच गया है।

प्रदुषित धुआं से जहानाबाद जिले के ग्राम बभना में अब-तक 06 लोगो की हो चुकी है मौत

बीच शहर में कूड़े से निकलने वाले धुएं से बीमार हो रहे लोग

केटी न्यूज/जहानाबाद

केंद्र की सरकार स्वच्छ भारत बनाए रखने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। और यहां जहानाबाद प्रशासन स्वच्छ जिला नहीं अपितु प्रदुषण युक्त जहानाबाद बनाने के दिशा में दिख रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते करीब दो सालों से हमलोगों की जिंदगी बद से बद्तर हो गई है। प्रदुषित धुआं से ग्राम बभना में अब-तक 06 लोगो की मौत हो चुकी है। घर में रहना मुश्किल सा हो गया है। आने जाने वाले लोग मुंह पर कपड़ा डालकर चलने को मजबूर हैं। चुकी यह कुड़ा का पहाड़ एन एच 110 पर है। वही लोगों ने बताया कि यह

जो पहाड़ दिख रहे हैं, कोई पत्थर का नहीं अपितु कुड़ा का पहाड़ है,और इससे निकलने वाली धुआं जानलेवा।

वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि यहां से उठने वाली धुआं बभना तक प्रदुषित कर रहा है,तो सोचने वाली बात है कि इसके इर्द-गिर्द मकान में रहने वालों को जिदगी नरक से भी बद्तर है लोगो ने बताया की सुध ऑक्सीजन के लिए घर में ऑक्सीजन सिलेंडर खरीद कर घर में रखने को मजबूर हो गए है। वही उनलोगों ने कहा कि हमलोग 21 जून तक प्रशासन को मोहलत दी है, यदि कोई उपाय नहीं ढूंढा गया,तो बाध्य होकर धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया जाएगा।

प्रवासी कामगार की ओड़िसा के क्योंझर में मौत

जहानाबाद। मखदुमपुर प्रखंड के डकरा पंचायत के डकरा निवासी 31 वर्षीय मोहम्मद जावेद का उड़ीसा के क्योंझर जिले में एक सड़क हादसे में मृत्यु हो गया। मृतक लगभग 6 साल से वहां रहकर हाट बाजार में दुकान लगाकर कपड़ा बेचने का काम करता था। अपने घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। वहीं रहकर साथ में काम करने वाले मृतक के बहनोई नवाब आलम ने बताया की सोमवार शाम 5 बजे हाट बाजार से लौटने के क्रम में क्योंझर के पास टेंपो को ट्रक ने पीछे से धक्का मार दिया जिससे टेंपो पलट गया। जिसमे मोहम्मद जावेद की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। मृतक का शव परिजन एंबुलेंस से लेकर आज दोपहर में निकल चुके हैं। बुधवार सुबह गांव के कब्रिस्तान में मिट्टी दी जायेगी। वहीं मृतक के साथ रहे 2 अन्य लोग घायल हो गए जिनका इलाज वहीं चल रहा है और खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। दोनों घायल बेलागंज के रहने वाले हैं। 40 वर्षीय मो. औरंगजेब ऊज्जे व 38 वर्षीय मो. शमशेर पंचमहला के रहने वाले हैं। वहीं भाकपा माले जिला कमेटी सदस्य तारिक अनवर ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने राज्य सरकार से मृतक के परिजन को 10 लाख व घायलों को पांच पांच लाख रुपया सहायता राशि देने की मांग की है।

जंगीपुर पानी टंकी परिसर में हत्या कर ऑपरेटर का फेंका शव, हंगामा

- मृत युवक के गुस्साए परिजनों ने की पुलिस से नोंक-झोंक
- पुलिस कप्तान के समझाने पर परिजनों ने शव पुलिस को सौंपा

केटी न्यूज / गाजीपुर

नगर पंचायत जंगीपुर कार्यालय में ठेका बेस पर पानी टंकी में पंप आपरेटर के पद पर कार्य कर रहे कर्मचारी की हत्या कर शव पानी टंकी प्रांगण में फेंक दिया गया। भोर में नगर पंचायत के कर्मचारी गेट खोलने गए तो मृतक का शव देखकर होश उड़ गए। मौके पर पहुंचे आस-पास के लोगों ने मृत युवक की पहचान नीरज कुमार के रूप में की। मौके पर पहुंचे मृतक के माता -पिता और भाई दहाड़े मारकर रोने लगे। इस दौरान परिजन एवं पुलिस से नोंक-झोंक हुई। बाद में पुलिस कप्तान के पहुंचने पर मामला किसी तरह शांत हुआ।

घटना के बाद हत्या की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लेना चाहा, लेकिन परिवार के लोग पोस्टमार्टम के लिए शव नहीं जाने दिए और परिजन पुलिस से भिड़ गए। बाद में घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने परिजनों को समझा-बुझाकर घटना में शामिल अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजने का आश्वासन दिया। तब जाकर परिजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए तैयार हुए। बता दें कि नगर के वार्ड नंबर तीन निहाल नगर निवासी रमेश राम का दूसरा बेटा नीरज

कुमार- 24 नगर पंचायत कार्यालय में लखनऊ के निजी कंपनी द्वारा ठेके बेस पर पानी टंकी में पंप आपरेटर के तौर पर कार्य करता था।

सोमवार की रात बिरनो थाना क्षेत्र के किसी मुस्लिम साथी के घर बकरीद की दावत में गया था। उस दावत में उसके अन्य साथी भी गए हुए थे। दावत खत्म होने के बाद नीरज अपने दो पहिया वाहन से साथियों के साथ रात में लगभग साढ़े ग्यारह बजे पानी टंकी पर आया था और पानी टंकी में कार्यरत कर्मचारी से मिलकर अपने अन्य चार साथियों के साथ देवकठिया ढाबे पर गया था। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे गौशाला में काम कर रहे कर्मचारी ने जब पानी टंकी का गेट खोला तो वह मृत शरीर देखकर सन्न रह गया।

उसने मौके पर ही पानी टंकी परिसर में सो रहे अन्य कर्मचरियों को जगाया तो अंधेरे में किसी ने शव को पहचान नहीं पाया। पानी टंकी के बगल में ही नीरज का घर है। जब उसके छोटे भाई को बुलाया गया तो वह अपने भाई का शव देखकर रोने लगा। नीरज के सिर पर पीछे से वार कर मारा गया था। उसका पूरा कपड़ा खून से लथपत था। चीख पुकार सुनकर नीरज के परिजन सहित आस- पास के लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। नौजवान बेटे का मृत शरीर देखकर मां मीना देवी बेहोश हो गई। जबकि पिता रमेश का रो- रोकर बुरा हाल हो गया। मौके पर पहुंचे जंगीपुर थानाध्यक्ष अमित पांडेय ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा। इस पर परिजनों ने थानाध्यक्ष का विरोध कर दिया। मौके पर कई थानों की पुलिस पहुंच गई। घटना स्थल पर पहुचे पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने परिजनों से बातचीत कर समझा-बुझाकर आश्वासन दिया कि घटना में शामिल अभियुक्तों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस अधीक्षक की बात से सहमत होकर परिजनों ने शव पुलिस को पोस्टमार्टम के लिए दे दिया।

एक नजर

संक्रामक रोगों के गणितीय मॉडल पर शोध करेंगे पीजी कॉलेज के डॉ. हरेंद्र सिंह

गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरेंद्र सिंह को अनुसंधान और विकास योजना के अंतर्गत संक्रामक रोगों का गणितीय मॉडलिंग और उनके संख्यात्मक उपचार नामक विषय पर शोध के लिए यूपी सरकार द्वारा परियोजना प्रदान की गई है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत डॉ. हरेंद्र सिंह विभिन्न संक्रामक रोगों की गणितीय मॉडलिंग में शोध करेंगे और उनके विभिन्न मापदंडों का अध्ययन करेंगे। डॉ. हरेंद्र सिंह के विभिन्न रोग मॉडलिंग पर कोई शोध पत्र उच्च प्रभाव कारक वाले स्कोपस और एससीआई अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ० सिंह की रोगों की गणितीय मॉडलिंग पर तीन पुस्तकें अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक स्प्रिंगर, एल्सेवियर और टेलर और फ्रांसिस से प्रकाशित हैं। अगस्त में इनकी एक और किताब "मैथेमेटिकल मेथड्स इन मेडिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज", दुनिया के शीर्ष प्रकाशक एल्सेवियर से प्रकाशित होनी है। डॉ० सिंह के इन्हीं कार्यों के अनुभव को देखकर प्रदेश सरकार के द्वारा इन्हें अनुसंधान एवं विकास योजना के अंतर्गत यह प्रोजेक्ट मिला हुआ है। डॉ० सिंह ने बताया कि इस परियोजना के तहत प्राप्त धनराशि से शोध कार्य जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। अभी हाल ही में डॉ० सिंह को लेबनानी अमेरिकी विश्वविद्यालय और जयपुर मैथेमेटिकल सोसायटी के द्वार 'गणितीय मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त विश्लेषण और संगणना पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में "यंग डिस्टिंग्विश्ड रिसर्चर अवार्ड" से सम्मानित किया गया था। पीजी कॉलेज, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफे० (डॉ०) राघवेंद्र कुमार पांडेय ने इस शोध कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ० हरेन्द्र सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की महाविद्यालय में प्रोजेक्ट करने के लिए जो भी सुविधाएं आवश्यक होंगी, वे सभी सुविधाएं महाविद्यालय द्वारा प्रदान की जाएंगी।

करेंट की चपेट में आने से युवक की मौत

गाजीपुर। सेवराई तहसील क्षेत्र के गहमर थाना अंतर्गत बसुका मोड़ के समीप एक घर में ईद की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गई जब पंखे का तार ठीक करते समय करंट की जद में आने से एक युवक की मौत हो गई। आनन -फानन में परिजनों ने युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य भदौरा ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सेवराई तहसील के बसूका मोड़ निवासी एजाज अहमद -35 पुत्र यूसुफ पंचर की दुकान चलाता है। बकरीद के त्योहार में सभी लोग मशगूल थे इसी बीच घर का पंखा खराब हो गया था। जिसे ठीक करने के लिए एजाज मरम्मत करने लगा इसी दौरान तार में करंट प्रवाहित होने के कारण वह उसकी जद में आ गया। करंट लगने से और वही छटपटा कर गिर गया। आनन फानन में परिवार के लोगों ने किसी तरह लाठी से मारकर तार को उससे अलग किया और घायल एजाज को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूद चिकित्सकों ने एजाज को मृत घोषित कर दिया जिससे परिवार के सदस्यों में कोहराम मच गया। घर वालों ईद की खुशियां मातम में बदल गई। परिवार जनों ने उत्सव को घर ले जाकर उसका दाह संस्कार कर दिया।

बड़ा मंगल पर हनुमान मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

चंदौली। हिंदू धर्म में हनुमानजी की पूजा का विशेष महत्व है। उन्हें प्रसन्न करने के लिए मंगलवार का दिन सबसे शुभ माना जाता है। यदि यह

मंगलवार ज्येष्ठ माह में हो, तो इसकी महत्ता अधिक बढ़ जाती है। बता दें ज्येष्ठ माह में आने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहा जाता है।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह के मंगलवार को भगवान राम और हनुमानजी की पहली बार मुलाकात हुई थी। तभी से इस महीने में आने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। इस दिन बीर बजरंगी की पूजा करने से जीवन की सभी समस्याओं का निवारण होने लगता है।मान्यता है कि बड़े मंगल को हनुमानजी की विधिपूर्वक पूजा करने के साथ-साथ उनके प्रिय भोग भी लगाने चाहिए। इससे तरक्की के योग बनते हैं और कार्यों में सफलता मिलती है। चहनियां क्षेत्र के भलेहटा गाव स्थित हनुमान गढ़ी में मंशा के सानिध्य से सैकड़ों भक्तों द्वारा हनुमान जी का पूजा पाठ किया गया। पूजा पाठ के दौरान प्रिंस सिंह, मोहित सिंह (दादा), राज त्रिपाठी, आशु चौरसिया, सूरज त्रिपाठी, अमन त्रिपाठी, पुजारी जी सैकड़ों भक्तो ने हनुमान चालिसा, बजरंगबाण, सुन्दर काण्ड का पाठ कर लोगों में प्रसाद वितरण किया। पूरे दिन भक्तों का ताँता लगा रहा।

पुरानी रंजिश में हुई मारपीट, दो घायल

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कटेहरा गांव में पुरानी रंजिश को लेकर मंगलवार को दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें दो लोग घायल हो गए। घायल को उपचार के लिए सकलडीहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। पुलिस एक पक्ष की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। अलीनगर थाना क्षेत्र के कटेहरा गाव स्थित काली मंदिर से हनुमान पांडेय 35वर्ष व ऋषि विश्वकर्मा 37 वर्ष अपने घर जा रहे थे कि गांव की ओर से मंदिर की तरफ गांव के ही गोलू और भोलू जा रहे थे। इसी दौरान बीच रास्ते में ही हनुमान पांडेय से पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में तू तू मैं मैं होने लगी। देखते ही देखते विवाद मारपीट में तब्दील हो गया।

खबरें फटाफट

सस्ता आम दिलाने के नाम पर महिला के साथ किया बलात्कार

बैरिया। सस्ता आम दिलाने का वादा कर हल्दी थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता से एक युवक द्वारा

बलात्कार का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। पुलिस को दिए तहरीर में महिला ने बताया है कि अपने मोबाइल नंबर से फोन करके बैरिया थाना क्षेत्र के उपाध्यायपुर गांव निवासी अजीत कुमार यादव पुत्र हरेराम यादव ने बारह रुपये किलो सस्ता आम दिलाने की बात कह कर उसे बुलाया। बोला, आ जाओ तुम्हें आम की जरूरत है। आकर ले जाओ। मैं चिरैया मोड़ पहुंची, जहां से अजीत अपनी मोटरसाइकिल यूपी 60 यू 2273 पर बिठाकर मुझे एक बगीचे में ले गया और बगीचे में बने कमरे में जबरन दुष्कर्म किया। महिला जब मुक्त हुई तो 112 नंबर पर फोन कर पीआरबी वैन को बुलाया, तब तक आरोपी अपनी मोटरसाइकिल छोड़कर फरार हो गया। इस आशय की प्राथमिकी पीड़ित महिला द्वारा बैरिया थाने में दर्ज कराई गई। एसएचओ धर्मवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर धारा 376 आईपीसी के तहत न्यायालय भेज दिया।

एसोसिएशन के अध्यक्ष को दी श्रद्धांजलि गई

चंदौली। डीडीयू नगर रेलवे जंक्शन के सकुर्लेटिंग एरिया में संचालित ऑटो चालक एशोसिएशन के अध्यक्ष दयाराम यादव का लंबी बीमारी से निधन के बाद ऑटो चालकों ने उनके त्रयोदशाह संस्कार के मौके पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर भंडारे का आयोजन किया। दयाराम यादव 78 वर्ष के थे और अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा ऑटो चालकों के लिए संघर्ष करते हुए गुजार दिया। गुड्डू यादव नंबर टेकर, गुलाब यादव, इम्तियाज खान, पुष्पराज भारती, अशोक सोनकर, शिवनाथ गुप्ता पप्पू,पारस यादव समेत तमाम ऑटो चालक व स्थानीय लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

गाजीपुर डीएम ने बरसात को देखते हुए समीक्षात्मक बैठक कर दिए निर्देश

बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से समस्या के बारे में जानकारी लें अधिकारी

- शत- प्रतिशत हैंडपंपों को क्रियाशील रखते हुए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए अमृत सरोवार, पाइप पेयजल योजना रहे एक्टिव

केटी न्यूज/गाजीपुर

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में आगामी बरसात के मौसम में संभावित बाढ़ वे कटान से बचाव एवं सुरक्षा के दृष्टिगत बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

बाढ़ के लिहाज से जनपद में डीएम ने अतिसंवेदनशील व संवेदनशील गांवों के आस-पास के इलाकों में संभावित बाढ़ से पूर्व की गई तैयारियों की गहन समीक्षा करते हुए बांधों, बाढ़ चौकियों, आश्रय स्थलों, बाढ़ के दौरान फैलने वाली संक्रामक बीमारियों आदि के बारे में संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान अधिशासी अभियंता देवकली पंप कैनाल ने संभावित बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत अब तक की तैयारियों के बारे में अवगत कराया।

डीएम ने जनपद के तहसीलों के उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने सर्क्रिल में बाढ़ से बचाव के दृष्टिगत किए जा रहे प्रबंधों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थानीय लोगों से किसी भी संभावित समस्या के बारे में पहले से ही जानकारी प्राप्त कर इसका निस्तारण सुनिश्चित करा लिया जाए।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रों में शत- प्रतिशत हैंडपंपों को क्रियाशील रखते हुए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अमृत सरोवार, पाइप पेयजल योजना एक्टिव रहे। उन्होंने बाढ़ के दौरान किसी भी संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक और जीवन रक्षक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित रखने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी को दिए। कहा कि किसी भी आपदा एवं आपातकालीन स्थितियों में सहायक होने वाली वेबसाइट आईडीआरएन वेबसाइट जो भारत सरकार द्वारा सीधे मॉनिटरिंग की जाती है॥ उक्त पोर्टल से संबंधित डाटा प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में अपने आपरेटर को एनआईसी/ डीडीएम में भेजकर कर डीआईओ/ आपदा विशेषज्ञ के देख-रेख में ही फीड कराएं। आपदा विशेषज्ञ अशोक राय का मोबाइल नंबर 9451343388 है। जिलाधिकारी ने बाढ़ की संभावना से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों/तहसील में ग्रामीणों एवं उनके पशुओं को बाढ़ के दौरान व्यवस्थित किए जाने के लिए राहत कैंपों की स्थापना एवं संचालन से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा बिंदुवार संबंधित अधिकारियों से उनके जिम्मेदारियों एवं विभागीय कार्यो के विषय में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। राहत कैम्पों की स्थापना एवं संचालन के विषय में जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारी को राहत शिविरों की स्थापना एवं संचालन से संबंधित सभी विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वयता बनाए रखने का निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ एक आकस्मिक आपदा है। इसलिए इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए पहले से ही सभी बिंदुओं पर सतर्क दृष्टि बनाए रखा जाए।

उन्होंने राहत शिविरों में स्वच्छ पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा की व्यवस्था, क्लोरीन की गोली की उपलब्धता आदि से संबंधित बिन्दुओं पर संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने बाढ़ की सम्भावना से प्रभावित पशुओं के लिए कैम्प की व्यवस्था के साथ उचित देख-रेख, पशुओं के भूसा- चारे की व्यवस्था आदि से संबंधित बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ की स्थिति में विभिन्न प्रकार की संक्रमणों आदि की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए इससे बचाव के उपायों को पहले से ही सुनिश्चित कर लिया जाए तथा संक्रामक बीमारी को फैलने से रोकने के लिए आवश्यक और जीवन रक्षक दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में इस वर्ष लू का प्रकोप (हीट वेव) से बचाव एवं राहत के लिए कोल्ड रूम में ही लू से प्रभावित व्यक्तियों को रोकने की व्यस्था किया जाए।

लू के प्रकोप से बचाव के लिए क्या करें - क्या न करें से संबंधित जानकारियों का प्रचार-प्रसार करने सहित अन्य संबंधित विभाग द्वारा तैयार किए गए कार्य योजना पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आपदा विशेषज्ञ ने बताया कि मृत्यु का कारण लू होने पर सरकार द्वारा चार लाख की अहैतुक सहायता देय है। इसके लिए पोस्टमार्टम अवश्य कराया जाए इससे स्पष्ट हो सके कि मृत्यु का कारण लू ही है। मृत्यु का कारण स्पष्ट न होने की दशा में अहैतुक सहायता देय नहीं होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, संबन्धित उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बंजर भूमि पर हुए अतिक्रमण को किया गया ध्वस्त

केटी न्यूज/ चंदौली

सकलडीहा तहसील के खण्डवारी गांव में अवैध निर्माण पर मंगलवार को उपजिलाधिकारी सकलडीहा अनुपम मिश्रा ने जेसीबी चलवाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया । अतिक्रमण के कार्यवाही से अवैध अतिक्रमणकारियो में हड़कम्प मच गया । खण्डवारी गांव सभा मे गाटा संख्या 277 रकबा 0.093 हेक्टेयर भूमि बंजर के नाम से दर्ज है । जिसे जलजीवन मिशन के तहत पानी टँकी निर्माण के लिए आवंटित की गई थी । जिस पर पानी टंकी के लिए बोरिंग भी कर दिया गया , लेकिन उक्त जमीन पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया । जिसकी जानकारी होने पर एसडीएम सकलडीहा अनुपम मिश्रा ने राजस्व टीम को भेजकर मौका मुआयना कराया था । इसके बाद एसडीएम ने मंगलवार की दोपहर को राजस्व निरीक्षक सुनील कुमार, लेखपाल सुभाष,विजय यादव ,आलोक पाण्डेय,प्रधानपति सतीश गुप्ता व बलुआ फोर्स के साथ जेसीबी लेकर पहुँचे । राजस्व टीम ने पहले एसडीएम व प्रधानपति के मौजूदगी में नापी कराया ।जिसमे जो हिस्सा में अवैध निर्माण था उसे ढहा दिया । अतिक्रमण पर कार्यवाही के बाद अन्य कब्जाधारियों में हड़कम्प मच गया । इस संदर्भ में एसडीएम अनुपम मिश्रा ने बताया कि गांव सभा की सरकारी भूमि पर भू माफियाओं व प्लाटरो द्वारा अवैध कब्जा किया गया था । जो मुक्त कराया गया है । साथ ही और जमीनों को चिन्हित करते हुए उसको भी कब्जा मुक्त कराया जायेगा ।

एचटी तार की चपेट में आने से युवक की मौत

केटी न्यूज / रसड़ा। नगर के पश्चिम मुहल्ला में सोमवार की देर रात्रि हाईटेंशन तार की चपेट में आने से राज कुमार राम (24) पुत्र स्व सुरेश राम की मौत हो गई। मृतक रात्रि में लघुशंका के लिए जा रहा था, तभी घर के समीप गिरे विद्युत प्रवाहित हाईटेंशन तार में उलझकर वह गिर पड़ा। जिससे मौके ही उसकी मौत हो गई। भोर में उसकी मां ने देखा कि राज कुमार तार में फस कर गिरा हुआ है। उसकी मां ने शोर मचाई। आस पास के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। आनन-फानन में विद्युत आपूर्ति को बंद कराई गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक पांच भाइयों में सबसे छोटा था। एक भाई की एक वर्ष पूर्व ही मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी प्रिंयका की रोते बिलखते देख हर किसी की आखें नम हो जा रही थी। मृतक का तीन वर्ष का पुत्र है।

सीआरपीएफ एसआई की हीट वेव से मौत, 214 बटालियन जम्मू कश्मीर में थे तैनात

नम आंखों से दी गई जवान को अंतिम विदाई

- जवान का शव पैतृक गांव मिड्ढा पहुँचते ही मचा कोहराम
- 95 बटालियन वाराणसी के एसी समेत जवानों ने पुष्प गुच्छ चढ़ाकर किया नमन

केटी न्यूज/बलिया

फेफना थाना क्षेत्र के मिड्ढा गांव निवासी रामायण प्रसाद 55 वर्ष पुत्र स्व श्रीराम प्रसाद निवासी मिड्ढा थाना फेफना जिला बलिया की हीट वेव से वाराणसी स्टेशन पर रविवार को रात करीब एक बजे मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने परिजनों को घटना से अवगत कराया। जिसके बाद परिजन वाराणसी के लिए रवाना हो गए। जैसे ही सीआरपीएफ जवान का शव सोमवार की शाम गांव पहुंचा वैसे ही परिवार सहित आमजन की आंखे नम

हो गईं। इस दौरान सीआरपीएफ 95 बटालियन के असिस्टेंट कमांडर हनुमान प्रसाद, इंस्पेक्टर अमित कुमार तथा फेफना के सब इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने सीआरपीएफ जवान के शव पर पुष्प गुच्छ चढ़ाकर नमन किया।

मिली जानकारी के अनुसार फेफना थाना क्षेत्र के मिड्ढा गांव निवासी रामायण प्रसाद जम्मू-कश्मीर स्थित सीआरपीएफ 214 बटालियन में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात थे। जम्मू में हुए आतंकी हमले में ड्यूटी करने के बाद अवकाश लेकर अपने गांव आ रहे थे। जैसे ही ट्रेन लखनऊ पहुँची कि उनकी अचानक हीट वेव के कारण तबियत बिगड़ गई। जिसकी सूचना उन्होंने अपने घर वालों को दी। वह किसी तरह वाराणसी स्टेशन पर पहुँचे, जहां बेहोश होकर गिर गए। जिससे उनकी मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे लेकर उनके परिजनों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन वाराणसी के लिए रवाना हो गए। जहां से पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा पत्नी सहित पूरा परिवार दहाड़े मारकर रोने लगा।

भरा पूरा परिवार छोड़ गए पीछे

बलिया। मृतक के तीन पुत्र व एक पुत्री है। जिसमें से दो पुत्र व पुत्री की शादी कर चुके थे। जवान अपने तीन भाई व एक बहन में सबसे बड़े थे।

25,000 का इनामी अपराधी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

केटी न्यूज/गाजीपुर

जनपद के मुहम्मदाबाद कोतवाली अंतर्गत बीती रात वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायर कर भाग रहे एक शातिर व इनामी बदमाश को पुलिस टीम ने दौड़ा लिया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में घायल करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

बता दें कि अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बीती रात थानाध्यक्ष करीमुद्दीनपुर द्वारा पूर्वांचल अंडरपास के पास चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध मोटर साइकिल सवार पुलिस पार्टी को चकमा दे मोटरसाइकिल से मुहम्मदाबाद की तरफ भागने का प्रयास किया। उसके बारे में आरटी सेट से सूचना देकर पीछा किया गया। हाटा पुलिया से पहले ग्राम मानिकपुर जाने वाले मार्ग पर मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा उसकी घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया गया, तो भाग रहा बदमाश हड़बड़ी में मोटर साइकिल से फिसल कर गिर पड़ा। गिरने के पश्चात अपने को घिरता देख वह पुलिस टीम पर फायर करने लगा। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा किए गए जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया। उसी दौरान पुलिस ने घायल बदमाश को धर दबोचा। उसे प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक सुपर स्प्लेंडर बाइक, एक तमंचा, 315 बोर तथा तीन खोखा कारतूस व एक जिन्दा कारतूस .315 बोर तथा बीस हजार रुपए नकद बरामद किया है। घायल बदमाश सूरज शर्मा पुत्र विष्णु शर्मा निवासी निवासी बी 30/251 नगवा थाना लंका जनपद वाराणसी का निवासी है और गाजीपुर से रु 25,000 का इनामी है।

खुद को रखना है निरोग तो नियमित करें ध्यान और प्राणायामों का अभ्यास : अचल हरीमूर्ति

♦ व्यक्ति के भीतर अंतर्निहित शक्तियों को जागृत करता है योग : डॉ0 कमल

केटी न्यूज / जौनपुर

दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के योग सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर लोहिया पार्क में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति और आयुष विभाग के योग प्रशिक्षकों के द्वारा योगाभ्यास कराते हुए बताया गया, कि अष्टांग योग का पूर्णतः अनुपालन करते हुए प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से ध्यान और प्राणायामों का अभ्यास करते रहना चाहिए।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक और यूनानी अधिकारी डॉ कमल ने बताया की योग कि ऐसी प्रक्रियाओं के अभ्यासों से व्यक्ति के भीतर अंतर्निहित शक्तियों का पूर्णतः विकास होना शुरू हो जाता है। योग के क्रियात्मक अभ्यासों के पूर्व योग के मौलिक सिद्धांतों को बताते हुए हरीमूर्ति के द्वारा बताया गया, कि योग पूर्णतः विशुद्ध रूप से विज्ञान की कसौटी पर खरा उतरता है। इसलिए जब तक पूर्णतः सही और नियमित ढंग से योगाभ्यास नहीं किया जायेगा तब तक योग से अपेक्षित लाभ नहीं मिल सकता है। इसलिए योग के मौलिक सिद्धांतों के अनुसार ही इसके क्रियात्मक और सैद्धांतिक सिद्धांतो का अनुपालन अति आवश्यक होता है। श्वासोच्छवास पर नियन्त्रण ही मन, चित्त, चेतना और विचारों को सकारात्मक दिशा में बढ़ाता है। इसलिए लम्बे समय तक प्राणायामों का अभ्यास अति आवश्यक होता है। प्राणायामों के मार्ग से ही ध्यान तक पहुंचना आसान होता है।

खबरें फटाफट

रेल ट्रैक पर पड़ा रहा युवक का शव, गुजरती रही ट्रेनें

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के छितो गांव समीप रेल ट्रैक पर एक एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सुबह टहलने निकले लोगों की सूचना पर पहुँची सूचना रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान बिहार के कैमूर निवासी सोनू के रूप में हुई। घटना के बाबत परिजनों को सूचना दे दी गई है,लेकिन इस घटना रेल महकमें के सूचना तंत्र की पोल खोल दी। बताते हैं कि बिहार के कैमूर भभुआ जिला अंतर्गत बेलाव गांव का रहने वाला सोनू उम्र करीब 29 वर्ष गुजरात के वापी स्थित किसी कंपनी में प्राइवेट नौकरी करता था. सोनू छुट्टी लेकर ट्रेन से घर जा रहा था. करीब नौ बजे वह डीडीयू जंक्शन पहुँचा. उसके बाद लोकल ट्रेन के जरिये वह अपने घर जा रहा था। आशंका जताई जा रही है कि युवक ट्रेन के गेट पर बैठा था, अचानक नींद आने कारण युवक चलती ट्रेन से गिर गया और ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई. दोनों रेल ट्रैक के बीच उसका शव पड़ा।

50 लाख तथा उससे अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

मऊ। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे 50 लाख तथा उससे अधिक लागत के निर्माण कार्यों की परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। वर्तमान में जनपद में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु कुल 9 कार्यकारी संस्थाओं द्वारा 44 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग प्रांतीय एवं निर्माण खंड द्वारा विभिन्न सड़कों एवं सेतुओ का भी निर्माण कार्य किया जा रहा है। यूपीपीसीएल एवं सीएनडीएस तथा उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम लिमिटेड के कई परियोजनाओं में धनाभाव के कारण निर्धारित अवधि के उपरांत भी परियोजनाएं पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी ने तत्काल इस संबंध में शासन द्वारा पत्राचार कर धन आवंटन कराते हुए परियोजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वाराणसी का बुरा हाल: सीएमओ आफिस के रिकार्ड में हीट स्ट्रोक के 446 मरीज हुए हैं भर्ती

गर्मी ने मचाया हाहाकार : 24 घंटे में 34 मौतें अस्पतालों की इमरजेंसी व ओपीडी फुल

♦ अस्पताल में सबसे ज्यादा पहुंच रहे ब्लड प्रेशर के मरीज
♦ मंडलीय अस्पताल में 170 व जिला अस्पताल में 93 मरीज भर्ती

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी में भीषण गर्मी के चलते लोगों का हाल बेहाल है। जिले में 24 घंटों में 34 लोगों की मौत हुई। अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों की कतार लगी है। वहीं, मंडलीय अस्पताल में इसकी वजह से 107 और जिला अस्पताल में 93 नए मरीजों को भर्ती कराया गया। काशी विश्वनाथ धाम में 1 सुरक्षाकर्मी चार श्रद्धालु अचेत हो गए। जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। सीएमओ आफिस के रिकार्ड में पूरे जनपद में हीट स्ट्रोक के 446 मरीज भर्ती हुए हैं। इधर, मौत के बाद शिवपुर पोस्टमॉर्टम हाउस कुल 35 शव पहुंचे। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत के कारणों की पुष्टि होगी। अस्पतालों की ओपीडी और इमरजेंसी में पिछले एक सप्ताह से मरीजों की संख्या कम नहीं हो रही है। इसमें बड़ों के साथ ही बच्चे भी पहुंच रहे हैं, जिनकी तबीयत बिगड़ रही है। डॉक्टरों के अनुसार सबसे अधिक खतरा उन लोगों को हैं, जो पहले से हृदय रोगी हैं और बीपी की दवा चल रही है। जिला अस्पताल के सीएमओ डॉ एसपी सिंह ने का कहना है कि गर्मी की वजह से ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो जाता है। सामान्य तौर पर ओपीडी में भी 50 साल से अधिक उम्र वाले 20 से 30 लोग आ रहे हैं, जिनका ब्लड प्रेशर 150 से अधिक मिल रहा है जबकि स्वस्थ व्यक्ति के लिए यह 130/80 होना चाहिए। एसआईसी डॉ. एसपी सिंह का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से हर दिन ओपीडी, इमरजेंसी मिलाकर 1200 से अधिक मरीज आ रहे हैं। इसमें 300 से 400 लोग उल्टी-दस्त, सिरदर्द, बेहोशी, तेज बुखार, बेचैनी आदि की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं।

बंद खदान में नहाने गई विवाहिता की डूबने से मौत

केटी न्यूज/सोनभद्र

सोनभद्र में सोमवार देर शाम बंद पड़ी खदान में नहाने गई युवती की डूबने से मौत हो गई। जब तक लोगों को पता चला अंधेरा हो गया था, रात में ही पुलिस ने लोगों की सहायता से शव को पानी से निकलवाया और मंगलवार की सुबह पंचनामा कर शव पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। मामला रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के सुकृत गांव में फकीरान बस्ती का है। मृतका की पहचान प्रतिमा (20) पत्नी बहादुर कोल के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजन ने बताया कि प्रतिमा अपनी छोटी ननद मनीता के साथ बंद पड़े पानी से भरे खदान में नहाने के लिए गई थी। नहाने के बाद वापसी में पुनः पैर धोने के लिये पानी के पास गई, पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी मे चली गई। मनीता ने जब तक शोर मचा कर सहायता के लिए लोगों को बुलाया तब तक देर हो चुकी थी। स्थानी लोगों की मदद से उसे खोजने का काफी प्रयास किया गया इसके बाद सुकृत पुलिस को सूचना दी गई। रात करीब साढ़े दस बजे शव को पानी से बाहर निकलवाया गया। सुकृत चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार ने बताया कि सोमवार की देर रात में महिला नहाने के लिए बंद पड़े खदान में नहाने के लिए गई थी पैर फिसलने से वह पानी के अंदर चली गई शव को देर रात में निकाला गया और उसे आज पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

बिजली चोरी करने वालों की शामत आज से होगी ताबड़तोड़ छापेमारी

केटी न्यूज / बलिया

नगर क्षेत्र में हो रही बंपर बिजली चोरी

हाई लाइन लॉस वाले फीडरों में विद्युत वितरण खंड द्वितीय के तीन विद्युत उपकेंद्र भी शामिल हैं। इनमें नगर के अलावा सुखपुरा और चितबड़ागांव शामिल हैं। नगरीय क्षेत्र के इन फीडरों में भी 87 से लेकर 90 फीसदी तक लाइन लॉस हो रहा है।

क्या बोले एक्सईएन

विद्युत वितरण खंड द्वितीय के एक्सईएन नरेंद्र प्रकाश ने बताया कि जिले में बिजली चोरी रोकने के लिए हाई लाइन लॉस वाले 33 फीडर चिह्नित किए गए हैं। इन फीडरों से संबंधित इलाकों में बुधवार से कार्रवाई तेज की जाएगी। जो भी बिजली चोरी, विधा के विपरीत या लोड से अधिक बिजली प्रयोग करता मिलेगा, उस पर कार्रवाई होगी। अब तक बिजली चोरी के मामले में 13 एफआईआर दर्ज हुई हैं।

भीषण गर्मी में बिजली की खपत बढ़ने के कारण लो-वोल्टेज की समस्या खड़ी हो गई है। बिजली की लाइनें भी ओवरलोड हैं। आए दिन कहीं न कहीं फॉल्ट आ रहे हैं। इससे निपटने के लिए विद्युत निगम ने हाईलाइन लॉस वाले करीब 33 फीडर चिह्नित किए हैं। इन फीडरों से बड़े पैमाने पर बिजली चोरी की संभावना है, जिस पर अंकुश लगाने के लिए महकमा अभियान चलाने जा रहा है। उधर, अब तक चोरी छिपे एसी चलाने और कनेक्शन से अधिक बिजली का उपभोग करने पर 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसके अलावा बुधवार से चिह्नित इलाकों में छापा मारा जाएगा। जिले में बिजली के करीब 3.58 लाख कनेक्शन धारक हैं। 11 सब डिविजन के 11 केवी वाले 50 फीडरों से इन्हें बिजली की आपूर्ति की जाती है। जिले में बड़े पैमाने पर लोग बिजली चोरी भी कर रहे हैं। इससे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था बिगड़ गई है। निगम को जहां ज्यादा नुकसान हो रहा है, वहीं उपभोक्ताओं को भी लो-वोल्टेज, कटौती आदि दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। इसी को देखते हुए पॉवर कारपोरेशन ने सबसे अधिक घाटे वाले 33 फीडरों को चिह्नित कर हाई लाइन लॉस की सूची में डाल दिया है। इसी के साथ फीडरों से जुड़े करीब एक लाख उपभोक्ता भी विभाग के निशाने पर आ गए हैं। अब इन फीडरों से जुड़े इलाकों में छापा मारने का अभियान चलाएगा। बिजली चोरी करने वालों पर कार्रवाई होगी। अफसरों का मानना है कि इस अभियान से जिले में बिजली की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी।

बदलती दिनचर्या से स्वास्थ्य खतरे में : डॉ. शारदा द्विवेदी

केटी न्यूज/जौनपुर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में योग सप्ताह मनाए जाने के क्रम में व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग, अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं उमा नाथ सिंह मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को आधुनिक जीवनशैली जनित रोगों के लक्षण एवं इसके बचाव के यौगिक समाधान विषयक एक दिवसीय सेमिनार में मुख्य वक्ता, वरिष्ठ योग प्रशिक्षिका आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलूर कर्नाटका से डॉ. शारदा द्विवेदी ने योग के महत्व को विस्तार से बताया।

डॉ. द्विवेदी ने शरीर को मन और आत्मा से जोड़ते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। वर्तमान जीवन शैली और प्रकृति को एक साथ जोड़ते हुए जीवनशैली का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव कैसे पड़ता है, इसके बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। डॉ.द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान समय में बदलती हुई दिनचर्या बिगड़ते हुए स्वास्थ्य का कारण है। उन्होंने अपने व्याख्यान में जीवन को एक उत्सव के रूप में जीने की कला को बताया।

कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता के रूप में विश्वविद्यालय के प्रो. वी.डी. शर्मा ने कहा कि योग लोगों को आपस में जोड़ता है। योग से कार्य की कुशलता आती है। उन्होंने योग और प्रकृति के संबंध पर विस्तृत प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि योग करने से कार्य कुशलता आती है, योग शारीरिक स्वास्थ के साथ ही साथ मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने और प्रसन्न रखने का निशुल्क साधन है। जीवन जीने की कला को ही योग कहा जाता है। कुलपति ने कहा कि आने वाली पीढ़ी कैसी होगी और आने वाला भारत कैसा होगा, यह वर्तमान भारत को निर्धारित करना होगा। 21 जून को मनाया जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में सभी लोग अधिक से अधिक प्रतिभागी करें । कार्यक्रम में प्रो. बी.बी. तिवारी, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. नीतिश जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे। संचालन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के समन्वयक एवं सेमिनार के संयोजक डॉ.मनोज कुमार पाण्डेय ने और धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. दिव्येंदु मिश्रा ने किया।

ससुराल में युवक का पेड़ पर लटकता मिला शव

सोनभद्र । बभनी थाना क्षेत्र के ग्राम सागोंबाध के जिगन टोला निवासी बुद्धि नारायन गोंड़ पुत्र मनराज गोड़ ने पेड़ पर फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर लिया। ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुद्धि नारायन गोड़ सोमवार को अपनी ससुराल तारकेश्वर पुर गया था। मृतक के साले जीत सिंह ने बताया कि सभी लोग सोमवार खाना खाने बाद सोने जले गये। रात पता नहीं कब बुद्धि नारायन गोड़ उठ कर चला गया। सुबह पता चला कि बुद्धि नारायन गोड़ ने नदी के पास गमछे से पेड़ पर फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर लिया है। सूचना मिलते हैं घर के लोग मौके पर पहुंच गये और फूट फूट रोने लगे। चीख पुकार सुनकर आप पास के लोग पहुंच गये। पिता ने घटना की सूचना तत्काल बभनी पुलिस को दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया।

108 एम्बुलेंस का डग्गेमार वाहन की तरह सवारी ढोने का वीडियो वायरल

जौनपुर। बरसठी विकासखंड के दंताव गांव में यात्रियों से भारी एंबुलेंस गांव में पहुंची जिसका कुछ ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। एंबुलेंस यात्रियों को लेकर बरसठी के दंताव गांव में झाड़ फूंक करवाने के लिए महिलाओं और पुरुषों को लेकर आई है। जिसमे कुलचार महिलाएं है और साथ में वाहन से उतरते दो पुरुष जो की पीछे गेट से बाहर आते दिखाई पड़ रहे है। गांव के लोगो से दूरभाष पर बात करते हुए पता चला की यह एंबुलेंस किसी मरीज को नही बल्कि किराए पर यात्रियों को ढोने का काम कर रही और लेकर आई है।

15 जिलों में गो संरक्षण केंद्रों का सीएम योगी की मंशा अनुसार होगा विकास

44 गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास पर योगी सरकार का फोकस

♦ पशुपालन विभाग द्वारा शुरू की गई तैयारियां, 5.28 लाख रुपए के जरिए गो संरक्षण केंद्रों का होगा कायाकल्प
♦ प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार का नया कदम कई मायनों में होगा विशिष्ट

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्ध है। प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए सीएम योगी की मंशा अनुरूप कई प्रयास किए जा रहे हैं। अब इसी कड़ी में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 44 गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा पशुधन विभाग को आदेश जारी किया गया है तथा 5.28 लाख रुपए की धनराशि व्यय से 15 जिलों में गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

इन स्थानों पर हो रहा है गोवंश संरक्षण स्थलों का निर्माण

इस प्रक्रिया के अंतर्गत प्रत्येक गौ संरक्षण केंद्रों को 12 हजार रुपए की धनराशि व्यय से निर्मित व विकसित किया जाएगा। इस क्रम में बरेली के अनिरुद्धपुर, मउचंदपुर, सिकोड़ा, अंबरपुर, करतौली, मानपुर अहियापुर, चुरई दलपतपुर, बांसबोझ, महेशपुर शिव सिंह और शेखापुर में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। इसी प्रकार, उन्नाव के तौरा, टिकरा सामद, छूलामऊ, कोंथा व देवमई में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। वहीं, शआहजहांपुर के शहबाजनगर, धुसगवां, बागपत के बिजवाड़ा, काकौर, अगला अगरी, लखीमपुर खीरी के कादीपुर, जालौन के नुनबई व गुजराजपुर, कासगंत के नादरमई व मथुरा के बढ़ौता में भी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, सम्भल के साकिन शोभापुर मुनजब्ता, एचौली व निरयावली, रायबरेली के बन्नांवा, अमेठी के दक्खिनगांव, कोरारी लच्छनशाह, खारा व टीकरमाफी, हरदोई के बरेला कमालपुर, कुरसेली व उचवल, फतेहपुर के जरौली व भादर, मुरादाबाद के मोहम्मदपुर मनसुख, रायपुर खुर्द व राजपुर मिलक तथा आगरा के खेड़ी अड़ू व कुर्रा चित्तरपुर में में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा।

सुभाषितम्

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं। - हितोपदेश

परिपक्व नेता बनकर उभर रहे है राहुल गांधी !

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

जब से इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में मजबूती हासिल की है,तब से राहुल गांधी एक परिपक्व नेता के रूप में उभरे है।कांग्रेस को बचाये रखने में राहुल गांधी का बड़ा योगदान है।अकेले दम पर चार हजार किमी की पदयात्रा कर असली भारत को जानने में सफल रहे राहुल ने उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ और देशभर में इंडिया गठबंधन का अग्रणी हिस्सा बनकर कर मोदी सरकार को सीधे सीधे चुनौती दी ,जिसमे कांग्रेस राहुल गांधी व अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकताओं की मेहनत की बदौलत 99 लोकसभा सीटे पाने में कामयाब हुए,जो अब 102 तक पहुंच चुकी है,जबकि इंडिया गठबंधन का आकंड़ा 234 पर रहा, जो अब कांग्रेस के तीन सांसद बढ़ने से 237 पर जा पहुंचा है।हालांकि अपने बयानों जैसे मोदी सरनेम पर टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने और 2 साल की सजा मिलने के एक दिन बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी खत्म कर दी गई थी।लेकिन उन्होंने हार नही मानी और दोगुनी मजबूती के साथ रायबरेली व वायनाड सीटे जीत कर आए। लोकसभा चुनाव से पूर्व तत्कालीन मोदी सरकार द्वारा विपक्ष के नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जाता रहा है। लेकिन सच यह भी है कि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने के बाद ही विपक्षी दलों की केंद्र के खिलाफ एकजुटता और मजबूत हो गई थी। उसी दौर में दिल्ली के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया की गिरफ्तारी हुई तो विपक्ष ज्यादा मुखर नही हुआ था।इसी तरह से लालू यादव परिवार के खिलाफ ईडी और सीबीआई की कार्रवाई पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक सीधे-सीधे कुछ कहने से बचते रहे।नीतीश कुमार तो तभी पलटी मानकर इंडिया गठबंधन छोड़कर एनडीए से जा मिले थे और अब एनडीए घटल के सदस्य होने के कारण सत्ता सुख भोग रहे है। उस समय राहुल गांधी की सदस्यता खत्म किए जाने पर कांग्रेस के अलावा दूसरी विपक्षी पार्टियों ने एक सुर में मोदी सरकार पर हमला बोला था।शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे राहुल गांधी के साथ हुई घटना को लोकतंत्र की हत्या ठहरा रहे थे तो ममता बनर्जी बीजेपी पर संवैधानिक लोकतंत्र को नए गर्त में ले जाने का आरोप लगा रही थी। सबसे तल्ख तेवर तो आम आदमी पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल के थे, जिन्होंने दिल्ली विधानसभा में बोलते हुए कहा था कि 12वीं पास पीएम का अहंकार सातवें आसमान पर है। इस तरह, अलग-अलग मोर्चों, क्षेत्रीय समीकरणों की वजह से छिन्न-भिन्न दिख रही विपक्षी एकजुटता को लोकसभा चुनाव से पहले नई जान मिल गई थी। राहुल गांधी के मामले ने सरकार के खिलाफ विपक्ष को एकजुट होने के लिए बड़ा मुद्दा दे दिया था।राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने से कांग्रेस को सहानुभूति का लाभ मिला था,जो लोकसभा चुनाव तक बरकरार रहा। कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को भुनाने में कोई कोर कसर नहीं छोडी। राहुल गांधी को अपील कोर्ट से राहत मिलने के बाद ही उनके पक्ष में सहानुभूति की लहर देखने को मिली है। इसका सबसे सबसे बढ़िया उदाहरण 2021 का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव है। तब नंदीग्राम में लोगों से मिलने के दौरान ममता बनर्जी के पैरे में चोट लग गई थी। उसके बाद ममता दीदी व्हील चेयर पर बैठकर प्लास्टर चढ़े पैर और खेला होबे नारे के साथ प्रचार अभियान में उतरी तो चुनावी फिजा ही बदल गई। सहानुभूति लहर के सहारे टीएमसी न सिर्फ सत्ता बचाने में कामयाब हुई बल्कि बीजेपी को 2 अंकों तक समेट दिया। उस चुनाव में ममता बनर्जी के पक्ष में कहीं न कहीं सहानुभूति फैक्टर काम किया था,जो लोकसभा चुनाव तक प्रभावी रहा।राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को जन सहानुभूति का हथियार बनाने की कोशिश में कोई कोर-कसर नहीं छोडी थी।राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने से बिखरा हुआ विपक्ष न सिर्फ मजबूती से मोदी सरकार के खिलाफ लामबंद हो गया था, बल्कि ये मुद्दा कांग्रेस के पक्ष में जन सहानुभूति की लहर भी पैदा कर गया। बीजेपी को भी पता था कि कांग्रेस इस मुद्दे पर जनता की सहानुभूति हासिल करने की हर मुमकिन कोशिश करेगी । इसीलिए उसने उसे कांउटर करने के लिए ओबीसी कार्ड खेलने की कोशिश की थी। लोक-प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के तहत अगर किसी नेता को दो साल या इससे ज्यादा की सजा सुनाई जाती है तो उसे सजा होने के दिन से उसकी अवधि पूरी होने के बाद आगे छह वर्षों तक चुनाव लड़ने पर रोक का प्रावधान है। अगर कोई विधायक या सांसद है तो सजा होने पर वह अयोग्य ठहरा दिया जाता है। उसे अपनी विधायकी या सांसदी छोड़नी पड़ती है। इसी नियम के तहत राहुल की सदस्यता चली गई। सूरत की जिस अदालत ने राहुल को सजा सुनाई है, उस अदालत ने राहुल गांधी को फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए एक महीने का समय दिया था। तब तक राहुल गांधी की सजा पर रोक रही। मतलब वह इस दौरान जेल जाने से बचे रहे।सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार, ऐसे मामलों में सजा निलंबित होने का मतलब दोषी को केवल जेल जाने से राहत मिलती है लेकिन सजा के अन्य असर प्रभावी रहेंगे। जैसे कि अगर कोई संसद या विधानसभा का सदस्य है तो उसकी सदस्यता चली जाएगी, वोट देने का अधिकार भी खत्म हो जाएगा। चूंकि कोर्ट ने राहुल को दोषी करार कर दिया । इसलिए नियम के अनुसार राहुल की सदस्यता चली गई थी। जिस न्यायालय ने सजा सुनाई थी,जब उसी ने सजा को अपील समय तक यानि एक माह तक के लिए सजा को निलंबित किया तो संसद सदस्यता समाप्त करने के लिए भी एक माह का इंतजार किया जा सकता था,जो संसद ने नही किया और उनकी सदस्यता समाप्त कर दी थी। आमतौर पर अदालतें जब किसी व्यक्ति को सजा सुनाती हैं और अगर सजा मामूली है और संज्ञेय अपराध नहीं है तो उसको अगली शीर्ष अदालत में अपील के लिए जो समय दे दिया जाता हैं, उस अवधि के लिए उसके द्वारा तय जमानत राशि देने पर जमानत दे दी जाती हैं।जब अदालत को जमानत राशि तय करनी होती है तो वह कई बातों पर विचार करती है।जैसे अपराध या सजा की स्थिति की कितनी गंभीर है। वही जिसे जमानत दी जा रही है, उसकी स्थिति क्या है। उसके लिए कितनी जमानत की राशि उपयुक्त रहेगी। कई बार ये जमानत राशि व्यक्ति की हैसियत देखकर भी तय होती है।जमानत की ऊपर की स्थितियों में बताई गई जमानत की राशि अदालत या जज के विवेक पर तय होता है।अदालत यह फैसला करती है कि जिस व्यक्ति को जमानत दी जा रही है, उसे कितनी जमानत की राशि देनी चाहिए, ये व्यक्ति की हैसियत के साथ उसके अपराध और सजा की प्रवृत्ति पर भी निर्भर करता है।राहुल गांधी को संसद से अयोग्य करार दिया जाना कांग्रेस पार्टी के के लिए बड़ा झटका था।क्योंकि इसके बाद वे रिप्रजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट 1951 के तहत 8 साल तक वे चुनाव न लड़ पाते लेकिन शीर्ष अदालत ने राहुल गांधी को इन सब संकटो से पार कर दिया। आपातकाल के समय भी इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा था।सीबीआई ने उन्हें अपनी कस्टडी में लिया था।

बिजली चोरी रोकने करोडों बिजली उपभोक्ताओं के यहां लगेंगे स्मार्ट मीटर

केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के अंतर्गत सभी राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने की मुहिम शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत बिजली कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं को सुरक्षा निधि जमा नहीं करनी पड़ेगी।पहले जो सुरक्षा राशि बिजली कंपनियों में जमा है, उस राशि को स्मार्ट मीटर मैं टेरिफ के साथ समयोजित कर दी जाएगी। घरेलू एवं वाणिज्य बिजली उपभोक्ताओं के लिए बिल में 25 पैसे प्रति यूनिट की छूट उपभोक्ताओं को दी जाएगी। जिन उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगेंगे। उन्हें विभिन्न प्रभारों से भी छूट मिलेगी। प्रत्येक रिचार्ज पर बिजली कंपनी द्वारा छूट भी दी जाएगी। मीटर में बैलेंस खत्म होने के बाद 3 दिन तक बिजली की आपूर्ति जारी रहेगी। स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट के माध्यम से केंद्र सरकार ने राज्यों में बिजली चोरी रोकने के लिए यह योजना लागू की है। इसके लिए मोबाइल ऐप भी शुरू किया जा रहा है। सर्वेक्षण के दौरान जीपीएस की लोकेशन और सर्विस लाइन इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की जाएगी। स्मार्ट मीटर में हर 15 मिनट में विद्युत भार की जानकारी भी उपभोक्ता को प्राप्त होगी। भविष्य में सोलर रूफटॉप कनेक्शन लेने पर मीटर और मॉडेम खरीदने की जरूरत नहीं होगी। देश के सभी राज्यों में चयनित जिलों में यह योजना शुरू कर दी गई है। प्रत्येक राज्य की बिजली कंपनियों में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी हो रही है।बिजली की लागत और बिजली बिलों से होने वाली आय का अंतर बड़े नुकसान के रूप में बिजली कंपनियों को हो रहा है। पिछले कई दशकों से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने खरबों रुपए की बिजली के उत्पादन, विक्रय के नुकसान और बिजली चोरी रोकने के लिए खर्च किए गए।लेकिन इसका कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। बिजली चोरी रोकने के लिए पहले इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए। अब स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। मीटर का गोरख धंधा पिछले 30 सालों से चल रहा है। पिछले एक दशक में मोबाइल रिचार्ज कराने की आदत मोबाइल उपभोक्ताओं की बन चुकी है। उसी तर्ज पर अब बिजली के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के यहां लगाए जाएंगे।बिजली कंपनियों के पोर्टल से स्मार्ट मीटर को नियंत्रित किया जाएगा। अब बिजली उपभोक्ताओं को बिजली खर्च करने के पहले अपनी जरूरत के अनुसार राशि से मीटर को चार्ज करना होगा। तभी उन्हें घर और ऑफिस में बिजली मिल पाएगी। स्मार्ट मीटर को लेकर जनता की क्रिया प्रतिक्रिया क्या होती है, इसे भविष्य में ही जाना जा सकता है। बिजली कंपनियों के भ्रष्टाचार की कोई पराकाष्ठा नहीं है। कोयले की खपत, कोयले की चोरी, आइल की चोरी, बिजली का उत्पादन, ट्रांसमिशन लाइनों में भारी नुकसान, पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है।इसको रोकने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और बिजली कंपनियों ने पिछले कई दशकों में अरबो रुपए खर्च कर लाइन लास और बिजली चोरी रोकने का प्रयास किया है। लेकिन इसमें कोई सफलता नहीं मिली। स्मार्ट मीटर की गाज केवल गरीबों पर गिरेगी, या इसका असर अमीरों पर भी पड़ेगा।वर्तमान स्थिति में यह कहना मुश्किल है। जो भी नियम कायदे कानून और व्यवस्थाएं बनती हैं। वह गरीब और मध्यम वर्ग के लिए होती हैं। उद्योग समूह और बड़े-बड़े लोगों के लिए अलग कानून और अलग सुविधायें होती हैं। सरकार स्मार्ट मीटर के फायदे जरूर बता रही है। इसका फायदा किस रूप में किसको होगा। इसका पता भविष्य में ही चल पाएगा। परिवर्तन के साथ स्मार्ट मीटर एक अच्छी व्यवस्था है। इसके साथ-साथ बिजली की दरें कम हों। बिजली कम्पनियों के भ्रष्टाचार पर रोक लगे। इसके उपाय भी समय रहते शुरू होने चाहिए। तभी इसके सार्थक परिणाम देखने को मिलेंगे।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- कहते हैं कि अच्छी वस्तु का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ? पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार- बार टोकने लगा-पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए। यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा-महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

- ललित गर्ग

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है। लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफ से ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं। भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है। दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट ह्यटाइम टू केयरह्ल में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है।

आधुनिक भारत के सच्चे निमार्ता कौन है

-विनोद तकियावाला

विश्व के सबसे बड़े व प्राचीन प्रजातंत्र भारत में इन दिनों एक बहस की शुरूआ हो गयी आधुनिक भारत के निंमाता स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु जी है या कोई और है।आधुनिक भारत के निमार्ता का सरताज का असली हकदार नेहरू जी ना हो कर-सन 2014 के बाद में ही भारत को आजादी मिली व आधुनिक भारत का नव निर्माण कार्य शुरू किया है।सर्व विदित रहे कि स्वतंत्र लोकतंत्र की स्वस्थ्य प्रम्पराओ में स्वस्थ्य चर्चा होना अच्छी बात है।लेकिन बिना सिर पैर के कही,कुछ भी चर्चा के नाम बहस करना है लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।भारत को 1947 में आजादी नही मिली बल्कि 2014 में भाजपा के कुशल नेतृत्व में मिली है।आज हम अपने इस आलेख में चिन्तन मनन कर रहें है।क्या जो देश सदीयों से गुलामी के बेड़ियो म जकड़े था।वर्षो रहने के बाद आखिरकार हमारा देश स्वतंत्र हुआ।यह जग जाहिर था हमारी वास्तविक स्थिति राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर क्या रही होगी !आजादी के पूर्व कुछ लोग आज भी साक्षी है।अंग्रेजो ने हमें आजादी तो दी,लैकिन देश को चलाने के लिए ना तो कोई संसाधन ना कोई धन का श्रोत।हाँ1947 में हमारे देश को दो टुकड़े कर अंग्रेजो ने दो भाई में एक दुशमनी की दीवार खड़ी कर दी।ऐसे में तत्कालीन प्रधानमंत्री व राजनेताओ के समाने देश को सुचारू रूप से चलाने व भारत की एक नई पहचान अन्तराष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कोई आसान काम नही था।ऐसे विषय परिस्थित में मै यहाँ कुछ घटनाओं का उल्लेख कर रहा हूँ । बात सन 1950 के दशक के आखिरी साल थे।स्वतंत्र भारत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू चाहते थे कि देश की राजधानी नई दिल्ली के मध्य में विदेशी दूतावासों तथा उच्चायोगों के लिए जगह निकाला जाए।आप को स्पष्ट कर दें कि उस समय अमेरिकी,ब्रिटिश, पाकिस्तान वगैरह देशों के दूतावास बंगलों या छोटी जगहों से चल रहे थे।इसके बाद शहरी विकास मंत्रालय तथा नई दिल्ली नगर परिषद(ठ्उ्टउ) ने नेहरू जी के सपनों को साकार करते हुए जगहों को विकसित किया जिसे चाणक्यपुरी के नाम से लगा।यह नाम स्वयं नेहरू जी ने खुद चाणक्यपुरी नाम तय किया था।इसके पीछे पं० नेहरू की गहन सोच थी कि कूटनीति, अर्थनीति,राजनीति के महाविद्वान थें जिन्होने अपने ज्ञान का सदुपयोग,जनकल्याण तथा अखंड भारत के निर्माण जैसे सृजनात्मक कार्यो में करने के कारण चाणक्य के प्रति सारा देश कृतज्ञ रहता है।उन्हें ही कौटिल्य भी कहा गया।आप को स्पष्ट कर दे कि चाणक्य और कौटिल्य दोनों एक हैं।जो चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रधान सलाहकार थे। राजधानी के इसी डिप्लोमेटिक एरिया चाणक्यपुरी की एक खास सड़क का नाम पंचशील मार्ग रखा गया है।इसके पीछे तर्क यह थी कि भारत-चीन के बीच रहने वाली तनातनी के चलते पंचशील शब्द बेमानी हो गया है।लैकिन इन दोनों देशों ने विश्व कूटनीति को पंचशील का सिद्धांत दिया।पंचशील मार्ग 1960 में दिल्ली के नक्शे में आया था।पंचशील शब्द मूलतः बौद्ध साहित्य व दर्शन से जुड़ा शब्द है।चौथी-पांचवी शताब्दी के बौद्ध दार्शनिक बुद्धघोष की पुस्तक विशुद्धमाग्गो में पंचशील मतलब,पांच व्यवहार की विस्तृत चर्चा है जिस पर बौद्ध उपासकों को अनुसरण करने की हिदायत दी गई है।

आज का राशिफल

मेष आज आर्थिक लाभ होगा और ऑफिस में आपकी बात को पूरी तवज्जो दी जाएगी।

वृषभ अतिरिक्त कार्यभार दिया जा सकता है। ऑफिस में आपके काम को काफी तवजजो मिलेगी।

मिथुन आज खास लाभ होगा और आज आपको कुछ जरूरी काम सौंपे जा सकते हैं।

कर्क आज दिन सफलता से भरा होगा और सभी कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण हो जाएंगे।

सिंह राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। आप अपने सभी दायित्व को पूरा कर पाएंगे।

कन्या आज का दिन सच्चाई और सतर्कता से भरा होगा और आपको पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी।

तुला लाभ होगा,आपके लिए शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि से भरा होगा।

वृश्चिक दिन शुभ है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु आज आपका गृहोपयोगी वस्तुओं पर खर्च होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने से हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में बेहतर होगी।

कुंभ कुछ बड़े खर्च आपको करने पड़ सकते हैं। भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

मीन आपका जीवन आनन्द में बीतेगा। पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है।

विशेष

फिर एक रेल दुर्घटना, पिछले साल सैकड़ों यात्रियों की हुई थी मौत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्री बना दिया है। सूचना प्रसारण जैसा अहम मंत्रालय मोदी जी ने दे दिया है। निश्चित रूप से कुछ सोचकर ही दिया होगा। पिछले एक बरस में जितनी गंभीर रेल दुर्घटनाएं हुई हैं। इसके पहले कभी नहीं हुई। पिछले साल भयंकर रेल दुर्घटना में सैकड़ो यात्रियों की मौत हुई थी। रेल मंत्री बनने के बाद दार्जिलिंग में फिर एक ट्रेन दुर्घटना हो गई। मालगाड़ी, पैसेंजर ट्रेन से भिड़ गई। 15 यात्री,मर गए कई घायल है। रेलवे में जिस तरह से निजीकरण का काम चल रहा है। वह काम एक ब्यूरोक्रेट ही कर सकता है। अश्विनी वैष्णव ब्यूरोक्रेट है। निश्चित रूप से फिर रेल मंत्री बनाने की पीछे, यही वजह रही होगी,इसकी चर्चा भी हो रही है।

राहुल छोड़ेंगे वायनाड़ की सीट कांग्रेस का उत्तर भारत में प्रभाव

कांग्रेस का उत्तर भारत में प्रभाव है। सबसे ज्यादा सीटों पर हिंदी भाषी राज्यों से कांग्रेस लड़ती है। हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला है। मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश राजस्थान गुजरात छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कमजोर है। मध्य प्रदेश में 29 सीटें कांग्रेस हार गई है। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी उत्तर भारत के राज्यों में काफी मेहनत करेंगे। वायनाड की सीट वह छोड़ देंगे। उनके इस निर्णय का असर हिंदी भाषी राज्यों में पड़ना तय है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1819: वाष्पचालित जहाज से पहली बार अटलांटिक पार कर एस. एस. एवज्ना लिवरपुल लौटा. 1862: अमरीका ने अपने यहाँ दास प्रथा पर प्रतिबंध लगाया. 1885: स्वतंत्रता की देवी की मूर्ति फ्रांस से न्यूयार्क पहुंची. 1944: द्वितीय विश्व युद्ध में प्रशांत महासागर स्थित ऐपान द्वीप अमरीका ने जापानियों से छीन लिया. 1953: सोवियत संघ में परमाणु बम की जानकारी खुफिया तौर पर देने के लिए अमरीका के जूलियन और इथेल रोर्जनबर्ग को मौत की सजा दी गई. 196 कुवैत को ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिली. 1970: सोवियत अंतरिक्ष यान सोयुज-9 सत्रह दिन अंतरिक्ष में रहने के बाद 'कजाकिस्तान में सुरक्षित उतरा. 1984: भारतीय उपग्रह एपल का कोरु, फ्रेन्च, गुयाना से सफल परीक्षण. 1987: लोकतंत्र समर्थकों पर सैनिक कार्रवाई को चीन के प्रधानमंत्री ली फंग ने जायज करार दिया.

दैनिक पंचांग

19 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2024 वर्ष का 171 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 07.29 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 17.23 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 21.12 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.29 बजे तदनन्तर कौलव 19.45 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 12.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872015
जूलियन दिन 2460480.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज
तारीख 12
विशेष प्रदोष व्रत।

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	तुला में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मिथुन में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	04.57 बजे से
कर्क	07.15 बजे से
सिंह	09.31 बजे से
कन्या	11.43 बजे से
तुला	13.54 बजे से
वृश्चिक	16.08 ब.से
धनु	18.24 बजे से
मकर	20.29 बजे से
कुंभ	22.16 बजे से
मीन	23.49 बजे से
मेष	01.19 बजे से
वृष	02.59 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढ़ाचा मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वज़नी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी र्दजन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढ़ाचे बने हुए हैं।

ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुदंरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिज़ाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

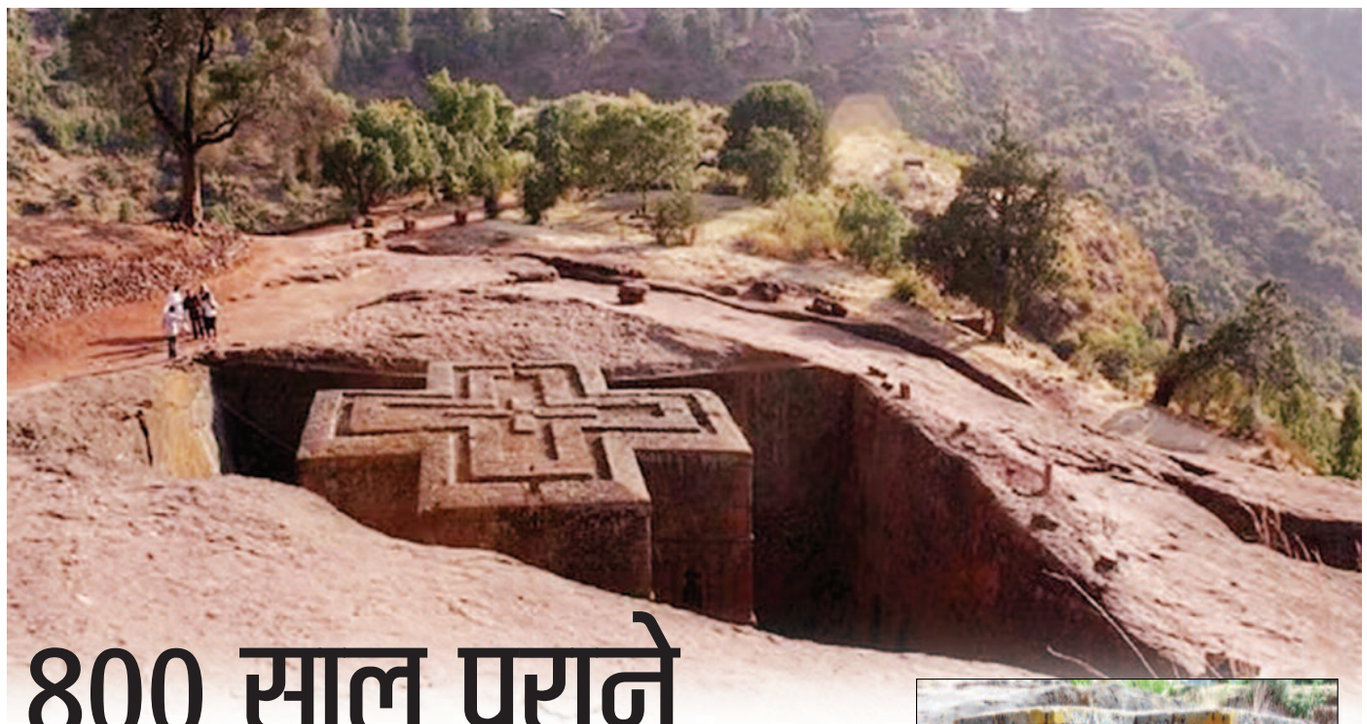

800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च

जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हांलाकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरंक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब 800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।

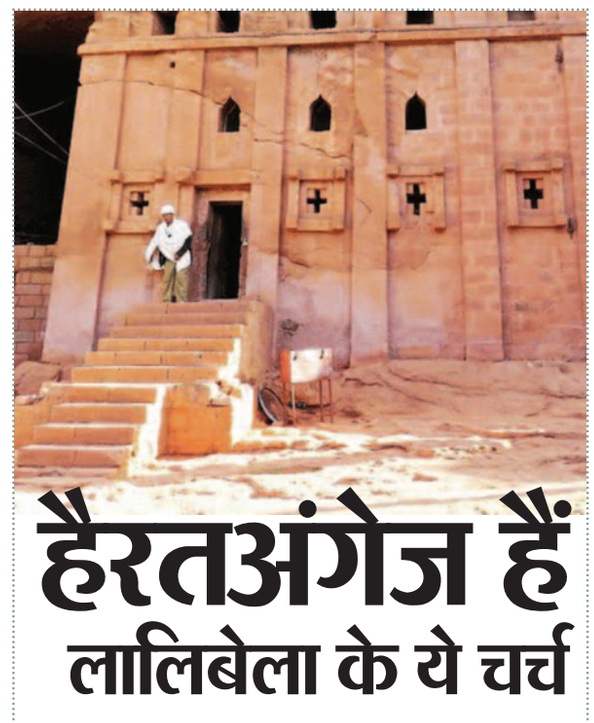

हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारते हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी है। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना है। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता। इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है।

दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

संक्षिप्त समाचार

इक्सिगो की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, 48 फीसदी प्रीमियम के साथ हुई लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बजार में लिस्टिंग जारी है। आज स्टॉक मार्केट में ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म इक्सिगो का संचालन करने वाली ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड के शेयर लिस्ट हुए हैं। कंपनी के शेयर ने शानदार एंट्री ली है। कंपनी के शेयर 93 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 48 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर स्टॉक ने निर्गम मूल्य से 45.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 135 रुपये पर कारोबार शुरू किया। बाद में यह 58.88 प्रतिशत बढ़कर 147.76 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई पर यह 48.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 138.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर में आई तेजी के बाद कंपनी का बाजार मूल्यांकन 5,581.22 करोड़ रुपये रहा। पिछले सप्ताह बुधवार को कंपनी के आईपीओ को सब्सक्राइब करने का आखिरी दिन था। ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी के आईपीओ को आखिरी दिन 98.10 गुना अभिदान मिला। कंपनी का आईपीओ 740 करोड़ रुपये की शुरुआती शेयर बिक्री में 120 करोड़ रुपये तक का ताजा इश्यू और 6,66,77,674 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) था। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 88-93 रुपये प्रति शेयर थी। आलोक बाजपेयी और रजनीश कुमार द्वारा इक्सिगो ने 2007 में लॉन्च किया गया। ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी देश का अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर है, जो यात्रियों को रेल, हवाई, बसों और होटलों में उनकी यात्राओं की योजना बनाने, बुक करने और प्रबंधित करने में मदद करता है।

कारोबारी घरानों में झगड़ों के बीच एकजुटता से आगे बढ़ रहा एस्सार समूह, दिवालिया कार्रवाई से उबरा

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी घरानों में मालिकाना हक को लेकर संस्थापकों में सार्वजनिक झगड़ों के बीच रुइया परिवार के नियंत्रण वाला एस्सार समूह एकजुटता से आगे बढ़ रहा है। रुइया परिवार की तीन पीढ़ियां संस्थापक भाई शशि व रवि रुइया, उनके बच्चे और पोते-पोतियां एक ही छत के नीचे रहकर संयुक्त रूप से कारोबारी साम्राज्य चलाते हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमी शशि व रवि रुइया ने 1969 में ऊर्जा, धातु, बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में कारोबार करने वाले समूह की स्थापना की थी। समूह के निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने वाली एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा, मजबूत पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि परिवार के हर सदस्य को अपनी बात कहने और आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, पारिवारिक परंपरा तेजी से खत्म हो रही है, लेकिन हमने इसे अब तक बनाए रखा है। दिवालिया कार्रवाई से उबरकर करीब दो लाख करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब खुद को नए सिरे से खड़ा कर रहा है। समूह का राजस्व 15 अरब डॉलर है। रुइया ने कहा, समूह की कर पूर्व आय के संदर्भ में हमारा 'रन रेट' एक अरब डॉलर है। समूह का वर्तमान मूल्यांकन करीब 8 अरब डॉलर है। समूह की 14 कंपनियां हैं, जिनमें निवेश बढ़ाया जा रहा है।

हरी सब्जी में लगा 'हीट स्ट्रोक' तो सरपट चढ़े दाम, आलू-प्याज भी चल पड़े इसी राह

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर समेत सहित उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। भीषण गर्मी की मार अब फल-सब्जियों की कीमतों पर भी दिख रही है। इस कारण पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम डबल हो गए हैं। आजादपुर मंडी में व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है। जो उपज रहा है, वह खेतों से मंडियों में नहीं पहुंच रही हैं। बढ़ते तापमान के कारण अधिकांश खेतों में सब्जियों की फसल बर्बाद हो रही है, जिससे आवक प्रभावित हुई है।

हरी सब्जियों के पौधे तक जल गए

भीषण तपिश और हीट वेव में आप ही नहीं, खेतों में हरी सब्जियों के पौधे भी जल रहे हैं। दादरी के पास किराये पर जमीन लेकर हरी सब्जी उगाने वाले किसान रामकिशन मौर्या बताते हैं कि हैं कि इस मौसम में चाहे कितना भी पानी दें, लौकी-घीया के बेल जल रहे हैं। भिंडी-टमाटर का पौधा भी झुलस सा गया है। वह सवाल पूछते हैं कि ऐसे पौधों से आप कितना उत्पादन ले सकते हैं? वह बताते हैं कि सुबह-शाम बोरिंग से पानी देते हैं, तब भी पौधे नहीं बच पा रहे हैं। आखिर खुली धूप में इतनी गर्मी सहना नरम-नाजुक पौधों के बस में नहीं है।

मंडी में गर्मी से सब्जी हो रही खराब

एक तरफ तापमान और तेज धूप की वजह से खेतों में ही हरी सब्जियां के पौधे सूख रहे हैं। जो कुछ सब्जी मंडी तक पहुंच जाती है, वे भीषण गर्मी की वजह से खराब हो रही हैं। टमाटर, घीया, तोरई की फसल नष्ट हो गई है, जिसका असर अब बाजारों पर 50 प्रतिशत तक दामों में उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले हफ्ते टमाटर के दाम 25 से 30 रुपये किलो था, वह 40 से 45 रुपये किलो पहुंच गए हैं। शिमला मिर्च 100 रुपये किलो, नींबू पहले जो 80 से 100 रुपये किलो का बिक रहा था वह अब 160 रुपये किलो तक पहुंच गया है। ऐसा ही हाल फलों का भी है। सेब, आम, अनार, पपीता, तरबूज, खरबूजा, मौसमी, नारियल पानी जैसे फलों के रेट में 25 से 30 पर्सेंट तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

लोकल सब्जियों की आवक घटी

दिल्ली के आजादपुर सब्जी मंडी में थोक विक्रेता तथा वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन से अनिल मल्होत्रा ने बताया कि बारिश न होने की वजह से आजादपुर मंडी में पहुंची शिमला मिर्च 100 रुपये किलो (थोक भाव) बिकी है, 10-15 रुपये किलो के हिसाब से बिकने वाली तोरई 25 से 30 रुपये किलो, घीया जो 20 से 25 रुपये किलो था वह 50 रुपये किलो है अब। अदरक 150 से 160 रुपये, एक अन्य व्यापारी घनश्याम ने बताया कि इन दोनों लोकल सब्जियां नहीं आ रही हैं। इसकी वजह से भी सब्जियां में तेजी देखी जा रही है।

टमाटर भी हो गया महंगा

इस समय आजादपुर मंडी में हिमाचल प्रदेश से आने वाले टमाटर का 25 किलो का क्रेट 800 से 1000 रुपये में बिक रहा है। यहां कर्नाटक से भी टमाटर आता है, लेकिन वहीं इस समय टमाटर महंगा है। व्यापारी बताते हैं कि अभी कर्नाटक का हाल यह है कि वहां खेत से ही 40 रुपये के भाव पर टमाटर उठ रहा है। शिमला मिर्च का होलसेल प्राइस हफ्ताभर पहले 50-60 रुपये किलो था, अब 100-110 रुपये किलो है। अदरक 150-170 रुपये किलो चल रहा है। जब हरी सब्जी महंगी हो तो लोग आलू पर शिफ्ट कर जाते हैं। लेकिन इस समय आलू भी महंगा हो गया है। एक पखवाड़ पहले जो आलू 15 से 20 रुपये किलो मिल जा रहा था, वह 25 से 30 रुपये किलो हो गया है। नैनीताल या पहाड़ी आलू का भाव तो 40 रुपये किलो या इससे ऊपर है। दरअसल, दिल्ली एनसीआर में आलू मुख्य रूप से यूपी और बंगाल से आता है। जाड़ों में मौसम खराब होने से उपज कम रह गई थी। जो आलू कोल्ड स्टोर से बाहर आ गया है, वह खराब भी हो रहा है। प्याज का भाव भी इस दिनों चढ़ा हुआ है। बताया जाता है कि नासिक की थोक मंडी में ही प्याज 30 रुपये किलो हो गया है। दिल्ली आते-आते यही प्याज 40 रुपये किलो का हो जाता है।

हुडको ने विदेशी ऋणदाताओं से 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए

मुंबई। आवास एवं शहरी विकास निगम (हुडको) ने ऋण बाजार में कदम रखते हुए 20 करोड़ अमेरिकी डॉलर (30 अरब जापानी येन) जुटाए हैं। इसकी व्यवस्था करने वाली जापान की सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था ने अपने पहले ''सामाजिक ऋण के हिस्से के रूप में पांच साल के लिए यह धनराशि जुटाई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, एसएमबीसी की सिंगापुर शाखा के नेतृत्व में हुए इस सौदे को कुल नौ ऋणदाताओं से अधिक अभिदान मिला तथा ग्रीनशू विकल्प का इस्तेमाल करने के बाद इसकी मूल आरंभिक राशि 15 अरब येन से बढ़ाकर 30 अरब येन कर दी गई। एसएमबीसी इंडिया के 'कंट्री हेड हिरोयुकी मेसाकी ने कहा, ''हम वंचित समुदायों तक अपनी पहुंच बढ़ाने तथा स्थानीय समुदाय की संसाधनों तक पहुंच को मजबूत बनाने के लिए तत्पर हैं। हुडको के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर आधारित वृद्धि पर ध्यान दिए जाने से संस्था को अपनी सेवाओं की मांग में वृद्धि की उम्मीद है।

बजट से उम्मीदें: खपत बढ़ाने के लिए कर दरें घटा सकती है सरकार, सरकारी खजाने को होने वाले नुकसान की होगी भरपाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में कुछ श्रेणियों में व्यक्तिगत कर दरों में कटौती पर विचार कर रही है। इससे देश में खपत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कर कटौती से सरकार के खजाने को होने वाले नुकसान की आंशिक भरपाई इस श्रेणी के व्यक्तिगत करदाताओं में खपत बढ़ाकर की जा सकती है। चुनाव बाद सर्वेक्षण से पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने भले ही तीसरी बार सत्ता में वापसी की है, लेकिन मतदाताओं में उच्च महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी और घटती आय को लेकर चिंता से भाजपा को बहुमत नहीं मिला। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 22 जुलाई को पूर्ण बजट पेश कर सकती हैं।

मध्य वर्ग को बचत बढ़ाने में मिलेगी मदद

व्यक्तिगत कर में कटौती से अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा मिलने के साथ मध्य वर्ग की बचत में भी इजाफा हो सकता है। साथ ही, इससे सालाना 15 लाख रुपये कमाने वाले व्यक्तियों को कर में राहत मिलने की उम्मीद है। 15 लाख रुपये तक की सालाना आय पर अभी 5 से 20 फीसदी तक कर लगता है। 15 लाख से अधिक कमाई पर 30 फीसदी की दर से कर चुकाना पड़ता है।

विकास दर बढ़ाने में खपत की बड़ी भूमिका

चुनाव बाद सर्वेक्षण में कहा गया है कि 2023-24 के दौरान भारतीय जीडीपी 8.2 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ी। इस वृद्धि में खपत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कर दरों में कटौती से खपत बढ़ती है तो इससे जीडीपी को समर्थन मिलेगा।

किसी व्यक्ति की आय जब 3 लाख से पांच गुना बढ़कर 15 लाख रुपये होती है तो व्यक्तिगत कर की दर छह गुना बढ़ जाती है। इससे लोग परेशान हो जाते हैं। सरकार 10 लाख रुपये की वार्षिक आय के लिए भी व्यक्तिगत कर दरों को घटाने पर विचार कर सकती है। पुरानी कर प्रणाली में 30 फीसदी की उच्चतम दर पर आयकर के लिए एक नई सीमा पर चर्चा की जा रही है।

फिच ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर किया 7.2 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। मार्च में उसने इसके सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। रेटिंग एजेंसी ने उपभोक्ता खर्च में सुधार और निवेश में वृद्धि का हवाला देते हुए अनुमान में संशोधन किया। वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए फिच ने क्रमशः 6.5 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है।

फिच ने अपनी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा, ''हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि होगी। फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि ग्रामीण मांग में सुधार और मुद्रास्फीति में नरमी से चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निवेश में वृद्धि जारी रहेगी लेकिन हाल की तिमाहियों की तुलना में यह

वृद्धि धीमी रहेगी, जबकि उपभोक्ता विश्वास बढ़ने के साथ उपभोक्ता खर्च में सुधार होगा। क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षण के आंकड़े चालू वित्त वर्ष की शुरुआत में निरंतर वृद्धि की ओर इशारा करते हैं। इसने कहा कि आने वाले मानसून के मौसम के सामान्य रहने के संकेत वृद्धि को बढ़ावा देंगे और मुद्रास्फीति को कम अस्थिर बनाएंगे। हालांकि हाल ही में भीषण गर्मी ने जोखिम उत्पन्न किया है।

एलआईसी मेगा सेल: बीमा कंपनी 7 अरब डॉलर तक जुटाने के लिए जमीन और इमारतें बेचेगी

मुंबई, एजेंसी। देश के शीर्ष महानगरों में स्थित कुछ सबसे महंगे रियल एस्टेट जल्द ही बिक सकते हैं, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अपने प्लॉट और व्यावसायिक इमारतों की बिक्री से 6-7 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रहा है। मामले से अवगत दो लोगों ने बताया कि भारत की तीसरी सबसे बड़ी मकान मालिक एलआईसी ने देश भर में अपनी रियल एस्टेट संपत्तियों की बिक्री योजना तैयार करने के लिए एक आंतरिक टीम को काम सौंपा है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया मुंबई से शुरू हो सकती है।

दो लोगों में से एक ने कहा, हम इस योजना पर काम कर रहे हैं। हम कई विकल्पों पर आंतरिक रूप से चर्चा कर रहे हैं। मूल्यांकन अभ्यास महत्वपूर्ण होगा। रियल एस्टेट परिसंपत्तियों को मुद्रीकृत करने का सबसे अच्छा तरीका अभी औपचारिक रूप से तय नहीं किया गया है। एलआईसी की कुछ प्रीमियम रियल एस्टेट संपत्तियों में दिल्ली के कॉनॉट प्लेस में जीवन भारती बिल्डिंग, कोलकाता में चित्तरंजन एवेन्यू में एलआईसी

बिल्डिंग और मुंबई में एशियाटिक सोसाइटी और अकबरली की इमारतें शामिल हैं। दोनों लोगों ने बताया कि उनके आखिरी मूल्यांकन के समय एलआईसी की रियल एस्टेट संपत्तियों का मूल्य 50,000-60,000 करोड़ रुपये आंका गया था। भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी और शेयर बाजार में सबसे बड़ी निवेशक एलआईसी के पास 51 ट्रिलियन रुपये से अधिक की संपत्ति है।

दूसरे व्यक्ति ने कहा, औपचारिक संपत्ति बिक्री प्रक्रिया के लिए, एलआईसी के स्वामित्व वाली इमारतों के लिए नए सिरे से मूल्यांकन कार्य किया जा सकता है। व्यक्ति ने कहा कि कई एलआईसी इमारतों में कभी भी कोई बिक्री लेनदेन नहीं हुआ है और उनका बाजार मूल्य ज्ञात नहीं है, उन्होंने कहा कि वास्तविक मूल्य रूढ़िवादी मूल्य से कम से कम पांच गुना अधिक हो सकता है, जो लगभग 2.5-3 ट्रिलियन है। एलआईसी, निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) और वित्तीय सेवा विभाग को भेजे गए ईमेल अनुत्तरित रहे। सभी सरकारी स्वामित्व वाली फर्मों की परिसंपत्ति विनिवेश प्रक्रियाओं के लिए दीपम की मंजूरी अनिवार्य है।

एलआईसी ने वित्त वर्ष 2024 में 40,676 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 36,397 करोड़ रुपये था, क्योंकि नवीनीकरण प्रीमियम में सुधार हुआ, निवेशों ने बेहतर रिटर्न अर्जित किया और नए व्यवसाय (वीएनबी) का मूल्य थोड़ा बढ़ा। एलआईसी अपने शेयरधारकों को वित्त वर्ष 2024 के लिए 6 रुपये का लाभांश देगी। यदि संपत्ति बिक्री की योजना सफल होती है, तो इससे एलआईसी का लाभ बढ़ सकता है और संभावित रूप से बेहतर लाभांश प्राप्त हो सकता है। दूसरे व्यक्ति के अनुसार, नया मालिक इमारतों का पुनर्विकास, पुनः डिजाइन या विभिन्न तरीकों से उपयोग कर सकता है।

पहले व्यक्ति ने इन संपत्तियों के मूल्यांकन में चुनौती की ओर इशारा करते हुए कहा कि एलआईसी रियल एस्टेट संपत्तियों को रखने और उनके मुद्रीकरण का प्रबंधन करने के लिए एक अलग इकाई बनाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने कहा कि एलआईसी के पास उत्तराखंड के मसूरी में मॉल रोड पर स्थित प्रसिद्ध स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की इमारत भी है; और नई दिल्ली और लखनऊ में प्रमुख मीडिया घरानों के मुख्यालय बनाने वाली दो अलग-अलग इमारतें भी हैं। दूसरे व्यक्ति ने कहा, बीमाकर्ता के पास कई ऐसी तथाकथित मार्की संपत्तियां हैं। लेकिन उनका मूल्यांकन उचित तरीके से किया जाना चाहिए। कीमत का पता केवल नीलामी के माध्यम से ही लगाया जा सकता है। लेकिन इसके लिए एलआईसी अधिनियम में कुछ संशोधन और कानूनों में बदलाव की आवश्यकता होगी।

चीन और बांग्लादेश को भा गई भारत की मिर्ची

रेकॉर्ड पर पहुंच गया भारत से मसालों का एक्सपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉन्ग कॉन्ग और सिंगापुर ने कुछ भारतीय कंपनियों के मसालों पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही कई अन्य देशों ने भारतीय मसालों को निगरानी लिस्ट में डाला है। लेकिन फाइनेंशियल ईयर 2024 में भारत से मसालों का एक्सपोर्ट रेकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। इस दौरान भारत से मसालों का एक्सपोर्ट 4.46 अरब डॉलर रहा जो पिछले साल के मुकाबले 17 फीसदी अधिक है। वॉल्यूम के लिहाज से भी यह नौ फीसदी की तेजी के साथ 15.39 लाख टन रहा। इस दौरान खासकर काली मिर्च, इलायची और हल्दी महंगे होने के कारण भारत को अच्छी कमाई हुई। चीन और बांग्लादेश से मांग बढ़ने से मिर्च का निर्यात 15 फीसदी बढ़कर 1.509 अरब डॉलर रहा। रुपये के लिहाज से देखें तो यह 18 फीसदी तेजी के साथ 12,492 करोड़ रुपये रहा। भारत से मसालों के सबसे ज्यादा निर्यात चीन को किया गया।

पिछले फाइनेंशियल ईयर में मिर्च, धनिया, अदरक, अजवाइन, सौंफ और लहसुन के निर्यात में काफी तेजी देखने को मिली। दूसरे ओर काली मिर्च, मेंथी, इमली

और मिंट प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट में गिरावट देखने को मिली। भारत से मसाला आयात करने वाले देशों में चीन सबसे आगे है। उसके बाद अमेरिका, बांग्लादेश, यूएई और थाईलैंड का नंबर है। भारत दुनिया में मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक और एक्सपोर्टर है। पिछले साल चीन ने भारत से 1.79 लाख टन मिर्च का आयात किया, जिसकी कीमत 4,123 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके बाद थाईलैंड और बांग्लादेश का नंबर है। पिछले साल बांग्लादेश को मिर्च के एक्सपोर्ट में 67 फीसदी तेजी आई। साथ ही अमेरिका को भी मिर्च के एक्सपोर्ट में करीब 25 फीसदी तेजी आई।

इस साल गिरावट

लेकिन जानकारों का कहना है कि मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में देश के मसालों के एक्सपोर्ट में गिरावट आ सकती है। इसकी वजह यह है कि कुछ मसालों के उत्पादन में गिरावट आई है। साथ ही सिंगापुर और हॉन्ग कॉन्ग ने कुछ कंपनियों के प्रॉडक्ट्स पर बैन लगा रखा है। साल के पहले दो महीनों में मसालों के निर्यात में 5.84 फीसदी की मामूली गिरावट आई है। जानकारों का कहना है कि इसकी वजह बैन नहीं है। उत्पादन में कमी के कारण हल्दी जैसे मसालों का एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ है। पहले दो महीने का ट्रेंड देखें तो देश से मसालों का निर्यात पिछले साल के बराबर रहने की उम्मीद है।

180 करोड़ में बिके तीन अपार्टमेंट और सरकारी खजाने में आए 10.79 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज के चेयरमैन नादिर गोदरेज और उनके परिवार ने दक्षिण मुंबई के एक रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट में तीन लग्जरी अपार्टमेंट खरीदे हैं। यह डील 180 करोड़ रुपये में हुई है। गोदरेज परिवार ने जेएसडब्ल्यू ग्रुप की एक रियल एस्टेट सब्सिडियरी के मालाबार हिल में बन रहे प्रोजेक्ट ऋह्वश्चड्डह्लद्द्य ॥श्चह्वह्यद्द में यह खरीदारी की है। इन लग्जरी अपार्टमेंट्स से अरब सागर का शानदार नजारा दिखता है। मालाबार हिल के रिज रोड पर निर्माणाधीन इस सुपर लग्जरी रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट को जेएसडब्ल्यू रियल्टी डेवलप कर रही है। गोदरेज परिवार ने इस टावर की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर अपार्टमेंट खरीदे हैं। ये कुल 13,836 वर्ग फुट में फैले हुए हैं। इसमें 1,029 वर्ग फुट का एक्सक्लूसिव डेक और कवर्ड बालकनी शामिल है। प्राप्त दस्तावेजों के मुताबिक यह डील

12 जून को रजिस्टर्ड हुई। नादिर गोदरेज और उनके दो बेटों ने रजिस्ट्रेशन के लिए स्टाम्प शुल्क के रूप में 10.79 करोड़ रुपये का भुगतान किया। डील के मुताबिक गोदरेज परिवार को एक्सक्लूसिव टॉवर में 12 कार पार्किंग स्लॉट मिलेंगे। इसमें 14 रेजिडेंशिल लेवल हैं और प्रत्येक मंजिल पर केवल एक अपार्टमेंट है। इस परियोजना के दिसंबर 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। स्टाम्प ड्यूटी और जीएसटी सहित इस डील का मूल्य 1.44 लाख रुपये प्रति वर्ग फीट है। इस तरह यह देश के सबसे महंगे सौदों में से एक है। गोदरेज इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू को भेजे गए ईटी के ईमेल का जवाब खबर लिखे जाने तक नहीं मिला।

मिड-इनकम, प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट्स में मजबूत मांग के कारण टॉप आठ शहरों में मकानों की बिक्री 2023 में ऑल-टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई। मुंबई देश के सबसे बड़े और सबसे महंगे प्रॉपर्टी मार्केट के रूप में टॉप पर रहा।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व पीएम थकसिन पर चलेगा शाही परिवार को बदनाम करने का केस, 2006 में तख्तापलट से हुए थे बाहर

बैंकाक, एजेंसी। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिवनात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है। तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किए जाने के बाद उनपर प्रतिबंध भी लगाया गया था। वहीं थकसिन ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया था। पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में मंगलवार को औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया है। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय के प्रवक्ता प्रयुथ बेजरागुना ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि थकसिन ने सुबह नौ बजे से कुछ मिनट पहले अभियोजकों के समक्ष अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अभियोग प्रक्रिया पूरी की गई। माना जा रहा है कि थकसिन एक कार में सवार होकर बैंकॉक के अपराध न्यायालय पहुंचे। हालांकि, थकसिन शिवनात्रा ने इस दौरान संवाददाताओं से नहीं मिले और ये भी स्पष्ट नहीं है कि वो न्यायालय गए थे या पास के अभियोजक कार्यालय में गए। उनके वकील विन्यात चैतमोंत्री ने संवाददाताओं को बताया कि थकसिन न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं और उन्होंने जमानत पर रिहाई के लिए अर्जी भी तैयार कर ली है। थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। फिलहाल थाईलैंड में सरकार के आलोचकों को सजा देने के लिए इस कानून का इस्तेमाल काफी बढ़ रहा है।

अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में घर में आग लगने से छह लोगों की मौत, पांच घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया प्रांत में सोमवार सुबह एक घर में आग लग गई। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि हादसे में तीन बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि मृतकों की उम्र 6 से 74 वर्ष के बीच थी। सभी पांच घायलों को प्रांतीय राजधानी अटलांटा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि घायलों में कुछ गंभीर हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुबह करीब पांच बजे अटलांटा के दक्षिण-पश्चिम में कोवेटा काउंटी में अग्निशमन दल को घटनास्थल पर भेजा गया। आग लगने के समय घर के अंदर 11 लोग थे।

उत्तर कोरियाई सैनिकों ने 10 दिन में दूसरी बार की सीमा पार की कोशिश, दक्षिण कोरिया की तरफ से हुई गोलीबारी

सियोल, एजेंसी। मंगलवार को दक्षिण कोरिया के सैनिकों की तरफ से सीमा पार करने पर चेतावनी देते हुए फायरिंग की है। योनहाप समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा सीमा के पास भारी सुरक्षा वाली सैन्य सीमांकन रेखा का उल्लंघन किया गया। जिसके बाद दक्षिण कोरिया की तरफ से चेतावनी दी गई। जानकारी के मुताबिक दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिकों ने आज सैन्य सीमांकन रेखा पार की और जब दक्षिण कोरिया ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई तो पीछे गट गए। 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिक ने पार की रेखा दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार सुबह लगभग 8:30 बजे करीब 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सैन्य सीमांकन रेखा को पार किया। ये घटना इस महीने की दूसरी घटना है, जब उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पार किया। आज की घटना के दौरान दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने पहले चेतावनी दी फिर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई। जिसके बाद उत्तर कोरियाई सैनिक पीछे हटने पर मजबूर हुए। हालांकि इसके बाद मौके पर कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं देखी गई। बता दें कि सैन्य सीमांकन रेखा दोनों देशों को विभाजित करती है। पहले भी हुई थी सीमा पार की कोशिश पिछले 10 दिनों में दूसरी घटना है जब उत्तर कोरिया के सैनिकों ने सीमा पार करने कोशिश की है। इससे पहले करीब 7 दिन पहले भी उत्तर कोरिया के करीब 20-30 सैनिकों ने डीमिलिट्रलाइज्ड जोन पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था। जिसके बाद वॉर्निंग देने के लिए साउथ कोरिया की सेना ने फायरिंग की थी। इस दौरान नॉर्थ कोरिया के सैनिक वापस लौट गए थे। जानकारी के अनुसार उत्तर कोरिया के सैनिक दक्षिण कोरिया की सीमा के 50 मीटर अंदर तक आ गए थे। क्या मामले में बढ़ सकता है विवाद? दोनों देशों के बीच अक्सर हिंसक झड़प होती रहती हैं। दोनों देशों के आपस में बढ़ते तनाव के बीच ये दूसरी घटना है। जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि ये मामला तूल पकड़ सकता है,पहली घटना में दक्षिण कोरिया का मानना था को उत्तर कोरियाई सैनिकों ने जानबूझकर सीमा नहीं पार की थी।

पाकिस्तान में चारा खाने पर काट दिया ऊंट का पैर, छह आरोपी गिरफ्तार, दुबई से कृत्रिम पैर मंगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। घटना बीते सप्ताह की है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के संघर जिले के मुंड जमराव गांव में ऊंट का दाहिना पैर काटने के बाद रुस्तम शार और उसके पांच नौकरों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद पशु अधिकार संगठनों और लोगों ने जमकर विरोध किया। आलोचना और विरोध के बीच लोगों ने सरकारी से जमींदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

ऊंट के मालिक किसान सूमर बेहन ने मामले की जानकारी तब तक पुलिस को नहीं दी जब कि मामला सोशल मीडिया पर प्रकाश में नहीं आया, जब तक विरोध शुरू नहीं हो गया। विरोध शुरू होन के बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह के निर्देश पर आश्रय स्थल का दौरा किया गया। उसके बाद पशुधन सचिव काजिम जाटो ने बताया, ऊंट को तुरंत कराची में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवा (सीडीआरएस) पशु आश्रय स्थल में ले जाया गया। ऊंट के लिए दुबई से कृत्रिम पैर मंगवाया गया है।

सचिव ने बताया कि सिंध सरकार ने पशु के उपचार का खर्च उठाने का वादा किया है। वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी दुबई से ऊंट के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था कर रहे हैं। जाटोई ने कहा कि ऊंट का पैर ठीक हो रहा है। उसके उपचार में

अगले चरण के लिए मंगलवार को उसका एक्स-रे किया जाएगा। सीडीआरएस बेनजी निदेशक सारा जहांगीर ने कहा कि आश्रय स्थल के कर्मचारियों ने ऊंट को प्यार से कैमी नाम दिया गया। उसको संक्रमण का खतरा लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा, वह स्थिर है, लेकिन उसका पैर संक्रमित है। उपचार में ड्रेसिंग, एंटीबायोटिक्स और आईवी द्रव लगाना शामिल है। संक्रमण को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि किसान ने अपराधी की पहचान करने और उसके खिलाफ आरोप लगाने से इनकार कर दिया। इसलिए राज्य की ओर से छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक अन्य प्राथमिकी में कहा गया है कि शनिवार को जब पुलिस अधिकारियों ने छह संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो उनका विरोध किया गया और उन पर हमला किया गया। सब-इंस्पेक्टर अत्ता हुसैन जट्ट ने बताया कि संदिग्धों को रविवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट आसिफ सियाल के समक्ष पेश किया गया और उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को घटना में इस्तेमाल हथियार नहीं मिला है, मामले की जांच चल रही है।

इजराइल ने 2023 में किया हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात

तेल अवीव, एजेंसी। वर्ष 2023 में इजराइल ने हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात किया। इजराइली रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 2023 में इजराइली हथियारों का निर्यात लगभग 12.9 बिलियन डॉलर के बराबर रहा। इजराइल ने लगातार तीसरे साल हथियारों के निर्यात का रिकॉर्ड तोड़ा। पिछले पांच सालों में इजराइली हथियारों का निर्यात दोगुना हो गया है।

रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा, इजराइल गाजा युद्ध के दौरान भी हथियारों का रिकॉर्ड निर्यात करने में सफल रहा। मंत्रालय के अनुसार, 36 प्रतिशत राजस्व मिसाइल और वायु रक्षा प्रणालियों के निर्यात से आया। लगभग 48 प्रतिशत हथियार निर्यात एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, 35 प्रतिशत यूरोप में और नौ प्रतिशत उत्तरी अमेरिका में हुआ। लैटिन अमेरिका और अरब देशों को भी हथियार बेचे गए।

फ्रांस व जर्मनी की शक्तियां कमजोर हुईं, ईयू के शीर्ष पदों पर उम्मीदवारी को लेकर बढ़ी संघ की टेंशन

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के नेताओं के बीच संघ के शीर्ष पदों पर उम्मीदवारों को लेकर सोमवार को अंतिम सहमति नहीं बनी हालांकि कई नेताओं ने संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन के काम की सराहना की और प्रतीत होता है कि वह इस महीने के अंत में एक बार फिर से अपने पद पर काबिज हो सकती हैं। यूरोपीय संघ परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ब्रसेल्स में अनौपचारिक रात्रिभोज की अध्यक्षता के बाद कहा, अब तक आम सहमति नहीं बनी है। यूरोपीय संघ के एक अधिकारी ने कहा कि नेता ब्लॉक के कुछ प्रमुख पदों को भरने के करीब पहुंच रहे हैं।अधिकारी ने कहा कि डच समाजवादी फ्रैंस टिमरमैन यूरोपीय आयोग के प्रमुख के रूप में जीन-क्लाउड जंकर का स्थान लेने के लिए प्रमुख स्थिति में हैं।वार्ता में शामिल उच्च पदस्थ राजनयिक ने कहा कि क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स बुल्गारिया की क्रिस्टालिना जॉर्जीवा को डोनाल्ड टस्क के बाद यूरोपीय परिषद के प्रमुख के रूप में नियुक्त करेंगे, जो सदस्य देशों की नीतियों का समन्वय करती है और शिखर सम्मेलनों का आयोजन करती है।अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बात की क्योंकि 28 नेता अभी तक औपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए फिर से नहीं आए हैं, जहां उन्हें पदों की पुष्टि करनी चाहिए। संघ के 27 सदस्यीय देश हालिया यूरोपीय चुनावों में हुई उठापठक को लेकर चिंतित हैं और वे यह सोच रहे हैं कि इन नतीजों के साथ किस तरह से शीर्ष पदों के लिए उम्मीदवारों को नामांकित करें। मिशेल ने 27 और 28 जून को होने वाली संघ अध्यक्षों और प्रधानमंत्रियों की अगली बैठक के संदर्भ में कहा, अगली यूरोपीय परिषद को तैयार करने की दिशा में आज (मंगलवार) हुआ यह संवाद एक उपयोगी कदम हैं। मिशेल ने वॉन डेर लेन और अन्य उम्मीदवारों की संभावनाओं पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, अगले सप्ताह सब स्पष्ट हो जाएगा। छह से नौ जून को हुए चुनावों में यूरोपीय संसद में ज्यादातर दक्षिणपंथी पार्टियों ने जीत हासिल की और फ्रांस व जर्मनी में सत्तारूढ़ सरकारों को जोरदार झटका दिया। यूरोपीय संघ की राजनीति को दिशा देने वाले फ्रांस और जर्मनी की शक्तियां कमजोर हुई हैं और धुर दक्षिणपंथी दलों ने जमीनी ताकत हासिल की। यूरोपीय संघ के जटिल शक्तियों के बंटवारे के तहत नेता आयोग के लिए अगले अध्यक्ष को नामांकित करते हैं।

नासा के रोवर ने मंगल के जेज़ेरो क्रेटर में खोज निकाला रहस्यमयी बोल्डर, मिले दिलचस्प सुराग

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा के पर्सिवियरेंस रोवर ने मंगल के जेज़ेरो क्रेटर में एक महत्वपूर्ण खोज की है। रोवर ने एटोको पॉइंट नामक एक विशिष्ट हल्के रंग का रहस्यमयी बोल्डर खोज निकाला है।वर्तमान पर्सिवियरेंस मिशन के सह-नेता, ब्रैड गार्सिन्स्की ने कहा-माउंट वॉशबर्न में बनावट और संरचना की विविधता टीम के लिए एक रोमांचक खोज थी, क्योंकि ये चट्टानें क्रेटर रिम और संभावित रूप से उससे परे लाए गए भूगर्भीय उपहारों का एक समूह दर्शाती हैं। इन सभी अलग-अलग चट्टानों में से एक ने हमारा ध्यान खींचा। 18 इंच के व्यास वाले इस बोल्डर ने वैज्ञानिकों को पाइरोक्सीन और फेल्डस्पार की संरचना से आकर्षित किया, जो खनिज पृथ्वी और चंद्रमा पर भी पाए जाते हैं।

माना जाता है कि यह मंगल ग्रह के मैग्मा से उत्पन्न हुआ है और संभवतः प्राचीन नदी चैनलों द्वारा ले जाया गया है, यह खोज मंगल के भूवैज्ञानिक इतिहास पर प्रकाश डालती है और संभावित प्राचीन जीवन के सुराग प्रदान करती है। रोवर, जो 2021 में विशेष रूप से प्राचीन जेज़ेरो क्रेटर की जांच करने के लिए लाल ग्रह पर उतरा था, ने इस महीने की शुरुआत में एक रहस्यमयी हल्के रंग का बोल्डर पाया, जो मंगल ग्रह की भूमि पर देखा गया अपनी तरह का पहला बोल्डर है।

इटली के पास जहाज डूबने से 11 की मौत, 60 से ज्यादा लापता

रोम, एजेंसी। इटली के पास समुद्र में दो जहाज डूब गए, जिसमें कम से कम 11 प्रवासियों की मौत हो गई, जबकि 66 अन्य लापता हैं। सिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवासी नावों में कुछ खराबी आने के कुछ घंटों बाद सोमवार देर रात तक भूमध्य सागर में इटली के कोस्ट गार्ड ने खोज और बचाव अभियान जारी रखा। दक्षिणी इटली में कैलाब्रिया के तट से लगभग 120 मील (193 किमी) दूर संकट में फंसी नाव को देखकर एक मर्चेंट शिप ने सबसे पहले एसओएस कॉल किया, जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया।

मर्चेंट शिप ने 12 लोगों को बचाया और इटली के कोस्ट गार्ड जहाज के आने तक उनकी सहायता की। कोस्ट गार्ड के अनुसार, एक महिला की जहाज से उतरने के तुरंत बाद मौत हो गई, वो बहुत बीमार थी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा, नाव के डूबने के बाद बचे लोगों की तलाश जारी है। कोस्ट गार्ड ने बताया कि दो इतालवी गश्ती नौकाएं और एक एटीआर42 विमान खोज में शामिल हैं और जल्द ही मेडिकल टीमों के साथ एक और गश्ती जहाज खोज अभियान में शामिल हो जाएगा। सोमवार देर शाम तक कोई और जीवित नहीं मिला।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, जिन 66 लोगों के मरने की आशंका है, उनमें 26 नाबालिग हैं। जीवित बचे लोगों के बयान के अनुसार, यह नाव पिछले सप्ताह तुर्की से रवाना हुई थी, जिसमें इराक, सीरिया, ईरान और अफगानिस्तान से प्रवासी और शरणार्थी सवार थे। इतालवी अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। नाव भूमध्य सागर के रास्ते यूरोप पहुंचने की कोशिश कर रही थी। इससे पहले एक घटना में, जर्मन सहायता समूह रेस्कशिप के साथ एक बचाव जहाज ने 10 प्रवासियों को मृत पाया था और इटली के सबसे दक्षिणी द्वीप लैम्पेडुसा से दूर

माल्टा के पास संकट में फंसी एक नाव पर सवार 51 अन्य लोगों को बचाने में कामयाब रहा। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बचे हुए लोग मुख्य रूप से बांग्लादेश, पाकिस्तान, मिस्र और सीरिया से थे। इतालवी गृह मंत्रालय ने जहाज को लैम्पेडुसा में डॉक करने का आदेश दिया था। भूमध्य सागर के माध्यम से नाव से यात्रा करने वाले प्रवासियों को मौसम की स्थिति और खराब गुणवत्ता वाले जहाजों के कारण इस तरह की खतरनाक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इस वर्ष अब तक भूमध्य सागर को पार करते हुए लगभग एक हजार लोग मारे गए हैं या लापता हो गए हैं। 2023 में 3,155 लोग लापता हो गए थे।

अमेरिका में भी जबरदस्त गर्मी का कहर, मध्य-पश्चिम और पूर्वोत्तर में 7.5 करोड़ लोगों पर खतरा, अलर्ट जारी : वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब दिखने लगा है। जहां भारत में इस समय जबरदस्त गर्मी के रिकॉर्ड दर्ज किए जा रहे हैं, वहीं यूरोप और अमेरिका भी तापमान नए स्तरों तक पहुंच रहा है। अमेरिका में तो गर्मी इतनी तेज है कि यहां 7.5 करोड़ लोगों के लिए स्वास्थ्य अलर्ट तक जारी किया गया है। बताया गया है कि गर्म लहरों के मध्य-अटलांटिक और न्यू इंग्लैंड तक पहुंचने की वजह से बीते कुछ दिनों में अमेरिका में तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा आद्रता के बढ़ने से स्थिति और खराब हुई है। गौरतलब है कि बीते साल भी अमेरिका में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया था। यहां असामान्य रूप से लगातार दो दिन तक गर्म मौसम दर्ज किया गया था।

पाकिस्तान में टमाटर के भाव 250 रुपए तक पहुंचे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में ईद के मौके पर महंगाई ने लोगों की हालत खराब कर रखी है। टमाटर के दाम एक दिन में 100 रुपया से ज्यादा बढ़कर 200 रुपया किलो से भी ज्यादा हो गए हैं, कई जगहों पर यह 250 तक पहुंच गए हैं। जिलों के प्रशासन ने टमाटर का मार्केट रेट 100 रुपया फिक्स कर रखा है लेकिन इसके बाद भी टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। रमजान और ईद के मौकों पर टमाटर जैसी चीजों की खपत बढ़ने के कारण कीमत बढ़ने की उम्मीद ज्यादा रहती है लेकिन प्रशासन द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जिससे जमाखोरी बढ़ गई और दाम आसमान पर चढ़ गए। लगातार बढ़ती कीमतों के बीच पेशावर के जिला प्रशासन ने धारा 144 का प्रयोग करते हुए टमाटर को जिले से बाहर ले जाने पर रोक लगा दी है।

आज ईद के मौके पर पाकिस्तान में टमाटर, प्याज और आलू के भाव बढ़े हुए हैं, यह भावों के बढ़ने का क्रम रमजान के क पहले हफ्ते से ही शुरू हो गया था लेकिन प्रशासन की तरफ से इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। जिससे यह भाव लगातार बढ़ते गए।

सब्जियों और रोजमर्रा की चीजों के बढ़ते हुए दामों को लेकर रहवासियों ने भी

अपनी हताशा जाहिर की, उन्होंने कहा कि बाकी सब तो ठीक है हम झेल रहे हैं लेकिन यह एक दिन में 100 रुपय किलो तक दाम बढ़ जाना कहां तक सही है। जिला प्रशासन के नियम कायदे केवल कहने भर को हैं, कोई भी इनकी नहीं सुनता।

बजट में महंगाई कम करने का किया था वादा : हाल ही में आए पाकिस्तानी बजट में पाकिस्तानी सरकार ने महंगाई को कम करने का वादा किया था, उनके वादे कि धज्जियां कुछ ही दिनों में उड़ती हुई दिखाई दे रही हैं। सरकार ने वादा किया था कि वे महंगाई दर को अगले एक साल तक 12 फीसदी पर ही रोकने की कोशिश करेंगे। लेकिन जमीनी स्तर पर माहौल उसके बिलकुल उलट दिखाई दे रहा है।

आईएमएफ से लोन लेने के लिए बढ़ानी होगी महंगाई : पाकिस्तान में महंगाई को कम रखना सरकार के बस में भी ज्यादा नहीं है, सरकार एक बार फिर से आईएमएफ के पास लोन लेने के लिए जा रही है। ऐसे में उसे आईएमएफ की शर्तों के हिसाब से अपनी योजनाएं तैयार करनी होगी, साथ ही साथ टैक्स के दायरे को भी बढ़ाना होगा। जिससे पाकिस्तान में महंगाई अभी और बढ़ेगी।

ड्रैगन ने की जी7 की आलोचना, शिखर सम्मेलन के नेताओं पर लगाया चीन को बदनाम करने का आरोप

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने इटली में हुए जी 7 शिखर सम्मेलन की आलोचना की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने जी 7 देशों पर चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल कर ड्रैगन (चीन) को ही बदनाम करने का आरोप लगाया। जी7 शिखर सम्मेलन में चीन के बयान को लेकर लिन जियान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। लिन जियान ने कहा, जी 7 सम्मेलन में नेताओं ने चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल ड्रैगन की निंदा करने और उसपर हमला करने के लिए किया। उन्हीं झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया गया, जिसका कोई आधार नहीं है। यह केवल झूठ से भरे हुए हैं। उन्होंने जी 7 की आलोचना करते हुए कहा, यह दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इन सात देशों में दुनिया की केवल 10 प्रतिशत आबादी रहती है। इन सभी तो एक साथ लाया जाए तो भी ये वैश्विक आर्थिक विकास में चीन से कम योगदान देते हैं।

जी7 अपने लक्ष्य से भटक गया- लिन जियान : चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, जी 7 लंबे समय से अपने लक्ष्य से भटका हुआ है। यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक टूल बन गया है। यह अपने नियम और फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर अंतरराष्ट्रीय नियम के उद्देश्य और सिद्धांत से ऊपर रखता है। लिन जियान ने जी-7 पर सैन्य युद्धाभ्यास

और क्षेत्रीय हस्तक्षेप के माध्यम से तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। विशेष गरुप बनाकर विभिन्न गुटों को भड़काता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती है। जी 7 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया। शिखर सम्मेलन के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि वे चीन को नुकसान पहुंचाने और उसके आर्थिक विकास को विफल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। बता दें कि जी 7 सात देशों से मिलकर बना है, इसमें अमेरिका, यूके, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस शामिल हैं। इटली में आयोजित जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए वहां की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किया था।

कश्मीर की आवाज बनूंगा; सुनक की पार्टी के सांसद अपनी ही चाल में फंसे, अब हो रही फजीहत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद मार्को लोंघी पीएम मोदी के खिलाफ और कश्मीर की आवाज मैं बनूंगा को लेकर जारी अपने ही लेटर पर घिरते नजर आ रहे हैं। अब उनकी जमकर फजीहत हो रही है। उन्होंने चुनाव के बीच एक सार्वजनिक पत्र जारी कर पाक मूल के ब्रिटेनवासियों से अपील की थी, जिस पर विपक्ष ने उन्हें निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। अपने पत्र में उन्होंने आह्वान किया कि जो पाकिस्तानी ब्रिटेन में रह रहे हैं, वो चुनाव में उन्हें ही वोट दें क्योंकि संसद में सिर्फ वही हैं, जो कश्मीर के लिए उनकी आवाज बनेंगे। अपने लेटर में सांसद ने पीएम नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। कहा कि मोदी फिर पीएम बन गए हैं, तो अब आने वाले महीने कश्मीर के लोगों के लिए और कठिन होने वाले हैं। ब्रिटेन में 4 जुलाई को मतदान होना है और इस बार माना जा रहा है कि ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को चुनाव में अग्निपरीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। विपक्षी लेबर दल उम्मीद जता रही है कि वह इस बार तख्तापलट करेगी। चुनाव सिर पर हैं और इस बीच सुनक की पार्टी के सांसद ने ऐसा कर दिया कि उनकी चाल उन पर ही भारी पड़ती दिखाई दे रही है। बकरीद के मौके पर कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद मार्को लोंघी ने अपने पत्र में दावा किया कि वह ब्रिटेन की संसद में कश्मीर की आवाज बनेंगे।

पीएम मोदी की आलोचना अपने लेटर में लोंघी ने लिखा कि कैसे वह कश्मीर के लोगों के प्रति भारत सरकार के अत्याचारों के खिलाफ बोलने में सबसे आगे रहे हैं और पूछते हैं, संसद में कश्मीर के लिए कौन बोलेगा? पत्र में कहा

गया है, हाल ही में हमने (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी की भाजपा को भारत में दोबारा निर्वाचित होते देखा है। इसका मतलब है कि आने वाले महीनों में कश्मीर के लोगों के लिए और भी कठिन समय होगा। इसमें आगे कहा गया, नरेंद्र मोदी ने हाल ही में स्पष्ट कर दिया है कि वह कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने जा रहे हैं, जिसका मतलब कश्मीरियों के किसी भी संप्रभु अधिकार और उनकी विशेष स्थिति को पूरी तरह से खत्म करना होगा। पाक मूल के लोगों को रिझाने में फंस गए सांसद मार्को लोंघी ने चुनाव से पहले मतदाताओं को रिझाने के लिए चाल चली है। उन्होंने पाकिस्तानी मूल के ब्रिटेनवासियों को लिख पत्र में अपील की कि वे लेबर पार्टी के उम्मीदवार के बजाय उन्हें ही वोट दें। लोंघी ने संकल्प लिया कि वह संसद में कश्मीर के लिए अपनी आवाज और भी अधिक उठाएंगे। अब हो रही फजीहत लोंघी अपनी ही चाल में फंसते नजर आ रहे हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पर निशाना साधते हुए, लेबर पार्टी की ओर से राजेश अग्रवाल ने पत्र को समुदायों को विभाजित करने का शर्मनाक प्रयास कहा। उन्होंने कहा कि यह मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदायों के लिए अपमानजनक है। लीसेस्टर ईस्ट में लेबर संसदीय उम्मीदवार अग्रवाल ने कहा, लोंघी जिस तरह की राजनीति में लगे हुए हैं, उसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ऋषि सुनक को पार्टी को पहले देश को तवज्जो देनी चाहिए और लोंघी के चुनावी अभियान को अपना समर्थन वापस ले लेना चाहिए। लोंघी को ब्रिटिश भारतीयों को अलग-थलग करने के प्रयास के लिए माफी मांगनी चाहिए। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर को लेकर भारत अपने रुख पर कायम है। भारत लगातार कहता रहा है कि जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के साथ, भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं।

वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्डकप 2024 का सबसे बड़ा स्कोर बनाया

अफगानिस्तान को 104 रन से हराया, पूरन ने 98 रन बनाए, मैकॉय को 3 विकेट

सेंट लूसिया, एजेंसी। सेंट लूसिया के ग्रॉस आइलेट स्थित डैरेन सैमी क्रिकेट ग्राउंड पर अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 218 रन बनाए। यह इस वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा स्कोर रहा।

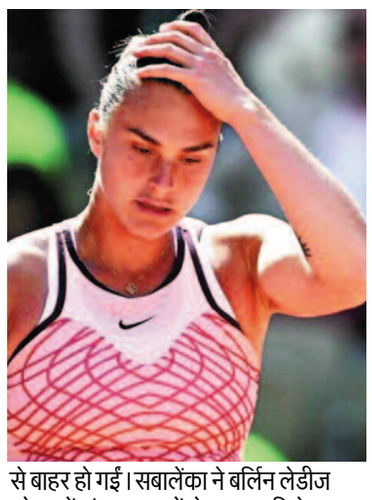

जवाब में अफगानिस्तान 16.2 ओवर में 114 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वेस्टइंडीज के लिए निकोलस पूरन ने 53 बॉल में 98 रन बनाए। वहीं, जॉनसन चार्ल्स ने 43 रन और रोवमैन पॉवेल ने 26 रन की पारी खेली। जबकि, औबेद मैकॉय ने 3 विकेट लिए। गुडाकेश मोती और अकील हौसेन को 2-2 विकेट मिले। आंद्रे रसेल और अल्जारी जोसेफ को 1-1 विकेट हासिल हुआ।

संक्षिप्त समाचार

आर्यना सबालेंका स्वास्थ्य कारणों से पेरिस ओलंपिक से हटी

बर्लिन, एजेंसी। विश्व की तीसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका स्वास्थ्य कारणों और हार्ड कोर्ट पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से आगामी पेरिस ओलंपिक से हट गयी हैं। 26 वर्षीय मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन पिछले महीने फ्रेंच ओपन में रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा से हारकर क्वार्टरफाइनल

से बाहर हो गई। सबालेंका ने बर्लिन लेडीज ओपन में संवाददाताओं से कहा, ॣविशेष रूप से उन सभी संघर्षों के साथ, जिनसे मैं पिछले महीनों में जूझ रही हूं, मुझे लगता है कि मुझे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। शेड्यूल के हिसाब से यह बहुत ज्यादा है और मैंने अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखने का फैसला किया है। बेलारूसी ने कहा कि मैं शारीरिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से यह सुनिश्चित करने के लिए थोड़ा आराम करना पसंद करती हूं कि मैं हार्ड कोर्ट के लिए तैयार हूं और हार्ड-कोर्ट सीज़न में जाने से पहले मेरी अच्छी तैयारी होगी। मुझे लगता है कि यह मेरे शरीर के लिए सुरक्षित और बेहतर है। आगामी ओलंपिक टेनिस आयोजन एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है क्योंकि यह 1992 में बार्सिलोना के बाद पहली बार क्ले कोर्ट में स्थानांतरित हो रहा है।

पंत का नंबर तीन पर खेलना काफी सकारात्मक है: भज्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने टी 20 विश्व कप में ग्रुप ए में अपना अभियान अपराजित रहते हुए ग्रुप में शीर्ष पर रहकर समाप्त किया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने टूर्नामेंट में अब तक भारतीय अभियान की समीक्षा की और ऋषभ पंत के सुपर आठ में नंबर तीन पर बल्लेबाजी जारी रखने का समर्थन किया। पूर्व भारतीय स्पिनर ने पंत के तीसरे नंबर पर आने की व्याख्या करते हुए कहा कि इससे लेफ्ट-राइट संतुलन बना रहता है जो किसी भी

गेंदबाजी इकाई के लिए कड़ी चुनौती पेश करता है। टूर्नामेंट में अब तक पंत भारतीय टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहे हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर तीन पारियों में 96 रन बनाये हैं जबकि आलराउंडर हार्दिक पांड्या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों ने सात-सात विकेट लिए हैं। हरभजन ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि ऋषभ पंत को नंबर 3 पर खेलाना एक बड़ी सकारात्मक बात है। जब ऋषभ पंत नंबर 3 पर खेलते हैं तो बाएं-दाएं संयोजन बनता है। इसमें बहुत सारी सकारात्मकताएं हैं। बेशक, चुनौतियाँ और कठिनाइयाँ हैं। लेकिन चुनौतियाँ उनके लिए आती हैं जो बहादुर होते हैं।

इगोर स्टिमैक भारतीय टीम के कोच पद से बर्खास्त

विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन के बाद हटाए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच इगोर स्टिमैक को अखिल भारतीय फुटबॉल संघ ने मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया है। हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद ढ्ढस्नस्न ने यह फैसला लिया है। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

रविवार को मीटिंग के बाद लिया गया फैसला- स्टिमैक को बर्खास्त करने का फैसला ढ्ढस्नस्न अधिकारियों द्वारा रविवार को की गई मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता ढ्ढस्नस्न के उपाध्यक्ष एनए हैरिस ने की। इस दौरान बैठक में मेनला एथेनपा (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति), अनिलकुमार प्रभाकरन (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति), आईएम विजयन (एआईएफएफ तकनीकी समिति के अध्यक्ष) क्लाइमेक्स लॉरेंस (एआईएफएफ तकनीकी समिति के सदस्य) और सत्यनारायण (कार्यवाहक महासचिव) भी शामिल हुए। एआईएफएफ ने बयान में कहा, सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफिकेशन अभियान के निराशाजनक परिणाम को देखते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि टीम को आगे ले जाने के लिए एक नया मुख्य कोच सर्वश्रेष्ठ होगा।

यूरो कप

रोमानिया ने 24 साल में पहली जीत दर्ज की

यूक्रेन को इतने गोल से हराया, कोच को दिया जन्मदिन का तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। रोमानिया ने यूक्रेन के खिलाफ यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। सोमवार को खेले गए इस मुकाबले में रोमानिया ने यूक्रेन को 3-0 से एकतरफा अंदाज में हराया। रोमानिया की इस टूर्नामेंट में 24 साल में पहली और कुल दूसरी ही जीत है। इस तरह टीम ने कोच एडवर्ड इओर्डनेस्कु को जन्मदिन का तोहफा दिया।

राष्ट्रगान बजने पर भावुक हुए खिलाड़ी- रोमानिया आठ वर्षों में किसी प्रमुख टूर्नामेंट में पहली बार खेल रहा है और राष्ट्रगान बजते ही कई खिलाड़ी रो पड़े। यूक्रेनी फुटबॉल महासंघ ने संघर्ष को उजागर करने के लिए मैच से पहले मई 2022 में रूसी सैनिकों द्वारा नष्ट किए गए स्टेडियम के स्टैंड की म्यूनिख में झलक भी दिखाई।

स्टेनसियू ने दिलाई बढ़त

निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। स्टेनसियू का एक शॉट क्रॉस बार से भी टकराया लेकिन इसके बावजूद रोमानिया ने यूक्रेन को आसानी से हरा दिया। 24 साल पहले इंग्लैंड को 3-2 से हराकर उलटफेर के बाद से रोमानिया की किसी बड़े टूर्नामेंट में यह पहली जीत थी। इओर्डनेस्कु 2016 में अपने पिता एंगेल के बाद यूरोपीय चैंपियनशिप में रोमानिया की टीम का मार्गदर्शन करने वाले पहले कोच बने। वह रविवार को 46 वर्ष के हो गए थे।

एस्टोनिया के साहिल चौहान ने 27 गेंदों पर ठोका शतक

क्रिस गेल का रिकॉर्ड टूटा

नईदिल्ली, एजेंसी। एस्टोनिया के बल्लेबाज साहिल चौहान ने सोमवार को साइप्रस के खिलाफ केवल 27 गेंदों में अपना शतक पूरा करके पुरुषों की टी20ई में सबसे तेज शतक का नया रिकॉर्ड बनाया। चौहान ने नामीबिया के जान-निकोल लोफ्टी ईटन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने फरवरी 2024 में नेपाल के खिलाफ अपने टी20ई शतक तक पहुंचने के लिए 33 गेंदें ली थीं। यही नहीं, चौहान ट्वंटी20 (ओवरऑल) की लिस्ट में भी पहले नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा है। चौहान ने अपनी पारी के दौरान 41 गेंदों पर 6 चौके और 18 छक्कों की मदद से नाबाद 144 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 351 रही।

टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक (ओवरऑल)

● 27 गेंद- साहिल चौहान, इस्टोनिया बनाम साइप्रस, 2024 ● 33 गेंद - जेन निकोल ईडन, नेपाल बनाम नामीबिया, 2024 ● 34 गेंद - कुशल माला, नेपाल बनाम मंगोलिया, 2023 ● 35 गेंद - डेविड मिलर, दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, 2017 ● 35 गेंद -रोहित शर्मा, भारत बनाम श्रीलंका, 2017 ट्वंटी 20 में सबसे तेज शतक (ओवरऑल) ● 27 गेंद -साहिल चौहान, इस्टोनिया बनाम साइप्रस, 2024 ● 30 गेंद -क्रिस गेल, आरसीबी बनाम पुणे वारियर्स, 2013 ● 32 गेंद -ऋषभ पंत, दिल्ली बनाम हिमाचल, 2018

भारत 2025 में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप की मेजबानी करेगा

लुसाने, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के कार्यकारी बोर्ड ने अगले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप के आयोजन की मेजबानी भारत को दी है। टूर्नामेंट दिसंबर 2025 में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब हॉकी जूनियर विश्व कप में 24 टीमें शामिल होंगी।

एफआईएच के अध्यक्ष तैय्यब इकराम ने कहा कि बड़ी और अधिक विविध संख्या में राष्ट्रीय संघों को खेलने के अधिक अवसर देना हमारी सशक्तिकरण और जुड़ाव रणनीति के प्रमुख स्तंभों में से एक है। हमने इस साल ओमान में एफआईएच हॉकी5एस विश्व कप में देखा कि कैसे अधिक विविधता हमारे आयोजनों में एक बड़ा अतिरिक्त मूल्य लाती है। इसलिए, मुझे

बहुत खुशी है कि हमने एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिए भाग लेने वाली टीमों की संख्या में वृद्धि की है और मैं अगले साल इन 24 युवा टीमों को हमारे खेल के भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं! इस स्तर पर, मैं एक और शानदार कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता के लिए हॉकी इंडिया के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूं!

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कि हमें खुशी है कि एफआईएच ने हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी के लिए भारत को चुना। हम एफआईएच को अपना हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करना चाहते हैं। अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम ने हमें इस टूर्नामेंट की जिम्मेदारी सौंपी। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय हॉकी में भारत के बढ़ते महत्व को उजागर करता है।

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन- सूर्यकुमार यादव चोटिल, हाथ पर लगी गेंद

बारबडोस, एजेंसी। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप मिशन के दूसरे राउंड के लिए वेस्टइंडीज पहुंच गई है. यहां पहले ही ट्रेनिंग सेशन के दौरान भारतीय टीम की कुछ चिंताएं बढ़ती दिख रही हैं. टी20 इंटरनेशनल के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव यहां बैटिंग प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए. एक तेज गेंद उनके हाथ पर जा लगी, जिसके बाद वह दर्द में दिखाई दिए. सूर्या को मुश्किल में देखकर फिजियो तुरंत उनके पास पहुंचे और उनका हालचाल जाना. इसके बाद सूर्या ने मैजिक स्प्रे का इस्तेमाल किया और अपनी बैटिंग जारी रखी. हालांकि सूर्या की यह चोट गंभीर है या नहीं इसका मालूम बाद में चलेगा क्योंकि तब उन्होंने मैजिक स्प्रे के कमाल से अपनी बैटिंग जारी रखी थी. बता दें भारतीय टीम ने अपने इस वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत अमेरिका में की थी. उसने शुरुआती 3 मैच न्यूयॉर्क में खेलकर फ्लोरिडा का रुख किया था, जहां कनाडा के खिलाफ उसका मैच बारिश की भेंट चढ़ गया. भारत ने अजेय रहते हुए ग्रुप 8 में अपनी जगह पक्की की. अब वह 20 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ बारबडोस में इस दौर का पहला मैच खेलेगा. इस मैच से पहले सोमवार को भारतीय टीम ने यहां अपना पहला ही ट्रेनिंग सेशन का आयोजन किया था, जिसमें सूर्याकुमार चोटिल हो गए. भारतीय टीम का यह वैकल्पिक ट्रेनिंग सेशन था लेकिन टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाजों ने इसमें भाग लिया. सभी खिलाड़ी यहां बारबडोस की परिस्थितियों के लिहाज से तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहे हैं.

टी-20 वर्ल्डकप: 2024

लॉकी फर्ग्यूसन ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

तारोबा (त्रिदिदाद एंड टोबैगो), एजेंसी। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने चार ओवर में चार मेडन फेंकते हुए तीन विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप-सी मैच में पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को 78 रन पर ढेर कर दिया। फर्ग्यूसन (बिना किसी रन के तीन विकेट), टिम साउथी (2/11), टी-20 विश्व कप में अपना अंतिम मैच खेल रहे ट्रेंट बोल्ट (2/14) और ईश सोढ़ी (2/29) की उम्दा गेंदबाजी के सामने पीएनजी की टीम 19.4 ओवर में सिमट गई। दोनों टीमें पहले ही सुपर आठ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं इसलिए यह महज औपचारिकता का मैच है। ग्रुप-सी से अफगानिस्तान और सह मेजबान वेस्टइंडीज सुपर आठ में पहुंचने वाली दो टीम हैं। मैच में पीएनजी की ओर से चार्ल्स अमीनी (17), नोर्मन वनुआ (14) और सेसे बाऊ (12) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।

रिकॉर्ड बुक में शामिल हुए लॉकी फर्ग्यूसन

1. इस चमत्कारिक स्पैल के बूते लॉकी फर्ग्यूसन ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। अब वह एक टी-20 इंटरनेशनल मैच में चार मेडन डालने वाले दूसरे गेंदबाज बन चुके हैं, उनसे पहले 2021 में कनाडा के साद बिन जफर ने पनामा के खिलाफ चार मेडन के साथ दो विकेट (4-4-0-2) लिए थे।

ट्रंप के साथ अपने संबंध सार्वजनिक करने से बचती दिखीं सेरेना

कहा- मैंने कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की

वाशिंगटन, एजेंसी। टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स ने शनिवार को एक इंटरव्यू में रिपोर्टर के उस सवाल का जवाब देने से इन्कार दिया, जिसमें उसने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा था। इस दौरान सेरेना ने कहा कि उन्होंने ट्रंप के अलावा भी कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की है।

टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स इन दिनों इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि उनका नाम लगातार अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कॉल सूची में है। जब सेरेना से ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया तो वह रक्षात्मक हो गईं और उन्होंने अपने संबंधों को सार्वजनिक करने से इन्कार कर दिया।

सेरेना शनिवार को एक साक्षात्कार में शामिल हुईं। इस दौरान रिपोर्टर ने सेरेना से संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा। हालांकि विलियम्स ने सवाल को ठीक से नहीं लिया। तुरंत जवाब देते हुए कहा, मेरा मतलब है, क्या यह साक्षात्कार इसी बारे में है? सेरेना के पूछने के बाद भी रिपोर्ट अपने सवाल पर कायम रहा। उसने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए कहा, जब किसी को राष्ट्रपति से बात करने का मौका मिलता है तो मुझे उत्सुकता होती है कि उसने राष्ट्रपति से किस बारे में बात की।

अप्रत्याशित रूप से बातचीत में शामिल हुई सेरेना- इस सवाल के जवाब में सेरेना रक्षात्मक दिखीं। उन्होंने अपनी निजता को सार्वजनिक करने से इन्कार किया। कहा, मैं कई राष्ट्रपतियों से बात करती हूं। मैंने बराक, क्लिंटन और रोनाल्ड रीगन तक से बात की है। बावजूद इसके रिपोर्ट ने सेरेना से ट्रंप के साथ संबंधों के बारे में बताने का आग्रह किया। इस पर सेरेना ने रिपोर्ट को रोक दिया। हालांकि, न चाहते हुए भी सेरेना विलियम्स अप्रत्याशित रूप से ट्रंप के इर्द-गिर्द घूमने वाली बातचीत में शामिल हो गईं।

27 जून को आमने-सामने होंगे ट्रंप और बाइडन

बता दें कि पिछले महीने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक अदालत ने गुप्त धन मुकदमे के अंतिम फैसले में 34 गुंडागर्दी मामलों में दोषी ठहराया था। इसके बाद भी ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का सामना करने के लिए तैयार हैं। 27 जून को सीएनएन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसका अटलांटा स्टूडियो से सीधा प्रसारण होगा। हालांकि, इस दौरान कोई स्टूडियो दर्शक मौजूद नहीं रहेगा।

फिल्म दायरा में आयुष्मान और करीना मुख्य भूमिका में आएंगे नजर !

आयुष्मान खुराना और करीना कपूर मेघना गुलजार की आगामी फिल्म में पहली बार एक साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री के सूत्रों ने खुलासा किया है कि मेघना गुलजार की अगली निर्देशित फिल्म दायरा जिसका निर्माण जंगली पिक्चर्स द्वारा किया जा रहा है, इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और करीना कपूर खान मुख्य भूमिका में होंगे। एक ट्रेड सूत्र ने कहा, मेघना गुलजार इस फिल्म के लिए आयुष्मान खुराना और करीना कपूर खान के साथ बातचीत कर रही हैं। यह एक दमदार फिल्म है, जिसमें उनके द्वारा चुने गए कलाकारों की क्षमता वाले कलाकारों की मौजूदगी की गारंटी है। मेघना ने राजी के लिए आलिया भट्ट और विक्की कौशल को साथ लिया है और फिर सैम बहादुर के लिए विक्की और सान्या मल्होत्रा को साथ लिया है। अब सभी की निगाहें दायरा पर होंगी कि मेघना आयुष्मान और करीना की अपनी शानदार कास्ट के साथ क्या जादू बिखेरती हैं।

स्वरा भास्कर को नहीं मिल रहा काम बोलीं- विवादित मुद्दों पर

रिएक्शन देने के चलते इंडस्ट्री ने किया दरकिनार

एक्ट्रेस स्वरा भास्कर अक्सर राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय देती रहती है। शायद यही उनके करियर की सबसे बड़ी रुकावट बन गई है। हाल ही में स्वरा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि आखिर क्यों उन्हें बॉलीवुड में फिल्में नहीं मिल रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे विवादित मुद्दों पर रिएक्शन देने के चलते उन्हें इंडस्ट्री से दरकिनार कर दिया गया।

स्वरा भास्कर ने कहा- मैं एक विक्टम की तरह एक्ट नहीं करना चाहती। मैंने यह रास्ता चुना है। मैंने फैसला किया कि मैं मुखर रहूंगी और मुद्दों पर अपनी राय रखूंगी। मैं चुप रहना भी चुन सकती थी। मुझे पद्मावत में जौहर के दृश्य पर अपना असंतोष व्यक्त करते हुए एक खुला पत्र लिखने की कोई जरूरत नहीं थी।

स्वरा भास्कर ने आगे कहा- आप मेरे से कई सारी शिकायतें कर सकते हैं। आप मुझे पसंद या नापसंद कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जो लोग मुझसे नफरत करते हैं वो भी ये नहीं कह सकते हैं कि ये झूठी है या ये फेक है। वे यह नहीं कह सकते हैं कि मैं कोई और होने का दिखावा करती हूं जो मैं नहीं हूं। लोगों के साथ बातचीत के अनुसार मेरी राय नहीं बदलती। मैं सबके साथ समान रहती हूं। अगर मैं यह सब नहीं कहती तो घुट-घुट कर मर जाती। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कहा- आप कह सकते हैं कि मुझे युद्ध में गोली लगी है और जब गोली लगती है तो दुख होता है। यह मेरी राय के परिणाम हैं। मेरी बेटी राबिया के जन्म से पहले एक्टिंग मेरा सबसे बड़ा पैशन और प्यार था।

मैं कई सारे रोल्स और एक्टिंग प्रोजेक्ट्स करना चाहती थी। मगर मुझे वैसा चांस नहीं मिला, जैसा मैं चाहती थी। इतने सारे एक्टिंग प्रोजेक्ट न मिलने की कीमत चुकानी पड़ती है जिसमें वित्तीय और भावनात्मक दोनों तरह की परेशानियां शामिल हैं। प्रतिष्ठा को लेकर चिंता होती है। मुझे एक कॉन्ट्रोवर्शियल एक्ट्रेस के रूप में टैग किया गया है। निर्देशक, निर्माता और वितरक आपके बारे में बुरा-भला कहना शुरू कर देते हैं। आपकी एक इमेज बन जाती है। ऐसा नहीं है कि मुझे इसकी चिंता नहीं है, लेकिन मैं अपनी बात पर टिके रहने में कामयाब रही हूं, लेकिन जो बात मुझे सबसे ज़्यादा दुख पहुंचाती है, वह यह है कि मैं उस चीज से संतुष्ट नहीं हो पाई जिसे मैं सबसे ज्यादा प्यार करती हूं - अभिनय।

अविका गौर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ब्लडी इश्क के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान अपने साथ हुए एक हादसे को अपने फैंस के संग साझा किया है। अभिनेत्री कहती हैं, मुझे अच्छी तरह से याद है किसी ने मुझे पीछे से छुआ था। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो पीछे मेरा बॉडीगार्ड था। टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री अविका गौर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बतौर बाल कलाकार अपने करियर की शुरुआत टीवी के हिट शो बालिका वधु से किया था। इस शो में वे आनंदी के किरदार में नजर आई थीं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने साथ बचपन में हुए एक हादसे को साझा किया है। आइए जानते हैं अविका ने क्या कुछ कहा है उस हादसे के बारे में...

छोटी आनंदी के साथ हुआ था एक दर्दनाक हादसा

अपने बॉडी गार्ड ने किया था गलत काम

अविका गौर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ब्लडी इश्क के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान अपने साथ हुए एक हादसे को अपने फैंस के संग साझा किया है। अभिनेत्री कहती हैं, मुझे अच्छी तरह से याद है किसी ने मुझे पीछे से छुआ था। मैंने पीछे मुड़कर देखा तो पीछे मेरा बॉडीगार्ड था। यह हादसा कजाकिस्तान में हुआ था। जब उसने मुझे पहली बार गलत तरीके से छुआ था तभी मुझे उसे टोकना चाहिए था।

मैंने थोड़ी हिम्मत दिखाई

अविका गौर अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं एक मंच पर शो के लिए जा रही थी तब मुझे लगा कि फिर से मुझे कोई छूने की कोशिश कर रहा है। मैंने मुस्कर गुस्से से उनकी तरफ देखा तो वे सकपका गए और उन्होंने मुझसे माफी मांग लिया। मैंने उस बात को जाने दिया, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे उन्हें ऐसे ही नहीं जाने देना चाहिए था। मैं शायद थोड़ा और हिम्मत दिखा सकती थी।

किसी भी चीज के लिए अब तैयार हैं अविका

अविका गौर उस हादसे के बाद काफी बदल गई हैं। अभिनेत्री कहती हैं, अभी तो मैं मेरी बात कर रही हूं। सोचिए मेरे पास बॉडीगार्ड्स के होने के बावजूद मेरे साथ यह हादसा हो सकता है तो बाहर बहुत सारी लड़कियां होती हैं जिनके पास तो बॉडीगार्ड्स भी नहीं होते हैं उनके साथ क्या होता होगा।

ससुराल सिमर का की दीपिका कक्कड़ कर सकती हैं टीवी पर वापसी

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने शादी के बाद कुछ शोज और म्यूजिक वीडियोज में काम किया लेकिन फिर इंडस्ट्री से दूरी बना ली। फैन्स हमेशा उनसे यही सवाल पूछते हैं कि वह कब दोबारा नजर आएंगी। अब एक्ट्रेस ने इसका जवाब दिया है। बताया है कि शायद जल्द ही वह कमबैक कर सकती हैं।

ससुराल सिमर का से फेमस एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ पर्दे से लंबे समय से गायब हैं। उन्होंने को-एक्टर शोएब इब्राहिम से शादी की। हालांकि उसके बाद काम किया लेकिन बाद में घर बैठ गईं और अपना यूट्यूब चैनल शुरू कर दिया। शोएब तो इंडस्ट्री में काम करते रहे लेकिन दीपिका ने सब बंद कर दिया।

लेकिन लोग हमेशा यही पूछते कि वह पर्दे पर कब वापसी कर रही हैं, जिसका जवाब अब शोएब ने दिया है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब वाले सेशन में शोएब इब्राहिम ने अपने चाहने वालों की जिज्ञासाओं को शांत किया है।

एक यूजर ने उनसे ये सवाल किया, दीपिका मैम क्यों टीवी इंडस्ट्री में वापस नहीं आ रही हैं इस पर शोएब ने नहीं, बल्कि दीपिका कक्कड़ ने खुद ही जवाब दिया। साथ ही चुटकी भी ली।

दीपिका ने वापसी पर क्या कहा

दीपिका कक्कड़ ने शोएब द्वारा इस सवाल को पढ़े जाने पर अपने फॉलोअर्स के लिए इस सवाल का जवाब दिया, जिसमें बताया कि वह अपना करियर फिर से शुरू करने में देरी क्यों कर रही हैं। दीपिका ने चुटकी लेते हुए कहा, सिर्फ इसलिए क्योंकि इस वक्त मेरा मन नहीं है। इसका कोई कारण नहीं है।

दीपिका कक्कड़ अभी तैयार नहीं

दीपिका ने आगे बताया, मैं इस वक्त वो फ्रेम में नहीं हूं कि मैं बाहर जाऊं, रोज शूट पर जाऊं, वहीं एक कमिटमेंट दूं। क्योंकि जाहिर तौर पर जब आप एक शो लेते हो तो बहुत बड़ा कमिटमेंट होता है। और मैं इस वक्त उस चीज के लिए तैयार नहीं हूं। जब आप शो की शूटिंग शुरू करते हैं, तो यह एक बड़ा कमिटमेंट होता है और मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं।

पर्दे पर लौटने की तरफ दीपिका कक्कड़ का इशारा

हालांकि दीपिका ने टीवी की दुनिया में लौटने की तरफ इशारा जरूर किया है। उन्होंने कहा, लेकिन हो सकता है कि वो पल शायद दोबारा आए। जैसा कि शोएब ने अपने व्लॉग में बोला था, हो सकता है कि मैं दोबारा तय करूं कि अब समय आ गया है कि मैं वापस आ जाऊं।

अल्लू ने ठुकराई एटली की फिल्म !

एक ओर जहां पुष्पा 2 के पोस्टपोन होने की चर्चा चल रही है, वहीं खबर है कि अल्लू अर्जुन ने जवान के डायरेक्टर एटली की फिल्म ठुकरा दी है। ऐसे में एटली एक बार फरि से सलमान खान के भरोसे हैं। अल्लू अर्जुन ने इससे पहले एटली की जवान में भी कैमियो करने से इनकार कर दिया था। अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए एक और बुरी खबर है! जी हां, पहले ही जहां पुष्पा 2 की रिलीज एक बार फिर से पोस्टपोन होने की चर्चा है, वहीं अब खबर है कि एक्टर ने जवान फेम डायरेक्टर एटली की फिल्म ठुकरा दी है। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब पिछले दिनों ऐसी चर्चा थी कि शाहरुख खान के साथ ब्लॉकबस्टर देने वाले एटली अब सलमान खान संग फिल्म करेंगे। हालांकि, अरबाज खान ने इन कयासों पर विराम लगा दिया था। लेकिन अब अल्लू अर्जुन के फिल्म को ठुकराने के बाद फिर से चर्चा चल पड़ी है कि बहुत संभव है कि यह फिल्म अब सलमान खान करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन और एटली कुमार की बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और तमिल फिल्मेकर एटली की जोड़ी फिलहाल नहीं बन रही है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब पुष्पाः द रूल का पोस्टपोन होना लगभग तय हो चुका है। पुष्पा 2 पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होने वाली थी। लेकिन बताया जाता है कि यह फिल्म अभी तक बनकर तैयार नहीं हुई है।

सोफी चौधरी ने खूबसूरत स्माइल से लोगों को बनाया अपना दीवाना

बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी बेहतरीन सिंगिंग और अदाकारी से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने फैशन सेंस को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। वह फैशन आइकॉन भी मानी जाती हैं। हाल ही में उनका एयरपोर्ट लुक काफी वायरल हो रहा है। उनके एयरपोर्ट लुक की बात करें तो सोफी ने व्हाइट कलर की टीशर्ट के साथ डार्क क्रीम कलर की पैंट पहनी हुई है। उन्होंने अपने लुक को सनग्लासेस और स्टाइलिश बैग के साथ पूरा किया। उनकी उंगली में बेहद खूबसूरत रिंग नजर आई। बता दें कि सोफी का जन्म इंग्लैंड के मैनचेस्टर में हुआ था। उन्होंने भरतनाट्यम और भारतीय शास्त्रीय संगीत सीखा हुआ है। लंदन एकेडमी ऑफ म्यूजिक और ड्रामेटिक्स से उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया।

सोफी ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अपनी पढ़ाई की। महज 12 साल की उम्र में उन्होंने अपना सिंगिंग करियर शुरू किया। उन्होंने श्वेता शेट्टी और अलीशा चिनॉय के लिए बतौर बैकअप सिंगर आवाज दी। उनका पहला ग्रुप सॉन्ग ये दिल सुन रहा है था। सोफी साल 2002 में टीवी शो एमटीवी लव लाइन में नजर आई थीं। उन्होंने शादी नंबर वन से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह रियलिटी शो झलक दिखला जा सीजन 7 में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आई।

फिल्म निर्माताओं की सहायक बनीं सोनम बाजवा

पंजाब फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री सोनम बाजवा अपने फिल्म निर्माताओं की अनोखे ढंग से मदद करती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान सोनम ने बताया कि कैसे वह बढ़ती उत्पादन लागत को कम करने के लिए अपनी फिल्म के निर्माताओं की मदद करती हैं। सोनम बाजवा पंजाबी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से हैं। अभिनय के मामले में सोनम नंबर वन हैं और अभिनेत्री की खूबसूरती का तो कोई जवाब ही नहीं है। सोनम की खूबसूरती के आगे बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां फेल हैं। उन्होंने पंजाबी फिल्मों के अलावा हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषा की फिल्मों में भी काम किया है। हाल ही में सोनम की फिल्म कुड़ी हरियाणे वल दी 14 जून 2024 को रिलीज हुई थी, जो फैंस को बेहद पसंद आई।

इस ओटीटी प्लेटफार्म पर स्ट्रीमिंग होगी अरनमनई 4

तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना की फिल्म अरनमनई 4 ने सिनेमाघरों में जमकर धमाल मचाया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की है। फिल्म का पहली तीनों किश्तें सुपरहिट रही थीं, जिसके बाद मेकर्स चौथी किश्त लेकर आए थे। इस फिल्म को आप तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में देख सकते हैं। सिनेमाघरों के बाद अब यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार है। तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना की तमिल हॉरर-कॉमेडी हिट कॉमेडी फिल्म अरनमनई 4 की ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। पॉपुलर फ्रेंचाइजी की यह चौथी किश्त 21 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। अरनमनई 4 में पैन-इंडिया स्टार तमन्ना के साथ-साथ वर्सेटाइल पावरहाउस एक्ट्रेस राशि खन्ना भी लीड रोल में हैं।